

दश वर्षीय नगर शिक्षा क्षेत्र योजना २०७५/२०८०-२०८८/२०८९



मध्यविन्दु नगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय

चोरमारा, नवलपरासी, (बर्दघाट सुस्तापूर्व)

गण्डकी प्रदेश, नेपाल

**मध्यविन्दु नगरपालिकाको दश वर्षीय नगर शिक्षा क्षेत्र योजना
२०७८ /२०८०- २०८८/२०८८**



सर्वाधिकार प्रकाशक :
मध्यविन्दु नगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय
चोरमारा, नवलपरासी, (बर्दघाट सुस्तापूर्व)
गण्डकी प्रदेश, नेपाल



Consultants (P) Ltd
परामर्शदाता संस्था
आर.एच. कन्सल्टेन्ट्स प्रा. लि.
चाबहिल, काठमाडौं, बागमती

यो दश वर्षीय शिक्षा क्षेत्र योजना मध्यविन्दु नगरपालिकाका विद्यालय, सामूदायिक सिकाइ केन्द्र, शाखा, उपशाखा, विषयगत कार्यालय र वडा कार्यालयहरूलाई निःशुल्क वितरणका लागि प्रकाशन गरिएको हो । अन्य व्यक्ति एवम संघ संस्थाहरूलाई यसको मुद्रण कपी निःशुल्क प्राप्त गर्न कर लाग्ने छैन ।

नगर प्रमुखको मन्तव्य

नेपालको संविधानले स्थानीय तहलाई आधारभूत तह तथा माध्यामिक तहको शिक्षाको जिम्मेवारी प्रदान गरेको हुनाले आवश्यक नगर शिक्षा योजना बनाई, योजना मार्फत बजेट र कार्यक्रममा समेटेर आन्तरिकीकरण गर्नु नगरपालिकाको दायित्व हो। मध्यविन्द नगरपालिकाले पनि नगरको समग्र शिक्षालाई योजनाबद्ध व्यवस्थित र समृद्ध बनाउन नगर शिक्षा योजना तयार गरेको छ। यस नगर शिक्षा योजनाले नगरको शिक्षालाई तीव्र गतिको विकास गर्नका सहज हुनेमा हामी विश्वस्त छौं।

शैक्षिक योजनाका रूपमा सरोकारवालाहरूको सहभागिता, अपनत्व, स्रोत र साधनको अधिकतम परिचालन र उपयोग, शैक्षिक गुणस्तर सुधार आदिलाई महत्वपूर्ण विशेषताका रूपमा लिनुपर्दछ। सङ्घीयतामा प्रवेश गरिसकेपछि स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ ले स्थानीय तहलाई आवधिक योजनाका साथसाथै विषयगत योजनाहरू पनि निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्नुपर्ने कुरालाई नीतिगत रूपमा व्यवस्था गर्नु महत्वपूर्ण उपलब्धि हो। त्यसैको प्रतिफल यस नगरपालिकाले १० वर्षे शिक्षा योजना निर्माण गरी सामूहिक लक्ष्य तथा उद्देश्य प्राप्तमा समन्वय र सहकार्य गरी अगाडि बढ्ने तयारीमा छ। यस नगर शिक्षा योजना मार्फत योजनाबद्ध शैक्षिक गतिविधि सञ्चालन भई गुणस्तर अभिवृद्धिमा ठोस योगदान पुग्ने विश्वास लिएको छु।

स्थानीय तहको शिक्षा योजना निर्माण सम्बन्धी मार्गदर्शन, २०७८ ले लिएका वा बनाएका कतिपय परिमाणात्मक सूचक यस नगरपालिकाले हासिल गरिसकेको छ भने कतिपय सूचकमा स्थानीय आवश्यकता अनुरूप फेरबदल आवश्यक देखिएकाले सोही अनुरूप यसमा समावेश गरिएको छ।

मिमलाल अधिकारी
नगर प्रमुख
मध्यविन्दु नगरपालिका

प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतको दृष्टिकोण

नगरपालिकाको विकासको एउटा पक्षलाई मात्र जोड दिएर विकास गरियो भने त्यसलाई सर्वमान्य वा सबैकालागि पहुँचयुक्त विकास भन्न सकिँदैन । नगरको सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, पूर्वाधार र वातावरणीय विकासलाई सन्तुलित र योजनाबद्ध ढंगले गरिनुपर्छ । संस्कार र सम्पदा भावी पुस्ताकालागि समेत उपयोग गर्ने वातावरण बनाइनुपर्छ । यसकालागि नगरको शिक्षालाई समय सापेक्ष उच्च गतिमा सञ्चालन गर्नु आवश्यक छ । हाम्रो जस्तो सीमित स्रोत साधन मार्फत बढी उपलब्धि प्राप्त गर्न यस दश वर्षे नगर शिक्षा योजनाले महत्वपूर्ण मार्गदर्शन गर्ने छ ।

यसले आधारभूत तथा माध्यामिक शिक्षामा नगरको आवश्यकता र स्रोत साधनअनुसार उच्चतम उपलब्धिको आवश्यकता बोध गरेको छ । नेपाल सरकार शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय शिक्षा तथा मानवस्रोत विकास केन्द्र सानोठिमी, भक्तपुरबाट निर्मित स्थानीय तहको शिक्षा योजना निर्माणसम्बन्धी मार्गदर्शन, २०७८ ले जारी गरेका सूचक र परिमाणात्मक लक्ष्यका आधारमा यो १० वर्षे नगर शिक्षा योजना निर्माण भएको छ ।

नगरको आधारभूत तथा माध्यामिक शिक्षालाई दिगो, सन्तुलित र समावेशिता सहित समयसापेक्ष उच्चतम प्रविधिको पहुँचमा पुऱ्याउन यस योजनाले महत्वपूर्ण भूमिका खेल्नेछ । यो दशवर्षे योजनाले नगरको समग्र शिक्षामा उच्चतम लक्ष्य प्राप्त गर्नकालागि मध्यविन्दु नगरपालिकाले लिएका पहलकदमी र योजनाबारे विस्तृतमा जानकारी दिने र नेपाल सरकार स्थानीय तहको शिक्षा योजना निर्माणसम्बन्धी मार्गदर्शन, २०७८ ले दिएका लक्ष्य तथा सूचक हासिल गर्न सहयोग पुग्ने विश्वास लिएको छु । अन्त्यमा, यो दस्तावेज बनाउन सहयोग गर्नुहुने सबैमा हार्दिक धन्यवाद प्रकट गर्न चाहन्छु ।

ज्ञानुप्रसाद पनेरु
प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत
मध्यविन्दु नगरपालिका

नगर शिक्षा योजना सम्बन्धमा

यो १० वर्षे नगर शिक्षा योजना मध्यविन्दु नगरपालिकाले नगरको समग्र शिक्षालाई दिगो तथा व्यवस्थित तवरबाट सञ्चालन गर्न मार्गदर्शन हुनेछ। यसले शिक्षाको सन्तुलित विकासमा जोड दिएको छ। समयसापेक्ष भौतिक पूर्वाधार विकास, प्रविधिमा पहुँच, क्षमता विकास लगायतकालागि बजेट व्यवस्थापनका आधार तयार गरेको छ।

१० वर्षे नगर शिक्षा योजना तयारी समिति

संयोजक : अर्जुन प्रसाद पंजानी

सदस्य : शान्ता वि.क. का.स.

सदस्य : भोलानाथ शर्मा पौडेल

सदस्य : लेखराज भण्डारी

सदस्य सचिव : कृष्णप्रसाद रेग्मी



सहकार्य : आर.एच. कन्सल्टेन्ट्स प्रा.लि. Consultants (P) Ltd

संयोजन/लेखन : भूमिदत्त पौडेल

सम्पादन/निर्देशन : नुरजङ शाह

लेखन/तथ्याङ्क सङ्कलन/डिजाइन : ऋषिराम उपाध्याय

लेखन/तथ्याङ्क सङ्कलन : त्रिभुवन शर्मा

लेखन/तथ्याङ्क सङ्कलन : अनिल सिग्देल

लेखन/तथ्याङ्क सङ्कलन : लक्ष्मि कार्की

लेखन/तथ्याङ्क सङ्कलन : ऋचा के.सी. पाण्डे

विषय सूची

परिच्छेद १ - परिचय

| | |
|---|----|
| १.१. पृष्ठभूमि | १ |
| १.१.१. मध्यविन्दु नगरपालिकाको समग्र परिचय | १ |
| क) नगरपालिकाको भौगोलिक अवस्थिति र सिमाना | |
| ख) लिङ्ग आधारमा कुल जनसङ्ख्याको वडागत वितरण अवस्था | |
| ग) सामाजिक तथा सांस्कृतिक अवस्था | |
| १.१.२. नगरपालिकाको शैक्षिक अवस्था..... | ४ |
| क) शैक्षिक संस्थाको विवरण | |
| ख) वडागत शैक्षिक संस्थाको विवरण | |
| ग) वडागत शैक्षिक संस्थाको नामावली | |
| घ) मध्यविन्दु नगरपालिकाभित्र रहेका विद्यार्थी विवरण | |
| ङ) विद्यालयतहमा अध्ययनरत छात्रछात्राको सङ्ख्या | |
| च) शैक्षिक स्तर अनुसार जनसङ्ख्याको वर्गीकरण | |
| छ) लैङ्गिकताका आधारमा शैक्षिक अवस्थाको वर्गीकरण | |
| ज) जनजाती, मधेशी र दलित जनसङ्ख्याको शैक्षिक अवस्थाको वर्गीकरण | |
| झ) शिक्षक तथा कर्मचारी विवरण | |
| ञ) शिक्षक दरबन्दी (सामुदायिक विद्यालय) | |
| ट) शिक्षण संस्थाहरूमा खानेपानीको अवस्था | |
| ठ) विद्यालयहरूमा शौचालयको अवस्था | |
| ड) नगरपालिकाभित्रका विद्यालयमा रहेका साधन स्रोत तथा सेवाहरू | |
| ढ) विद्यालयहरूमा दिवाखाजाको व्यवस्था | |
| ण) विद्यालय भवन र कक्षा कोठा | |
| १.२. मुख्य समस्याहरू | १३ |
| १.३. शिक्षाक्षेत्रका चुनौतीहरू | १३ |
| १.४. अवसरहरू | १४ |

परिच्छेद २ - लक्ष्य निर्धारण

| | |
|---------------------------------|----|
| २.१. दूरदृष्टि | १५ |
| २.२. लक्ष्य | १५ |
| २.३. उद्देश्यहरू | १५ |
| २.४. रणनीति तथा कार्यनीति | १५ |

| | |
|---|-----------|
| ३.५ अपेक्षित मुख्य उपलब्धि..... | २० |
| ३.६. मुख्य कार्यसम्पादन सूचक तथा लक्ष्य निर्धारण | २० |
| परिच्छेद ३ - विद्यालय क्षेत्रका मुख्य उपक्षेत्रहरु | २८ |
| ३.१. प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा | २८ |
| ३.१.१. वर्तमान अवस्था..... | २८ |
| ३.१.२. प्रारम्भिक बालविकासका चुनौती | २८ |
| ३.१.३. प्रारम्भिक बालविकासका उद्देश्य | २९ |
| ३.१.४. प्रारम्भिक बालविकासका रणनीतिहरू | २९ |
| ३.१.५ उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य..... | २९ |
| ३.२.आधारभूत शिक्षा | ३१ |
| ३.२.१.वर्तमान अवस्था..... | ३२ |
| ३.२.२. उद्देश्य | ३३ |
| ३.२.३. रणनीतिहरू | ३३ |
| ३.२.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य | ३५ |
| ३.३. माध्यमिक शिक्षा..... | ३७ |
| ३.३.१.वर्तमान अवस्था | ३७ |
| ३.३.२. उद्देश्यहरू | ३७ |
| ३.३.३. रणनीतिहरू | ३८ |
| ३.४. पाठ्यक्रम र मूल्याङ्कन..... | ४० |
| ३.४.१. वर्तमान अवस्था..... | ४१ |
| ३.४.२. उद्देश्य..... | ४१ |
| ३.४.३ रणनीतिहरू | ४२ |
| ३.४.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य..... | ४२ |
| ३.५. शिक्षक व्यवस्थापन र विकास | ४४ |
| ३.५.१ वर्तमान अवस्था | ४४ |
| ३.५.२. उद्देश्य | ४५ |
| ३.५.३. रणनीतिहरू | ४५ |
| ३.५.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य | ४६ |
| ३.६. अनौपचारिक शिक्षा र जीवनपर्यन्त सिकाइ..... | ४८ |
| ३.६.१. वर्तमान अवस्था | ४९ |

| | |
|--|-----------|
| ३.६.२. उद्देश्य | ५० |
| ३.६.३. रणनीतिहरू | ५० |
| ३.६.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य | ५१ |
| ३.७. प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा | ५२ |
| ३.७.१. वर्तमान अवस्था | ५३ |
| ३.७.२. उद्देश्य..... | ५४ |
| ३.७.३. रणनीतिहरू | ५४ |
| ३.७.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य..... | ५५ |
| परिच्छेद ४ - अन्तरसम्बन्धित विषय तथा क्षेत्रहरू | ५६ |
| ४.१. शैक्षिक समता र समावेशीकरण | ५६ |
| ४.१.१. वर्तमान अवस्था | ५६ |
| ४.१.२. उद्देश्यहरू | ५७ |
| ४.१.३. रणनीतिहरू | ५८ |
| ४.१.४. उपलब्धि, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य | ५८ |
| ४.२. दिवा खाजासहित स्वास्थ्य तथा पोषण कार्यक्रम..... | ६० |
| ४.२.१. वर्तमान व्यवस्था..... | ६० |
| ४.२.२. उद्देश्य | ६२ |
| ४.२.३. रणनीतिहरू | ६२ |
| ४.२.३. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य | ६३ |
| ४.३. आपतकालीन तथा सङ्कटपूर्ण अवस्थामा शिक्षा..... | ६५ |
| ४.३.१. वर्तमान अवस्था..... | ६६ |
| ४.३.२. उद्देश्यहरू | ६७ |
| ४.३.३. रणनीतिहरू | ६७ |
| ४.३.४. प्रमुख प्राथमिकता क्षेत्र, नतिजा तथा क्रियाकलाप | ६७ |
| ४.४. विद्यालय भौतिक पूर्वाधार विकास | ६९ |
| ४.४.१. वर्तमान अवस्था | ६९ |
| ४.४.२. उद्देश्य | ७० |
| ४.४.३. रणनीतिहरू | ७० |
| ४.४.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य | ७० |
| ४.५. विद्यालयमा सूचना र सञ्चार प्रविधि..... | ७१ |

| | |
|---|-----------|
| ४.५.१. वर्तमान अवस्था..... | ७२ |
| ४.५.२. उद्देश्यहरू | ७३ |
| ४.५.३. रणनीतिहरू | ७३ |
| ४.५.४. नतिजा, क्रियाकलाप तथा लक्ष्य..... | ७३ |
| ४.६. खुसी कार्यक्रम | ७४ |
| परिच्छेद ५ - सुशासन तथा व्यवस्थापन | ७६ |
| ५.१. संस्थागत संरचना र क्षमता विकास | ७६ |
| ५.१.१. वर्तमान अवस्था | ७७ |
| ५.१.२. उद्देश्य | ७८ |
| ५.१.३. रणनीतिहरू | ७८ |
| ५.१.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप..... | ७९ |
| ५.२. स्थानीय शिक्षा योजना कार्यान्वयनको प्रबन्ध | ८० |
| ५.२.१ वर्तमान व्यवस्था..... | ८० |
| ५.२.२. उद्देश्य..... | ८१ |
| ५.२.३. रणनीतिहरू | ८१ |
| ५.२.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप र लक्ष्य | ८२ |
| ५.३. अनुगमन तथा मूल्याङ्कन..... | ८२ |
| ५.३.१. वर्तमान अवस्था | ८३ |
| ५.३.२. उद्देश्य | ८४ |
| ५.३.३. रणनीतिहरू | ८४ |
| ५.३.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य | ८५ |
| परिच्छेद ६ - लगानी र स्रोत व्यवस्थापन | ८६ |
| ६.१.१. वर्तमान अवस्था..... | ८७ |
| ६.१.२. उद्देश्य | ८८ |
| ६.१.३. रणनीतिहरू | ८८ |
| ६.१.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप र लक्ष्य..... | ८८ |
| परिच्छेद ७ - मुख्य उपलब्धि सूचकहरू | ९० |
| ७.१. योजनाको समग्र नतिजा खाका | ९० |
| तालिकाहरू : | |
| तालिका नं. १ : लिङ्गानुसार बडागत जनसङ्ख्याको वर्गीकरण | २ |

| | |
|---|----|
| तालिका नं. २: जातजाति अनुसार जम्मा घरधुरी र जनसङ्ख्या | ३ |
| तालिका नं. ३: वडागत रुपमा धर्म अनुसार जनसङ्ख्या | ४ |
| तालिका नं. ४: शैक्षिक संस्थाको विवरण | ४ |
| तालिका नं. ५: वडागत शैक्षिक संस्थाको विवरण | ५ |
| तालिका नं. ६: वडागत विद्यालयको नामावली | ५ |
| तालिका नं. ७: विद्यार्थी विवरण | ७ |
| तालिका नं. ८: छात्रछात्राको सङ्ख्या | ७ |
| तालिका नं. ९: वडागत तथा शैक्षिक स्तर अनुसार जनसङ्ख्याको वर्गीकरण | ८ |
| तालिका नं. १०: लैङ्गिकताका आधारमा शैक्षिक वर्गीकरण | ८ |
| तालिका नं. ११: जनजाती, मधेशी र दलित अनुसार शैक्षिक वर्गीकरण | ९ |
| तालिका नं. १२: शिक्षक, कर्मचारी विवरण | ९ |
| तालिका नं. १३: शिक्षक दरबन्दी..... | १० |
| तालिका नं. १४: विद्यालयहरूमा खाने पानी उपलब्धताको अवस्था..... | १० |
| तालिका नं. १५: नगरपालिकाभित्रका विद्यालयमा भएका शौचालयहरूको विवरण | ११ |
| तालिका नं. १६: नगरपालिकाभित्रका विद्यालयमा भएका सेवा | ११ |
| तालिका नं. १७: विद्यालयहरूमा दिवाखाजा व्यवस्थाको विवरण..... | १२ |
| तालिका नं. १८: विद्यालय भवन र कक्षाकोठा विवरण | १२ |

परिच्छेद १ - परिचय

१.१. पृष्ठभूमि

नेपालको संविधान २०७२ अनुसार हाल सङ्घ, प्रदेश र स्थानीयतह गरी तीन तहका सरकार क्रियाशील रहेका छन् । संविधानले समग्रमा समतामूलक उन्मुख राष्ट्र निर्माणकालागि समतामूलक, समावेशी र समाजवाद उन्मुख राष्ट्र निर्माण गर्ने मुख्य ध्येय राखे अनुरूप शिक्षा सम्बन्धी हक तथा प्राथमिकताहरु स्थापित गरेको छ । सोही अनुसार संवैधानिक शिक्षा सम्बन्धी हक तथा प्राथमिकतालाई कार्यान्वयन गर्न निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा ऐन २०७५ लागु भईसकेको छ । निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा नियमावली २०७७ कार्यान्वयमा आईसकेको छ । साथै बालबालिका सम्बन्धी ऐन २०७५ ले शिक्षा सम्बन्धी हकहरुलाई प्रत्याभूत गरेको छ । राष्ट्रिय शिक्षा नीति २०७६ ले संवैधानिक मान्यतामा आधारित रही शिक्षा क्षेत्रमा सुधार तथा परिवर्तनका निम्ति नीतिगत व्यवस्था गरेको छ । राज्यको आर्थिक समृद्धि र सामाजिक न्याय सहितको समतामूलक समाज निर्माण गर्न सबैको लागि गुणस्तरीय शिक्षाको सुनिश्चितता गरी राष्ट्र निर्माणमा आवश्यक मानव संसाधनको विकासमा शिक्षाको अहमभूमिका रहन्छ । संविधानले शिक्षालाई मौलिक हकका रूपमा उल्लेख गरी कार्यान्वयन गर्न कानून निर्माणको कार्य थालनी गरे अनुसार स्थानीय तहको शिक्षालाई दिगो सोचका साथ योजनाबद्ध अगाडी बढाउनु यस नगरको दायित्व हो ।

सङ्घीय स्वरूपको राज्यव्यवस्थामा राज्यका सबै तहका सरकार बीचको आपसी समन्वय र सहकार्यबाट नै राज्यले परिलक्षित गरेका उद्देश्य प्राप्त गर्न सक्छ । मानव संसाधनको विकासबाट मुलुकको उपलब्ध प्राकृतिक स्रोत साधन र अवसरहरुको समुचित परिचालन हुन गई नेपाल सरकारले राखेको २५ वर्षे दीर्घकालीन सोच “समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाली” सहितको समुन्नत राष्ट्र निर्माणमा शिक्षाको माध्यमबाट योगदान पुऱ्याउन सकिन्छ । यही वृहत्तर उद्देश्य प्राप्तिकालागि नेपाल सरकार शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय शिक्षा तथा मानवस्रोत विकास केन्द्र सानोठिमी, भक्तपुरबाट जारी स्थानीय तहको शिक्षा योजना निर्माणसम्बन्धी मार्गदर्शन, २०७८ अनुरूप तयार गरिएको छ ।

यसै सन्दर्भमा नेपालको संविधानमा भएका शिक्षा सम्बन्धी प्रावधान, २५ वर्षे राष्ट्रिय दीर्घकालीन सोच, राष्ट्रिय शिक्षा नीति र राष्ट्रिय विज्ञान प्रविधि तथा नवप्रवर्तन नीति, सामुदायिक विद्यालय सबलीकरण दशक (२०७६-२०८५) कालागि सम्बोधन गर्नुपर्ने विषयहरु, १५ वर्षे दिगो विकास लक्ष्य, पन्क १ आबधिक योजनाका लक्ष्यहरु र हालै कोभिड-१९ ले पारेको प्रभावलाई समेत सम्बोधन गर्ने गरी नेपाल सरकार, शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालयले १० वर्षे (वि.सं. २०७८ देखि २०८७ सम्म) शिक्षा क्षेत्रकालागि शिक्षा योजना निर्माणलाई अगाडि बढाएको छ । तीनै तहमा निर्माण प्रस्तावित योजनाले नेपाललाई सन् २०२२ सम्ममा विकासशील मुलुकको रूपमा र सन् २०३० दिगो विकासका लक्ष्य हासिल गर्दै मध्यम आय भएको मुलुकको रूपमा स्तरोन्नति गर्ने तथा समृद्ध नेपाल र सुखी नेपालीको राष्ट्रिय अपेक्षा पूरा गर्ने कार्यमा मध्यविन्दु नगरपालिकाले समेत स्थानीयतामा आधारित रहेर “दश वर्षीय नगर शिक्षा योजना” निर्माण गरेको छ ।

१.१.१. मध्यविन्दु नगरपालिकाको समग्र परिचय

नेपालको पुर्वदेखि पश्चिमसम्म फैलिएको ऐतिहासिक महेन्द्र राजमार्गको ठिक मध्यभागमा यो नगरपालिका पर्ने भएकोले यस नगरपालिकाको नाम मध्यविन्दु रहन गएको हो । मध्यविन्दु नगरपालिका साविकका मैनाघाट,

नयाँ बेलहानी, प्रसौनी र राकाचुली गा.वि.स. समेत समेटर बनेको छ । गण्डकी प्रदेशको नवलपरासी (बर्दघाट सुस्तापूर्व) जिल्लामा पर्ने यस मध्यविन्दु नगरपालिकामा १५ वटा वडाहरू छन् । यस नगरपालिकाको कुल क्षेत्रफल २३३.३५ वर्ग.कि.मि. रहेको छ ।

क) नगरपालिकाको भौगोलिक अवस्थिति र सिमाना

अवस्थिति : अक्षांस २७°६३' देखि उत्तर, देशान्तर ८४°३५' पूर्व पर्दछ ।

सिमाना : पूर्वमा- कावासोती नगरपालिका, पश्चिममा- विनयी नगरपालिका, उत्तरमा- हुप्सेकोट गाउँपालिका र पाल्पा जिल्ला र दक्षिणमा- चितवन राष्ट्रिय निकुन्ज तथा नारायणी नदी पर्दछ ।

महत्वपूर्ण बजार : चोरमारा, आरूङ्गाखोला, कोल्हुवा, पनौती, मदनपुर, आदि ।

प्रमुख जाती : ब्राम्हण, क्षेत्री, ठकुरी, थारू, मगर, तामाङ, गुरूङ, कुमाल, नेवार, भुजेल, बोटे, मुसहर, कामी, दमाई, सार्की, आदि ।

पर्यटकीय क्षेत्र : लोहासेधार, चितवन राष्ट्रिय निकुन्ज, नन्दभाउजु ताल, भुताहा पर्यटन बन्, भ्यूपोइन्ट टावर, बाघखोर होम स्टे आदि प्रख्यात रहेका छन् ।

मुख्य चाडपर्व : दशैं, तिहार, ल्होसार, माघी, होली, चण्डी पूर्णिमा, आदि ।

ख) लिङ्ग आधारमा कुल जनसङ्ख्याको वडागत वितरण अवस्था

वि.सं. २०७८ राष्ट्रिय तथ्यांक कार्यालयको जनगणना अनुसार यस नगरपालिकाको कुल जनसङ्ख्या ६१०९१ रहेको छ । धेरै जनसङ्ख्या रहेका वडाहरूमा वडा नं १५, १२, र १० पर्दछन् भने ती वडाहरूको जनसङ्ख्या क्रमशः ६९२९, ६४२८ र ६४०७ जना रहेको छ । जनसङ्ख्याको हिसाबले साना वडाहरूमा वडा नं. ३, १४, १३ छन्, क्रमश उक्त वडाहरूमा जनसङ्ख्या ३०९५, २६९७ र २६९५ रहेको छ । मध्यविन्दु नगरपालिकाको कुल जनसङ्ख्या मध्ये महिलाको जनसङ्ख्या ३३ हजार १ सय ११ रहेको छ भने पुरुषको जनसङ्ख्या २७ हजार ९ सय ८० रहेको छ । मध्यविन्दु नगरपालिकाको लिङ्गानुसार वडागत जनसङ्ख्याको वर्गीकरण सम्बन्धि विस्तृत विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. १ : लिङ्गानुसार वडागत जनसङ्ख्याको वर्गीकरण

| वडा | पुरुष | | महिला | | कुल |
|-----|-----------|---------|-----------|---------|------|
| | जनसङ्ख्या | प्रतिशत | जनसङ्ख्या | प्रतिशत | |
| १ | १९७९ | ४७.१७ | २२१६ | ५२.८२ | ४१९५ |
| २ | १६०० | ४६.८६ | १८१४ | ५३.१३ | ३४१४ |
| ३ | १४१७ | ४५.७९ | १६७७ | ५४.२० | ३०९४ |
| ४ | १५३२ | ४६.४१ | १७६९ | ५३.५८ | ३३०१ |
| ५ | १४९२ | ४५.३४ | १७९८ | ५४.६५ | ३२९० |
| ६ | १७०६ | ४६.०८ | १९९६ | ५३.९१ | ३७०२ |
| ७ | २००३ | ४५.८७ | २३६३ | ५४.१२ | ४३६६ |
| ८ | १६७० | ४७.५१ | १८४५ | ५२.४८ | ३५१५ |
| ९ | १४१९ | ४३.७१ | १८२७ | ५६.२८ | ३२४६ |
| १० | २८९० | ४५.१० | ३५१७ | ५४.८९ | ६४०७ |
| ११ | १८०० | ४७.२१ | २०१२ | ५२.७८ | ३८१२ |

| | | | | | |
|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| १२ | २८४१ | ४४.१९ | ३५८७ | ५५.८० | ६४२८ |
| १३ | १२२८ | ४५.५६ | १४६७ | ५४.४३ | २६९५ |
| १४ | १२४९ | ४६.३१ | १४४८ | ५३.६८ | २६९७ |
| १५ | ३१५४ | ४५.५१ | ३७७५ | ५४.४८ | ६९२९ |
| जम्मा | २७९८० | ४५.८ | ३३१११ | ५४.२ | ६१०९१ |

स्रोत : राष्ट्रिय तथ्यांक कार्यालय, २०७९

ग) सामाजिक तथा सांस्कृतिक अवस्था

१. जातजाति र घरधुरी : मध्यविन्दु नगरपालिकाभित्र विभिन्न २० जातजातिको बसोबास गर्दछन् । जातियता र घरधुरीको हिसाबले बाह्रमण/क्षेत्री/ठकुरी/ गिरि पुरी सन्यासीहरूको ३९५८ घरधुरी र १९८३९ जनसङ्ख्या रहेको छ भने थारु जातिको जनसङ्ख्या १६५४८ रहेका देखिन्छ । जातजाति र घरधुरी अनुसार जनसङ्ख्याको विस्तृत विवरण तालिका नं. २ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. २ : जातजाति अनुसार जम्मा घरधुरी र जनसङ्ख्या

| क्र.सं. | जनजाति | घरधुरी | जनसङ्ख्या |
|---------|--|--------|-----------|
| १ | बाह्रमण / क्षेत्री / ठकुरी / गिरि पुरी सन्यासी | ३९५८ | १९८३९ |
| २ | थारु | ३४२७ | १६५४८ |
| ३ | मगर | २५९५ | १३७१६ |
| ४ | कुमाल | १८९१ | ८५२२ |
| ५ | कामी | ७०५ | ३५३१ |
| ६ | नेवार | २६३ | १२७२ |
| ७ | गुरुङ | २७८ | १३४१ |
| ८ | दमै | २५४ | १२९६ |
| ९ | दरै | १५७ | ७५१ |
| १० | सार्की | १५६ | ७३६ |
| ११ | बोटे | ११४ | ५५१ |
| १२ | तामाङ | १०२ | ५२२ |
| १३ | मुसहर | ५२ | २४४ |
| १४ | तराईका जातिहरु | २७ | १३२ |
| १५ | मुसलमान | १८ | ९६ |
| १६ | भुजेल | १८ | ८६ |
| १७ | राई | १४ | ७३ |
| १८ | माभी | २ | ९ |
| १९ | चेपाङ् | १ | ६ |
| २० | शोर्पा | १ | ६ |
| जम्मा | | १४०३३ | ६९२७७ |

स्रोत : मध्यविन्दु नगरपालिकानगर वस्तुस्थिति विवरण, २०७७

२. धर्म : यस नगरपालिकामा हिन्दु धर्मालम्बीहरू ९३.६ प्रतिशत रहेका छन् भने बौद्ध धर्म मान्ने ४.६ प्रतिशत रहेको तथ्यांकले देखाएको छ । नगरपालिकामा ०.१ प्रतिशत मुस्लिम तथा क्रिश्चियन धर्म मान्ने जनसङ्ख्या १.७ प्रतिशत रहेको देखिन्छ । वडागत रूपमा धर्म अनुसार जनसङ्ख्याको विस्तृत विवरण तालिका नं. ३ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. ३ : वडागत रूपमा धर्म अनुसार जनसङ्ख्या

| वडा नं | हिन्दु | बौद्ध | मुस्लिम | क्रिश्चियन | जनसङ्ख्या |
|---------|--------|-------|---------|------------|-----------|
| १ | ४७२२ | १५ | | १४३ | ४८८० |
| २ | ३९३३ | १० | | ६७ | ४०१० |
| ३ | ३२०७ | ० | | २२ | ३२२९ |
| ४ | ३४७० | ५ | | १९ | ३४९४ |
| ५ | ४११६ | २९ | | ३१ | ४१७६ |
| ६ | ४५११ | ११ | | २१ | ४५४३ |
| ७ | ४०९८ | ४३९ | | ६५ | ४६०२ |
| ८ | ३८६७ | ४६ | ३ | ५० | ३९६६ |
| ९ | ३६०८ | ५१ | | ३८ | ३६९७ |
| १० | ६०६४ | १४१ | ९१ | ६५ | ६३६१ |
| ११ | ३५७६ | ५२२ | | ११३ | ४२११ |
| १२ | ५२१० | १८६६ | | २५५ | ७३३१ |
| १३ | २७८७ | १० | | १०८ | २९०५ |
| १४ | ३५४६ | ६ | | ४२ | ३५९४ |
| १५ | ८१२२ | ५ | २ | १४९ | ८२७८ |
| जम्मा | ६४८३७ | ३१५६ | ९६ | ११८८ | ६९२७७ |
| प्रतिशत | ९३.६ | ४.६ | ०.१ | १.७ | १०० |

स्रोत : मध्यविन्दु नगरपालिकानगर वस्तुस्थिति विवरण, २०७७

१.१.२. नगरपालिकाको शैक्षिक अवस्था

क) शैक्षिक संस्थाको विवरण

मध्यविन्दु नगरपालिकाका आधारभूत तह र माध्यमिक तहमा ४५ सामुदायिक विद्यालयहरू र १९ संस्थागत विद्यालयहरूमा पठनपाठन क्रियाकलाप सञ्चालन भइरहेको छ । आधारभूत तह (१-५) मा २८ विद्यालय र माध्यमिक तह (१-१२) ११ विद्यालयले शिक्षण कार्य सुरु गरिरहेका छन् । यस नगरपालिकामा २ सामुदायिक सिकाइ केन्द्र रहेका छन् । नगरपालिकाभित्र सञ्चालनमा रहेका शैक्षिक संस्थाहरूको विवरण निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. ४ : शैक्षिक संस्थाको विवरण

| तह | सामुदायिक | संस्थागत | जम्मा |
|--------------------|-----------|----------|-------|
| आधारभूत तह (१-५) | २१ | ७ | २८ |
| आधारभूत तह (१-८) | ११ | २ | १३ |
| माध्यमिक तह (१-१०) | ४ | ८ | १२ |

| | | | |
|-------------------------|---|---|----|
| माध्यमिक तह (१-१२) | ९ | २ | ११ |
| क्याम्पस | ३ | ० | ३ |
| सामुदायिक सिकाइ केन्द्र | २ | ० | २ |

स्रोत : मध्यविन्दु नगरपालिका शैक्षिक बुलेटिन, २०७९

ख) वडागत शैक्षिक संस्थाको विवरण

यस नगरपालिकाभित्र सञ्चालनमा रहेका शैक्षिक संस्थाको विवरण अनुसार सामुदायिक विद्यालय ४५, नीजी विद्यालय १९, क्याम्पस ३ र प्राविधिक धारमा २ विद्यालयहरू सामुदायिक विद्यालय सञ्चालनमा छन् । वडागत शैक्षिक संस्थाहरूको विवरण निम्नानुसार रहेको छ ।

तालिका नं. ५ : वडागत शैक्षिक संस्थाको विवरण

| वडा नं | सामुदायिक विद्यालय | नीजी विद्यालय | क्याम्पस | प्राविधिक धार | जम्मा |
|--------|--------------------|---------------|----------|---------------|-------|
| १ | २ | १ | | | ३ |
| २ | १ | २ | १ | | ४ |
| ३ | २ | | | | २ |
| ४ | २ | १ | | | ३ |
| ५ | १ | १ | | | २ |
| ६ | ४ | १ | | | ५ |
| ७ | २ | २ | १ | १ | ५ |
| ८ | २ | १ | | | ३ |
| ९ | ३ | | | | ३ |
| १० | ४ | ४ | | १ | ९ |
| ११ | ४ | २ | १ | | ७ |
| १२ | ४ | १ | | | ५ |
| १३ | १ | १ | | | २ |
| १४ | ८ | | | | ८ |
| १५ | ५ | २ | | | ७ |
| जम्मा | ४५ | १९ | ३ | २ | ६९ |

स्रोत : मध्यविन्दु नगरपालिका शैक्षिक बुलेटिन, २०७९

ग) वडागत शैक्षिक संस्थाको नामावली

यस नगरपालिकाभित्र सञ्चालनमा रहेका विद्यालय र क्याम्पसको नामावली विवरण निम्नानुसार रहेको छ ।

तालिका नं. ६ : वडागत विद्यालयको नामावली

| वडा नं. | विद्यालय र क्याम्पसको नाम | |
|---------|------------------------------------|--|
| १. | क) श्री नवज्योति आ.वि. पतवारी | ख) श्री दिपदर्पण एकेडेमी, सेतापानी |
| | ग) श्री शान्ति आ.वि.सेतापानी | |
| २. | क) कुमारवर्ती माध्यमिक विद्यालय | ख) कोल्हुवा बहुमुखी क्याम्पस |
| | ग) न्यु ज्ञानज्योति ई.वो.स्कूल | घ)गोल्डेन फ्युचर सेकेण्डरी ई वो. स्कूल |
| ३. | क) श्री जनता मा.वि.नन्दभाउजु इटौरा | ख) श्री ब्रह्म आ.वि.ब्रह्मस्थान |

| | | |
|-----|--|---|
| ४. | क) पंचपाण्डव आधारभूत विद्यालय ग) मदनपुर ग्रिनभ्याली ई.वो.स्कूल | ख) श्री जनता सिद्ध अमर मा.वि लुसलहरी |
| ५. | क) न्यु नेपाल ई वो स्कूल | |
| ६. | क) श्री शंकर गोसाइबाबा आ.वि. ग) श्री दुर्गा आधारभूत विद्यालय ड) श्री मुनलाइट एकेडेमी | ख) श्री लाली गुराँस आ.वि. घ) श्री जनता मा. वि. च) विन्देश्वरी आधारभूत विद्यालय |
| ७. | क) श्री लक्ष्मी आदर्श आधारभूत विद्यालय ग) श्री अमर ज्योति ई वो स्कूल ड) श्री नवजागरण मोडेल सेकेण्डरी स्कूल | ख) श्री नवलपुर सेकेण्डरी ई वो स्कूल घ) श्री नवजागरण बहुमुखी क्याम्पस |
| ८. | क) श्री ज्ञान ज्योति आ.वि. ग) श्री ग्रिनभ्याली सेकेण्डरी ई वो स्कूल | ख) श्री लोहासेधारा आ.वि. |
| ९. | क) नेपाल लोक सेवा माध्यमिक विद्यालय ग) श्री गौरीशंखर आ.वि. | ख) श्री चेतनशिल आ.वि. |
| १०. | क) श्री जनता मा.वि. ग) श्री जनता आधारभूत विद्यालय ड) शान्ती दिपई वो स्कूल छ) श्री नारायणी ई. सेकेण्डरी वो. स्कूल | ख) आरुणखोला माध्यमिक विद्यालय घ) श्री लुम्बिनि आ.वि. च) लिटिल स्टेप एकेडेमी ज) जनता माध्यमिक सर्भेक्षण, मंगल चौर |
| ११. | क) आरुण खोला बहुमुखी क्याम्पस ग) श्री सरस्वती दिपज्योति आ.वि. ड) श्री बर्डलाइट ई वो स्कूल छ) श्री सिध्दार्थ आ.वि. | ख) श्री विरेन्द्र माध्यमिक विद्यालय, द्वार्दह घ) श्री जनकल्याण आ.वि. च) मजुवाई वो स्कूल |
| १२. | क) श्री यादव मा.वि.तमासपुर ग) श्री जनज्योती आ. वि. ड) श्री सनराइज ई वो स्कूल | ख) श्री नारायणी आ.वि. घ) श्री सरस्वती आ.वि,बेलहनी |
| १३. | क) श्री सरस्वती मा.वि.मैनाघाट | ख) श्री तमसरीया ई वो स्कूल |
| १४. | क) श्री रत्न राज्यलक्ष्मी मा.वि. द्वारी ग) श्री ज्ञानज्योति आ.वि. ड) श्री बाल कल्याण आ. विद्यालय छ) श्री दुर्गा आ.वि. | ख) श्री बराहदेवि आ.वि. घ) श्री सरस्वती आ.वि.बतासा च) श्री हुप्सेकोट आ.वि.. ज) श्री गौरी शंकर आ.वि. |
| १५. | क) श्री ज्ञानोदय मा.वि. प्रसौनी | ख) श्री हरीहर मन्दिर आ.वि माथिल्लो भिउरान |
| | ख) भिउराहान स्मलहेभेन ई वो स्कूल | ग) शान्ती किरण ई वो स्कूल |

| | |
|-------------------------------|--------------------------------------|
| घ) श्री नारायणी आ.वि. कोल्कटा | ड) श्री बालसिद्ध आ.वि., तल्लो भिउरान |
| च) श्री ध्रुवतारा आ.वि. भिउरा | |

स्रोत : मध्यविन्दु नगरपालिकानगर वस्तुस्थिति विवरण, २०७८

घ) मध्यविन्दु नगरपालिकाभिन्न रहेका विद्यार्थी विवरण

यस नगरपालिकामा शैक्षिक वर्ष २०७८/२०७९ मा १६०१७ जना विद्यार्थीहरू अध्ययनरत रहेका छन् । सामुदायिक विद्यालयहरूमा ११३२७ जना विद्यार्थीहरू र निजी विद्यालयहरूमा ४६९० जना विद्यार्थीहरू अध्ययनरत छन् । यस नगरपालिकामा अध्ययन गर्ने विद्यार्थीको तथ्याङ्कलाई केलाउदा निजी विद्यालयमा सामुदायिक विद्यालयको तुलनामा कम विद्यार्थी सङ्ख्या रहेको छ । शैक्षिक वर्ष २०७८ अनुसार नगरपालिकाभिन्न अध्ययनरत विद्यार्थीहरूको विवरणहरू निम्नानुसार रहेको छ ।

तालिका नं. ७ : विद्यार्थी विवरण

| तह | सामुदायिक | संस्थागत | जम्मा |
|---------------------|-----------|----------|-------|
| पुर्व प्राथमिक तह | २०८२ | १०६८ | ३१५० |
| आधारभूत तह (१-५) | ३६९६ | २२१३ | ५९०९ |
| आधारभूत तह (६-८) | २२३३ | ९३८ | ३१७१ |
| माध्यमिक तह(९-१०) | १७९६ | ४०१ | २१९७ |
| माध्यमिक तह (११-१२) | १५२० | ७० | १५९० |
| जम्मा | ११३२७ | ४६९० | १६०१७ |

स्रोत : शिक्षा तथा मानवश्रोत विकास केन्द्र, २०२२

ड) विद्यालय तहमा अध्ययनरत छात्रछात्राको सङ्ख्या

सामुदायिक र निजी विद्यालयमा अध्ययनरत विद्यार्थीको सङ्ख्या हेर्दा सामुदायिक विद्यालयमा छात्रको तुलनामा छात्राको सङ्ख्या बढी छ, तर त्यसको ठिक विपरीत निजी विद्यालयमा छात्रा भन्दा छात्रको सङ्ख्या बढी रहेको छ । शैक्षिक वर्ष २०७८ अनुसार छात्रछात्राको विवरण यस निम्नानुसार रहेको छ ।

तालिका नं. ८ : छात्रछात्राको सङ्ख्या

| विद्यालय | छात्रा | छात्र | जम्मा |
|-----------|--------|-------|-------|
| सामुदायिक | ५८०६ | ५५२१ | ११३२७ |
| निजी | २०९३ | २५९७ | ४६९० |
| जम्मा | ७८९९ | ८११८ | १६०१७ |

स्रोत : शिक्षा तथा मानवश्रोत विकास केन्द्र, २०२२

च) शैक्षिक स्तर अनुसार जनसङ्ख्याको वर्गीकरण

मध्यविन्दु नगरपालिकामा २०७७ घरधुरी सर्वेक्षण अनुसार नगरपालिकामा हाल बालविकास र पूर्व प्राथमिक २.२ प्रतिशत बालबालिकाहरू रहेका छन् । त्यसैगरी ४०.८ प्रतिशतले आधारभूत तहको अध्ययन गरेका छन् । माध्यमिक तहको अध्ययन गर्ने जनसङ्ख्या ३०.७ प्रतिशत रहेको छ । नगरपालिकाका २.८ प्रतिशतले स्नातक र १ प्रतिशतले स्नातकोत्तर, एमफिल र विद्यावारिधि हासिल गरेका छन् । यसका साथै १३.६ प्रतिशत जनसङ्ख्याको शैक्षिक स्तर साधारण लेखपढ गर्न सक्ने मात्र

रहेको भने ८.९ प्रतिशत निरक्षर जनसङ्ख्या रहेको छ । वडागत तथा शैक्षिक स्तर अनुसार जनसङ्ख्याको वर्गीकरणका यस अनुसार प्रस्तुत गरिन्छ ।

तालिका नं. ९. : वडागत तथा शैक्षिक स्तर अनुसार जनसङ्ख्याको वर्गीकरण

| वडा नं. | पूर्व प्रथमिक /बालविकास | आधारभूत | माध्यामिक | स्नातक | स्नाकत्तोर, एमफिल र विद्यावारिधि | साक्षर | निरक्षर |
|-----------|-------------------------|---------|-----------|--------|----------------------------------|--------|---------|
| १ | ६९ | २३७० | ११८२ | १४२ | ३७ | ६७२ | १४४ |
| २ | ९९ | १५५३ | १३३६ | ७४ | १८ | ४४४ | ३३५ |
| ३ | ७५ | १४४९ | ६६४ | ७५ | ५४ | ३५७ | ४०३ |
| ४ | ७३ | ११२२ | १२६० | ७४ | ४० | ३७१ | ४०५ |
| ५ | ८१ | १६१० | ११८१ | ९५ | ३१ | ७११ | २८० |
| ६ | ८६ | १६५६ | १३५५ | १८२ | ५३ | ४१५ | ५६० |
| ७ | ७३ | १५०५ | १७४२ | १८४ | ६६ | ४९७ | ३४५ |
| ८ | ६६ | १२१८ | १३२५ | २४९ | ८९ | ६४७ | १७८ |
| ९ | ७९ | १४८१ | ११४५ | ८० | ३० | ४५३ | २६१ |
| १० | ११८ | २२११ | २११५ | १८१ | ५७ | ८८२ | ५१९ |
| ११ | ९१ | १७३१ | १२०३ | ६१ | १५ | ४९० | ४१२ |
| १२ | १४९ | २९११ | २०४८ | १७१ | ६६ | ९६५ | ६४३ |
| १३ | ६५ | १३६० | ७४६ | ५७ | १० | ३०८ | २२३ |
| १४ | १११ | १७०५ | ५४२ | ११ | ० | ५९६ | ४१४ |
| १५ | २०० | ३०५४ | २४०७ | १९४ | ८४ | ११८० | ७७४ |
| जनसङ्ख्या | १४३५ | २६९३६ | २०२५१ | १८३० | ६५० | ८९८८ | ५८९६ |
| प्रतिशत | २.२ | ४०.८ | ३०.७ | २.८ | १ | १३.६ | ८.९ |

स्रोत : घरघुरी सर्वेक्षण, २०७७

छ) लैङ्गिकताका आधारमा शैक्षिक अवस्थाको वर्गीकरण

लैङ्गिक वर्गीकरणको आधारमा महिला मध्ये सबैभन्दा धेरै आधारभूत तहसम्म अध्ययनरत छन् । ४०११ महिलाहरू साधारण लेखपढ गर्न समेत नसक्ने रहेका छन् भने ४२३ जना स्नातकोत्तर, एमफिल र विद्यावारिधि अध्ययन गरेका पुरुष यस नगरपालिकामा छन् । लैङ्गिकताका आधारमा शैक्षिक अवस्थाको विवरणहरू यस प्रकार रहेको छ ।

तालिका नं. १०. : लैङ्गिकताका आधारमा शैक्षिक वर्गीकरण

| शैक्षिक तह | महिला | | पुरुष | |
|--------------------------|-----------|---------|-----------|---------|
| | जनसङ्ख्या | प्रतिशत | जनसङ्ख्या | प्रतिशत |
| पूर्व प्राथमिक बाल विकास | १५२२ | १९.२६ | १६२८ | २०.०५ |
| आधारभूत तह | ४३९१ | ५५.५८ | ४६८९ | ५७.७६ |
| माध्यामिक तह | १९८६ | २५.१४ | १८०१ | २२.१८ |
| जम्मा | ७८९९ | १०० | ८११८ | १०० |

| | | | | |
|-----------------------------------|------|-------|------|-------|
| स्नातक तह | ९१८ | १७.८० | ९११ | २८.३ |
| स्नातकोत्तर, एमफिल र विद्यावारिधि | २२७ | ४.४ | ४२३ | १३.१४ |
| निरक्षर | ४०११ | ७७.७९ | १८८५ | ५८.५६ |
| जम्मा | ५१५६ | १०० | ३२१९ | १०० |

स्रोत : शिक्षा तथा मानव श्रोत विकास केन्द्र, २०२२

- ज) जनजाती, मधेशी र दलित जनसङ्ख्याको शैक्षिक अवस्थाको वर्गीकरण यस नगरपालिकामा अध्ययन गर्ने जम्मा १६०१७ विद्यार्थीहरू मध्ये सबै भन्दा बढि १०९१७ जना जनजातीहरू विद्यार्थीहरू विद्यालयका विभिन्न तहमा अध्ययन गरिरहेका छन् भने मधेशी जातीहरूबाट २१५० जनाले विद्यालय तहमा अध्ययनरत छन् । जनजाती, मधेशी र दलित जातजाती अनुसार मध्यविन्दु नगरपालिकाको जनसङ्ख्याको विवरण निम्नानुसार प्रस्तुत गरिन्छ ।

तालिका नं. ११ : जनजाती, मधेशी र दलित अनुसार शैक्षिक वर्गीकरण

| शैक्षिक तहको वर्गीकरण | जनजाती | मधेशी जातिहरू | दलित | अन्य | जम्मा |
|-------------------------|--------|---------------|------|------|-------|
| पूर्व प्रथमिक बाल विकास | २२५० | ४९२ | ३४७ | ६१ | ३१५० |
| आधारभूत तह | ६०८० | १२१९ | ९८६ | ७९५ | ९०८० |
| माध्यमिक तह | २५८७ | ३९४ | ३६२ | ४४३ | ३७८७ |
| जम्मा | १०९१७ | २१०५ | १६९५ | १२९९ | १६०१७ |

स्रोत : शिक्षा तथा मानवश्रोत विकास केन्द्र, २०२२

- भ) शिक्षक तथा कर्मचारी विवरण यस नगरपालिकाका सामुदायिक शिक्षण संस्थाहरूमा आधारभूत र माध्यमिक तहका ३५६ जना शिक्षक शिक्षिकाहरू कार्यरत छन् । यसमध्ये ५८ जना माध्यमिक र २९८ जना शिक्षकहरूले आधारभूत तहमा शिक्षण सिकाई क्रियाकलाप गरिरहेका छन् । कर्मचारी तर्फ आधारभूत विद्यालयहरूमा ३२ जना र माध्यमिक तहमा २७ जना कर्मचारीहरू कार्यरत रहेका छन् । नगरपालिकामा रहेका शिक्षक र कर्मचारीहरूको विवरण थप तल तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. १२ : शिक्षक, कर्मचारी विवरण

| विवरण | शिक्षक | | | कर्मचारी |
|-------------|--------|-------|-------|----------|
| | पुरुष | महिला | जम्मा | जम्मा |
| आधारभूत तह | २०७ | ९१ | २९८ | ३२ |
| माध्यमिक तह | ४७ | ११ | ५८ | २७ |
| जम्मा | २५४ | १०२ | ३५६ | ५९ |

स्रोत : शिक्षा तथा मानवश्रोत विकास केन्द्र, २०२२, मध्यविन्दु नगरपालिकानगर शैक्षिक बुलेटिन, २०७९

ज) शिक्षक दरबन्दी (सामुदायिक विद्यालय)

तथ्याङ्क अनुसार ४५ ओटा सामुदायिक विद्यालयमा १४७ जनाको स्थाई शिक्षक दरबन्दी रहेको छ र हाल २०३ जना शिक्षकको स्वीकृत शिक्षक दरबन्दी रहेको छ । नगरपालिकाका विद्यालयमा रहेका शिक्षक दरबन्दी विवरण थप तल तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. १३. : शिक्षक दरबन्दी

| शिक्षक दरबन्दी विवरण | प्रा.वि. | नि.मा.वि. | मा.वि. | उच्च मा. वि. | जम्मा |
|------------------------|----------|-----------|--------|--------------|-------|
| स्थायी शिक्षक | १०१ | २६ | २० | | १४७ |
| अस्थायी शिक्षक | ५४ | २ | | ५ | ६१ |
| राहत / अनुदान शिक्षक | ३९ | २८ | २४ | १० | १०१ |
| स्वीकृत शिक्षक दरबन्दी | १५५ | २८ | २० | | २०३ |
| PCF पूर्ति सङ्ख्या | | २ | ४ | | ६ |

स्रोत : मध्यविन्दु नगरपालिका नगरपालिका शैक्षिक बुलेटिन, २०७९, शिक्षा तथा मानवश्रोत विकास केन्द्र, २०२२

ट) शिक्षण संस्थाहरूमा खानेपानीको अवस्था

मध्यविन्दु नगरपालिको वस्तुस्थिति विवरण, २०७७ अनुसार ६१.२ प्रतिशत विद्यालयको खानेपानीको मुख्यश्रोत पाइप, सम्बन्धित विद्यालय कम्पाउण्डमा नै उपलब्ध रहेको छ । ७.५ प्रतिशत सामुदायिक विद्यालयलमा सार्वजनिक धाराको पानी प्रयोग गरिन्छ भने जम्मा ३१.३ प्रतिशत विद्यालयका विद्यार्थीहरूले इनारको पानी पिउन बाध्य रहेका छन् । नगरपालिकामा शिक्षण संस्थाहरूमा खानेपानीको अवस्था सम्बन्धि विवरणहरू तलको तालिका समावेश गरिएको छ ।

तालिका नं. १४. : विद्यालयहरूमा खाने पानी उपलब्धताको अवस्था

| खानेपानीको मुख्य श्रोत | विद्यालय तह | | विद्यालय प्रकार | | | जम्मा | प्रतिशत |
|------------------------------|-------------|-------------|-----------------|----------|----------|-------|---------|
| | आधारभूत तह | माध्यमिक तह | सामुदायिक | संस्थागत | क्याम्पस | | |
| पाइप (सर्वेक्षण हाता भित्रै) | २३ | १५ | २२ | १६ | ३ | ४९ | ६१.२ |
| इनार | १३ | ८ | १८ | ३ | ० | २९ | ३१.३ |
| सार्वजनिक धारा | ५ | ० | ५ | ० | ० | ५ | ७.५ |
| जम्मा | ४१ | २३ | ४५ | १९ | ३ | ६७ | १०० |

स्रोत : मध्यविन्दु नगरपालिकानगर वस्तुस्थिति विवरण, २०७७

ठ) विद्यालयहरूमा शौचालयको अवस्था

मध्यविन्दु नगरपालिकाका विद्यालयहरूमा कुल ३७५ शौचालय रहेका छन् भने प्रति शौचालय विद्यार्थी अनुपात ४७ रहेको छ । आधारभूत तहका ३० जना विद्यार्थी बराबर १ शौचालय रहेको छ भने माध्यमिक तहका विद्यार्थीकोलागि प्रति शौचालय ५९ जना विद्यार्थी पर्दछ । क्याम्पसमा ६११ विद्यार्थीकोलागि ६ ओटा मात्र शौचालयमा रहेका छन् । त्यसैगरी ९४ प्रतिशत विद्यालयमा छात्रछात्राकोलागि छुट्टाछुट्टै शौचालय रहेका छन् । आधारभूत तहका ९०.२ प्रतिशत विद्यालयहरूमा छात्रछात्राकोलागि छुट्टै शौचालय छन् । ४२ ओटा विद्यालयमा शिक्षकहरूकोलागि वेग्लै शौचालय छन् भने ३२ ओटा विद्यालयले मात्र

छात्रामैत्री शौचालयको व्यवस्था गरिएको छ । विद्यालयहरूमा शौचालयको अवस्था सक्बन्धि थप विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. १५. : नगरपालिकाभित्रका विद्यालयमा भएका शौचालयहरूको विवरण

| शौचालय विवरण | विद्यालय तह | | विद्यालय प्रकार | | | जम्मा |
|--|-------------|--------------|-----------------|----------|----------|-------|
| | आधारभूत तह | माध्यामिक तह | सामुदायिक | संस्थागत | क्याम्पस | |
| शौचालय भएका विद्यालय प्रतिशत | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० |
| कुल शौचालय सङ्ख्या | १६० | २०९ | २१८ | १५१ | ६ | ३७५ |
| विद्यार्थी अनुसार शौचालय अनुपात | ३०.३ | ५८.८ | ५३.४ | ३६.३ | १०१.८ | ४७.३ |
| छात्र छात्राकोलागि छुट्टै शौचालय भएका विद्यालय सङ्ख्या | ३७ | २३ | ४१ | १९ | ३ | ६३ |
| छात्र छात्राकोलागि छुट्टै शौचालय भएका विद्यालय प्रतिशत | ९०.२ | १०० | ९१.१ | १०० | १०० | ९४ |
| शिक्षककोलागि छुट्टै शौचालय भएका विद्यालय सङ्ख्या | २१ | २१ | २६ | १६ | ० | ४२ |
| छात्रा मैत्री शौचालय भएका विद्यालय सङ्ख्या | १५ | १७ | २२ | १० | ० | ३२ |

स्रोत : मध्यविन्दु नगरपालिकानगर वस्तुस्थिति विवरण, २०७७

ड) नगरपालिकाभित्रका विद्यालयमा रहेका साधन स्रोत तथा सेवाहरू

मध्यविन्दु नगरपालिकामा औसत भवन कक्षा (१-१२) मा सबैभन्दा बढी ७ वटा रहेको छ । कक्षा (१-८) सम्म जम्मा भवन सङ्ख्या ३ रहेका छन् । सामाजिक लेखापरीक्षण, आर्थिक लेखापरीक्षण र शौचालयको व्यवस्था कक्षा (१-८) सम्मका लागी ३२ विद्यालयमा उपलब्ध रहेको छ । इन्टरनेट व्यवस्थाको सन्दर्भमा कक्षा (१-८), कक्षा (१-१०) र कक्षा (१-१२) मा क्रमशः ३२, ४ र ९ विद्यालयमा उपलब्ध छ । मध्यविन्दु नगरपालिकाभित्रका विद्यालयमा रहेका साधन स्रोत तथा सेवाहरूको विवरणहरू निम्नानुसार रहेका छन् ।

तालिका नं १६ : नगरपालिकाभित्रका विद्यालयमा भएका सेवा

| विवरण | सामुदायिक विद्यालय | | |
|---------------------|--------------------|--------------|--------------|
| | कक्षा (१-८) | कक्षा (१-१०) | कक्षा (१-१२) |
| भवन (औसत) | ३ | ६.३ | ७ |
| SIP अपडेट | ३२ | ४ | ९ |
| सामाजिक लेखापरीक्षण | ३२ | ४ | ९ |
| आर्थिक लेखापरीक्षण | ३२ | ४ | ९ |

| | | | |
|-----------|----|---|---|
| विद्युत | ३२ | ४ | ९ |
| कम्प्युटर | ३२ | ४ | ९ |
| पानी | ३२ | ४ | ९ |
| पुस्तकालय | १० | ३ | ९ |
| बालक्लब | ३२ | ४ | ९ |
| शौचालय | ३२ | ४ | ९ |
| इन्टरनेट | ३२ | ४ | ९ |

स्रोत : मध्यविन्दु नगरपालिका नगरपालिका शैक्षिक बुलेटिन, २०७९

ढ) विद्यालयहरूमा दिवाखाजाको व्यवस्था

मध्यविन्दु नगरपालिकामा पूर्व प्राथमिकतहमा ४५ ओटा विद्यालयहरू र आधारभूत तहमा २१ विद्यालयहरूमा कमश २०८२ र ३६९६ विद्यार्थीले दिवाखाजाको सुविधा प्राप्त गर्दै आएका छन् ।

तालिका नं. १५. : विद्यालयहरूमा दिवा खाजा व्यवस्थाको विवरण

| विवरण | विद्यालय तह | |
|---|-------------------|------------|
| | पूर्व प्राथमिक तह | आधारभूत तह |
| दिवा खाजाको व्यवस्था भएका विद्यालय | ४५ | २१ |
| दिवा खाजाबाट लाभान्वित जम्मा विद्यार्थी सङ्ख्या | २०८२ | ३६९६ |

स्रोत : मध्यविन्दु नगरपालिकानगर वस्तुस्थिति विवरण, २०७७

ण) विद्यालय भवन र कक्षा कोठा

६७ वटा सामुदायिक, संस्थागत विद्यालय र क्याम्पसहरूमा पक्की भवन १९४ ओटा, कच्ची भवन ७८ ओटा रहेका छन् । सम्पूर्ण विद्यालयहरूको जमिनको क्षेत्रफल २९१६ कठ्ठा रहेको छ । यस नगरपालिकामा रहेका विद्यार्थीहरूकोलागि ११०२ ओटा कक्षाकोठाहरू र १०४८० डेक्स बेन्चहरू छन् । नगरपालिकामा रहेका विद्यालय भवन र कक्षाकोठाको विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. १६. : विद्यालय भवन र कक्षाकोठा विवरण

| विवरण | विद्यालय तह | | विद्यालयको प्रकार | | | जम्मा |
|------------------------------|-------------|-------------|-------------------|----------|----------|-------|
| | आधारभूत तह | माध्यमिक तह | सामुदायिक | संस्थागत | क्याम्पस | |
| विद्यालयको क्षेत्रफल (कठ्ठा) | ११६३ | ११८ | २६८३ | ११५ | ११८ | २९१६ |
| विद्यालयमा पक्की भवन सङ्ख्या | ९२ | ५ | १४८ | ४१ | ५ | १९४ |
| विद्यालयमा कच्ची भवन सङ्ख्या | ५४ | १ | ६१ | १६ | १ | ७८ |
| जम्मा कक्षा कोठा | ४२१ | ३७ | ७०९ | ३५६ | ३७ | ११०२ |
| जम्मा डेक्स बेन्च | २०८१ | ४१६ | ७८०८ | २२५६ | ४१६ | १०४८० |

स्रोत : मध्यविन्दु नगरपालिकानगर वस्तुस्थिति विवरण, २०७७

१.२. मुख्य समस्याहरू

यस नगरपालिकाको समग्र शैक्षिक उपलब्धिका आधारमा नगरको शिक्षा क्षेत्रमा रहेका मुख्य समस्याहरू निम्नानुसार छन् :

- बालमैत्री, अपाङ्गतामैत्री तथा लैङ्गिकमैत्री सिकाइको वातावरण कमजोर हुनु,
- विद्यालयहरूमा आवश्यक सङ्ख्यामा तालिम प्राप्त शिक्षकहरू कमी हुनु,
- विद्यालयहरूलाई समायोजन तथा पुनर्वितरण गर्न कठिन हुनु,
- सूचना र प्रविधिको पहुँच समान तवरबाट विद्यालयमा नपुग्नु,
- समय सापेक्ष आवश्यक भौतिक पूर्वाधार सहित गुणस्तरीय शिक्षा दिने वातावरणको निर्माण कमजोर हुनु,
- बालविकास केन्द्र र कक्षाको समायोजन तथा पुनर्वितरण गरी मापदण्ड अनुसार सञ्चालन नहुनु,
- आधारभूत तहलाई अनिवार्य तथा निःशुल्क र माध्यमिक तहलाई पूर्ण रूपमा निःशुल्क गरी गुणस्तरयुक्त सिकाइको सुनिश्चित नहुनु,
- व्यावसायिक तथा प्राविधिक शिक्षाकालागि उपर्युक्त संरचना र कार्यक्रम विकास तथा कार्यान्वयन कमजोर हुनु,
- कक्षा दोहो-न्याउने र छाड्ने दर घटाउन गाह्रो हुनु,
- शिक्षक पेसाप्रति जिम्मेवार र जवाफदेही नहुनु,
- मेधावी जनशक्ति शिक्षण पेसामा आकर्षित नहुनु,
- बहु-पाठ्यपुस्तक प्रणाली कमजोर हुनु,
- दिगो र पर्याप्त लगानीको सुनिश्चित नहुनु,
- शैक्षिक संस्थाहरूको आन्तरिक क्षमता कमजोर हुनु,

१.३ शिक्षाक्षेत्रका चुनौतीहरू

यस नगरपालिकाको समग्र शैक्षिक प्रणालीमा रहेका प्रमुख समस्याहरूका आधारमा प्रमुख चुनौतिहरू यस प्रकार छन् :

- बालमैत्री, अपाङ्गतामैत्री तथा लैङ्गिकमैत्री सिकाइको वातावरण तयार गर्न पूर्ण आर्थिक स्रोत व्यवस्थान गर्नु,
- विद्यालयहरूमा आवश्यक सङ्ख्यामा तालिम प्राप्त शिक्षकहरूको व्यवस्थापन गर्नु,
- सूचना र प्रविधिको पहुँच समान तवरबाट विद्यालयमा पुऱ्याउनु,
- समय सापेक्ष आवश्यक भौतिक पूर्वाधार सहित गुणस्तरीय शिक्षा दिने वातावरणको निर्माण गर्नु,
- बालविकास केन्द्र र कक्षाको समायोजन तथा पुनर्वितरण गरी मापदण्ड अनुसार सञ्चालन गर्नु,
- आधारभूत तहलाई अनिवार्य तथा निःशुल्क र माध्यमिक तहलाई पूर्ण रूपमा निःशुल्क गरी गुणस्तरयुक्त सिकाइलाई सुनिश्चित गर्नु,
- व्यावसायिक तथा प्राविधिक शिक्षाकालागि उपर्युक्त संरचना र कार्यक्रम विकास तथा कार्यान्वयन गर्नु,
- कक्षा दोहो-न्याउने र छाड्ने दर घटाई शैक्षिक क्षति न्यूनीकरण गर्नु,
- शिक्षकलाई पेसा प्रति जिम्मेवार र जवाफदेही बनाउनु,
- मेधावी जनशक्तिलाई शिक्षण पेसामा आकर्षित गर्नु,

- पाठ्यक्रम पाठ्यपुस्तक तथा मूल्याङ्कन प्रणालीमा सुधार गर्नु,
- विपत् व्यवस्थापन र वैकल्पिक शिक्षण सहजीकरण गर्नु,
- जीवनपर्यन्त सिकाइका अवसरहरू सुनिश्चित गर्नु,
- बहु-पाठ्यपुस्तक प्रणालीलाई कार्यान्वयनमा ल्याउनु,
- दिगो र पर्याप्त लगानीको सुनिश्चित गर्नु,
- शैक्षिक संस्थाहरूको आन्तरिक क्षमता अभिवृद्धि गरी शैक्षिक गुणस्तर अभिवृद्धि गर्नु,

१.४. अवसरहरू

यस नगरपालिकाको समग्र शैक्षिक उपलब्धि, नगर शिक्षा क्षेत्रमा रहेका प्रमुख समस्याहरू तथा चुनौतीहरूका बाबजुत तपशिलका अवसरहरू मार्फत नगर शिक्षालाई सबल र समुन्नत बनाउन सकिन्छ :

- आधारभूत तहमा अनिवार्य तथा निःशुल्क र माध्यमिक तहमा निःशुल्क शिक्षाकोलागि संवैधानिक तथा कानूनी आधारहरू प्राप्त हुनु,
- तीनै तहका सरकारका नीति तथा कार्यक्रमहरू विद्यालय शिक्षामा लगानी वृद्धि गरी गुणस्तर सुधार गर्न प्रतिबद्ध हुनु,
- स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनले शिक्षाका अधिकारहरू स्थानीयतहमा प्रदान गर्नु,
- सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोगमा विस्तार हुनु,
- स्थानीय पाठ्यक्रम निर्माण र कार्यान्वयनको अवसर हुनु,
- वैकल्पिक सिकाइ सहजीकरण गरी विद्यार्थीको सिक्न पाउने अधिकारको सुनिश्चितता हुनु,
- प्रायः सबै विद्यालयमा बाल कक्षाहरू सञ्चालनमा रहनु,
- शिक्षक सेवाआयोगबाट सक्षम, योग्यशिक्षकहरू सिफारिस हुदै जानु,
- सारक्षता दर, भर्नादर तथा टिकाउदरमा वृद्धि हुनु,
- विद्यालयहरूको संस्थागत संरचनाहरू सन्तोषजनक वृद्धि हुदै जानु,
- शिक्षकलाइ पेशागत क्षमता विकासकोलागि तालिमको व्यवस्था हुनु ,
- तीन तहको सरकारबाट शिक्षा क्षेत्रमा लगानी र सहकार्य हुनु,
- विद्यालय शिक्षाको पहुँच, समता विकास र गुणस्तर वृद्धिकालागि वितरण भएका कार्यक्रमहरूले विकास गरेका संरचना तथा क्षमता पूर्वधारका रूपमा रहनु,
- सार्वजनिक शिक्षाको विकास तथा गुणस्तर सुधारकोलागि सकारात्मक जनमत रहेको,
- शिक्षामा लगानी वृद्धि गरी पाठ्य गुणस्तर सुधार हुदै जानु ।

परिच्छेद २ - लक्ष्य निर्धारण

मध्यविन्दु नगरपालिकाको शैक्षिक परिवेशको समीक्षा सहित उठान गरिएका विद्यमान समस्या, मुख्य चुनौती तथा अवसरहरूले यस नगरपालिकाको विद्यालय शिक्षाको आगामी १० वर्षको मार्ग पहिचान गर्न आधार बनेको छ । नगर शिक्षा योजनाको माध्यमबाट अनिवार्य तथा निःशुल्क आधारभूत शिक्षा, निःशुल्क माध्यमिक शिक्षा र सर्वसुलभ आधारभूत साक्षरता, निरन्तर शिक्षा र जीवनपर्यन्त सिकाइमा योजनाको अन्त्यसम्म प्राप्त गर्ने उपलब्धिहरूलाई समेटि यस परिच्छेदमा योजनाको दूरदृष्टि, उद्देश्यहरू, रणनीतिहरू तथा प्रमुख उपलब्धि सूचकहरू प्रस्तुत गरिएको छ ।

२.१. दूरदृष्टि

- सबै नागरिकलाई शिक्षामा पहुँचको अवसर प्रदान गरि गुणस्तरिय शिक्षा प्रदान गर्ने,

२.२. लक्ष्य

- प्रविधिमैत्री गुणस्तरीय, सीपमुलक, रोजगारयुक्त, नैतिकवान एवं अनुशासित शैक्षिक दक्ष जनशक्ति उत्पादन गर्ने,

२.३. उद्देश्यहरू

गुणस्तरीय विद्यालय शिक्षालाई अधिकारका रूपमा स्थापित गरी समतामूलक पहुँच र सहभागिता सुनिश्चित गर्नु यस योजनाको समग्र उद्देश्य हुनेछ । समग्र उद्देश्यको विस्तृतीकरण गर्न निम्नलिखित उद्देश्यहरू रहनेछन् :

- सबै बालबालिकाहरूकालागि गुणस्तरीय बालविकास तथा शिक्षाको अवसर उपलब्ध गराउने,
- अनिवार्य तथा निःशुल्क आधारभूत शिक्षामा समतामूलक पहुँच सुनिश्चित गरी गुणस्तर अभिवृद्धि गर्नु,
- माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चित गरी सान्दर्भिकता र गुणस्तरमा सुधार गर्ने,
- माध्यमिक शिक्षामा प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाको व्यवस्था गर्नु,
- युवा तथा प्रौढहरूकालागि साक्षरता, निरन्तर शिक्षा र जीवनपर्यन्त सिकाइको अवसर उपलब्ध गराउने,
- अपाङ्गता भएका बालबालिकाहरूले समावेशी शिक्षाका माध्यमबाट उपयुक्त शैक्षिक अवसरहरू उपलब्ध गराउने,
- विद्यालयलाई प्रविधि मैत्री बनाइ सिकाईलाई प्रभावकारी, गुणस्तरीय तथा सान्दर्भिक बनाउने,
- बालबालिकाको सिकाइप्रति विद्यालयहरूले उत्तरदायी तथा पारदर्शीता प्रणाली विकास गर्ने,
- आपतकालीन र सङ्कटपूर्ण परिस्थितिमा समेत बालबालिकाको शिक्षाप्राप्त गर्ने अधिकार सुनिश्चित गर्ने,
- विद्यालयलाई भय, विभेद र दुर्व्यवहारमुक्त तथा विविधता अनुकूल बनाई बालबालिकालाई बालमैत्री वातावरण प्रदान गर्ने ।

२.४ रणनीति तथा कार्यनीति

नगर शिक्षा योजना (२०७९/८०) - (२०८६/८९) कार्यान्वयन गरी योजनाले तय गरेको दूरदृष्टि तथा उद्देश्यहरूलाई सम्बोधन गर्नकालागि निम्नलिखित रणनीति तथा कार्यनीतिहरू तय गरिएको छ ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| <p>१. प्रारम्भिक बालविकास कार्यक्रमलाई विद्यालय शिक्षाको अभिन्न अङ्ग बनाई उमेर पुगेका सबै बालबालिकाकालागि अनिवार्य गर्ने ,</p> | <p>१. संघीय सरकारबाट दिइँदै आएको अनुदानलाई निरन्तरता दिँदै नगरपालिका र प्रदेश सरकारबाट समेत लगानी गरी लागत साभेदारी गरिनेछ ।</p> <p>२. प्रारम्भिक बालविकासका शिक्षककालागि तालिम दिने व्यवस्था मिलाइनेछ ।</p> <p>३. निर्धारित मापदण्ड अनुरूप सरसफाइ, बसाई व्यवस्था मिलाई खेल सामाग्री, सिकाइ सामाग्री, मनोरञ्जन सामाग्री, अडियो-भिडियो सामाग्री सहित आकर्षक, मनोरञ्जक र बालमैत्री कक्षाकोठा व्यवस्थापन गरिनेछ ।</p> |
| <p>२. अनिवार्य, निःशुल्क र गुणस्तरीय आधारभूत शिक्षामा सबैको पहुँच हुने ।</p> | <p>१. सिमान्तकृत, पिछडिएका समुदाय, कामदार र सडक बालबालिकालाई विद्यालय प्रवेशमा प्रोत्साहन कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</p> <p>२. विद्यालयमा विद्यार्थी टिकाइ राख्न र कक्षा छाड्ने समस्या समाधान गर्न दिवाखाजा, छात्रवृत्ति, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण जस्ता कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</p> <p>३. विषयगत थप शिक्षक व्यवस्थापनकालागि प्रदेश र संघीय सरकारसँग समन्वय गरी शिक्षक सुनिश्चित गर्न स्वयंसेवक शिक्षक परिचालन वा एकमुष्ट अनुदान दिइनेछ ।</p> <p>४. संघीय र प्रदेश सरकारसँग लागत साभेदारी, सहलगानी कार्यक्रम मार्फत आवश्यकता र प्राथमिकताका आधारमा विद्यालयहरूको भौतिक पूर्वाधार विकास गरिनेछ ।</p> |
| <p>३. निःशुल्क माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच विस्तार गर्ने ,</p> | <p>१. माध्यमिक शिक्षा निःशुल्क गरिनेछ ।</p> <p>२. सिमान्तकृत र पिछडिएका समुदायका बालबालिकाहरूकालागि छात्रवृत्तिको प्रदान गरिनेछ ।</p> <p>३. भर्ना अभियान तथा घरदैलो कार्यक्रम मार्फत अभिभावक सचेतना गरिनेछ ।</p> <p>४. विषयगत थप शिक्षक व्यवस्थापनकालागि प्रदेश र संघीय सरकारसँग समन्वय गरी शिक्षक सुनिश्चित गरिनेछ ।</p> <p>४. संघीय र प्रदेश सरकारसँग लागत साभेदारी, सहलगानी कार्यक्रम मार्फत आवश्यकता र प्राथमिकताका आधारमा विद्यालयहरूको भौतिक पूर्वाधार विकास गरिनेछ ।</p> <p>५. संघीय र प्रदेश सरकारसँग समन्वय गरी विशेष अनुदान मार्फत शिक्षामा पहुँच तथा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम लागु गरिनेछ ।</p> |

| | |
|--|---|
| <p>४. सबै विद्यालयमा शिक्षाको समान गुणस्तर कायम गर्ने ,</p> | <p>१. विद्यालयहरूमा सिकाइकालागि, पुस्तकालय र उचित प्रयोगशालाको व्यवस्था गरी पढ्नकालागि सिक्ने र सिक्नकालागि पढ्ने व्यवस्थालाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।</p> <p>२. शिक्षक र विद्यार्थी अनुपात कम भएका विद्यालयमा बहुकक्षा शिक्षण व्यवस्था र कक्षा शिक्षण व्यवस्था गर्न उपयुक्त पाठ्यसामाग्री, सन्दर्भ सामाग्री, स्रोतसामाग्री, प्रयोगात्मक सामाग्री, उपयुक्त कक्षाकोठा व्यवस्थापनको प्रबन्ध मिलाइनेछ ।</p> <p>३. माग र आवश्यकताका आधारमा शिक्षक पेसागत विकास, क्षमता अभिवृद्धि र सहयोग कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</p> |
| <p>५. पूर्वाधार तथा प्रविधिको विकास मार्फत सबै तहको शिक्षामा गुणस्तर सुनिश्चित गर्ने ,</p> | <p>१. प्रत्येक वर्षमा कक्षा ५ र ८ को विद्यार्थी उपलब्धि परीक्षण गरिनेछ कक्षा १० र १२ मा सञ्चालन हुने प्रदेश र राष्ट्रियस्तरको परीक्षालाई नै विद्यार्थी उपलब्धि परीक्षणको रूपमा उपयोग गरिनेछ ।</p> <p>२. आधारभूत शिक्षाकोलागि तोकिएको मापदण्ड बमोजिम स्थानीय पाठ्यक्रम तथा पाठ्यसामाग्री विकास गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।</p> <p>३. अङ्ग्रेजी, गणित, विज्ञान र प्राविधिक विषयमा डिजिटल पाठ्य सामाग्रीहरूको प्रयोगलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।</p> <p>४. राष्ट्रिय नीति अनुरूप नयाँ पाठ्यक्रम र पाठ्यपुस्तक कार्यान्वयन गर्दै लगिनेछ ।</p> |
| <p>६. युवाकालागि प्राविधिक तथा व्यावसायिक सीप विकासको अवसर र पहुँच सुनिश्चित गर्ने ,</p> | <p>१. प्राविधिक तथा व्यावसायिक तालिम परिषद र अन्य तालिम प्रदायक संस्थाहरूसँग समन्वय गरी कार्यस्थलको सिकाइ सहित रोजगार सुनिश्चित गर्न औद्योगिक प्रशिक्षार्थी कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</p> <p>२. हालसिभिल ईञ्जिनियरिङ विषयमा कक्षा ९-१० मा प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाधार सञ्चालित विद्यालयलाई कक्षा १२ सम्म सञ्चालन गर्न र थप १ विद्यालयमा बालीविज्ञान विषयमा प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाधार सञ्चालनकालागि प्रोत्साहित गरिनेछ ।</p> <p>३. प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाधार सञ्चालन भइरहेको र सञ्चालन हुने विद्यालयमा उपयुक्त प्रयोगशाला सामाग्री र कक्षा व्यवस्थापनकोलागि संघीय र प्रदेश सरकारसँग सहकार्य गरिनेछ ।</p> |

| | |
|--|---|
| | <p>४.निश्चित मापदण्डका आधारमा गरिब, जेहेन्दार र पिछडिएका वर्गका विद्यार्थीहरूलाई प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाधारमा अध्ययनको अवसर जुटाइनेछ ।</p> <p>५.कम्तीमा १ ओटा सामुदायिक माध्यमिक विद्यालयमा प्राविधिक शिक्षालयको कार्यक्रम (ANNEX) आदि सञ्चालन गर्न प्रोत्साहित गर्नुका साथै पूर्वाधार विकास गरिनेछ ।</p> |
| <p>७. उच्च शिक्षामा पहुँच विस्तार र अवसर सुनिश्चित गर्ने ,</p> | <p>१.नगरपालिकामा सञ्चालित उच्चशिक्षा संस्था (क्याम्पस)हरूको पूर्वाधार विकासकोलागि संघ र प्रदेश सरकारसँग सहकार्य गरिनेछ ।</p> <p>२.नगरपालिकाका विभिन्न क्षेत्रमा थप उच्च शिक्षा अध्ययन अध्यापन गराइने शिक्षण संस्था खोल्न प्रोत्साहित गरिनेछ ।</p> <p>३.उच्च शिक्षा हासिल गरेका नगरवासीहरूको अभिलेख राखिनेछ ।</p> <p>४.नगरवासी उत्कृष्ट स्नातक र स्नातकोत्तर युवा तथा विद्यावारिधि गरेका जनशक्तिलाई सम्मानको कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । त्यस्ता युवाहरूलाई उपयुक्त विषय शिक्षण र अन्य पेसामा संलग्न हुने अवसर जुटाइनेछ ।</p> |
| <p>८. अनौपचारिक शिक्षा तथा जीवन पर्यन्त सिकाइ सुनिश्चित गरिने ।</p> | <p>१. निरक्षरता न्यूनीकरण गर्न निरक्षर प्रौढहरूका लागि आधारभूत साक्षरता र निरन्तर शिक्षाका कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</p> <p>२. पठन संस्कृतिको विकास तथा जीवनपर्यन्त शिक्षाकोलागि संघ र प्रदेश सरकारसँग समन्वय एवम् सहकार्य गरी सामुदायिक सिकाई केन्द्र मार्फत सेवा सञ्चालन गरिनेछ ।</p> |
| <p>९. शैक्षिक सुशासन, पारदर्शिता र सेवा प्रवाहमा सुधार ल्याउने ।</p> | <p>१.कानून बमोजिम विद्यालयहरूको आर्थिक कार्यप्रणाली व्यवस्थित गरिनेछ</p> <p>२. नियमानुसार लेखा राख्ने व्यवस्था मिलाइनेछ । लेखापरीक्षण एवं सामाजिक परीक्षणलाई अनिवार्य गरिनेछ ।</p> <p>३.वार्षिक कार्यक्रम र बजेट तर्जुमा, आम्दानी र खर्च सार्वजनिक गर्ने कार्यलाई अनुदान निकासासँग आबद्ध गरिनेछ ।</p> <p>४.विद्यालयको वृहत विकासकोलागि विद्यालय सुधार योजना निर्माणको कार्यलाई आवश्यकता, स्रोत साधन र समुदाय सम्बन्धसँग आबद्ध गरी कार्यान्वयन योग्य तुल्याइनेछ ।</p> <p>४.संघ र प्रदेश सरकारसँग सहकार्य गरी विद्यालय सञ्चालन एवम् व्यवस्थापनकोलागि लागत साभेदारी गरिनेछ ।</p> <p>५.आवश्यकता र कार्यसम्पादन सूचकका आधारमा प्राथमिकीकरण गरी कार्यसम्पादनमा आधारित अनुदान, शैक्षिक सुदृढीकरण अनुदान, विज्ञान प्रयोगशाला अनुदान, शिक्षामा सूचना तथा</p> |

| | |
|--|---|
| | <p>सञ्चार प्रविधि अनुदान, पुस्तकालय अनुदान लगायतका अनुदान उपलब्ध गराइनेछ ।</p> <p>६. विद्यालयका प्र.अ., वि.व्य.स. र शि.अ.सं. पदाधिकारीहरूकालागि व्यवस्थापकीय क्षमता विकास तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।</p> |
| <p>१०. शैक्षिक व्यवस्थापन सूचना प्रणालीमा सुधार गर्ने ,</p> | <p>१. एकीकृत शैक्षिक व्यवस्थापन सूचना प्रणाली (IEMIS) व्यवस्थित र सुदृढ गरिनेछ । यसकोलागि प्रत्येक वर्ष तालिम दिइनेछ । विद्यालय IEMIS लाई अनुदान निकाससँग आबद्ध गरिनेछ ।</p> <p>२. सूचना तथा सञ्चार प्रविधिमा आधारित विद्यालयको अभिलेख राख्न र सेवा प्रवाह गर्न प्रत्येक वर्ष प्रत्येक विद्यालयको प्र.अ. र शिक्षक र कर्मचारी मध्ये १ जनालाई कम्प्युटर सीप सम्बन्धी तालिम दिइनेछ ।</p> <p>३. योजनाको पहिलो वर्ष सामुदायिक माध्यमिक विद्यालयहरूमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधि प्रयोगशाला व्यवस्थित गरिनेछ । योजनाको अन्त्य सम्ममा कक्षा ७/८ सञ्चालित सबै आधारभूत विद्यालयमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधि प्रयोगशाला स्थापना गरी सञ्चालनमा ल्याइनेछ ।</p> <p>४. सबै माध्यमिक विद्यालयहरूमा व्यवस्थापन प्रणाली र लेखा प्रणाली सम्बन्धी सफ्टवेयर स्थापना गरी सञ्चालन गरिनेछ र क्रमशः आधारभूत विद्यालयहरूमा विस्तार गरिनेछ । यसबाट विद्यालय सम्बन्धी सम्पूर्ण अभिलेख, सूचना सम्प्रेषण, प्रगति विवरण र लेखा प्रणाली सुदृढ हुनेछ ।</p> |
| <p>११. विपद् जोखिम न्यूनीकरण र विद्यालय सुरक्षाको उपाय अपनाइने</p> | <p>१. विपद् जोखिम न्यूनीकरणका सम्बन्धमा शिक्षक, विद्यार्थी र अन्य सरोकारवालाहरूको भूमिकाको अभिवृद्धि गरिनेछ । विद्यालयको व्यवस्थापकीय क्षमता विकास तालिमको विषयवस्तुमा विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धी सामग्री समेटिनेछ ।</p> <p>२. सुरक्षित विद्यालय तथा उत्थानशीलताको सुनिश्चितताकालागि एकमुष्ट अनुदान पद्धति लागु गरिनुका साथै समुदायको संलग्नतालाई परिभाषित र अनुगमन गरिनेछ ।</p> <p>३. विद्यालय भौतिक पूर्वाधार निर्माणको कार्य गर्दा स्वीकृत डिजाइन, भवन निर्माण संहिता र सामाजिक वातावरणीय कार्यढाँचाको अनुसरण भए नभएको अनुगमन निरीक्षण गरी वातावरणमैत्री भएको सुनिश्चित गरिनेछ ।</p> |

२.५ अपेक्षित मुख्य उपलब्धि

नगर शिक्षा योजना कार्यान्वयनको अन्त्य सम्ममा निम्नानुसारको उपलब्धि प्राप्त हुने अपेक्षा गरिएको छ :

- सबै बालबालिकाहरूलाई गुणस्तरीय प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षाको अवसर सुनिश्चित हुनेछ ।
- अनिवार्य तथा निःशुल्क आधारभूत शिक्षामा समतामूलक पहुँच र समावेशी सहभागिता सुनिश्चित भई गुणस्तर अभिवृद्धि भएको हुनेछ ।
- माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच भई सान्दर्भिकता र गुणस्तरमा सुधार हुनेछ ।
- प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षामा बालबालिकाको विषयगत पहुँच हुनेछ ।
- नगर क्षेत्रमा बसोबास गर्ने सबै युवा तथा प्रौढहरू साक्षरता, निरन्तर शिक्षा र जीवन पर्यन्त सिकाईमा सहभागी भई अवसर प्राप्त गरेको हुनेछ ।
- अपाङ्गता भएका बालबालिकाहरूले विशेष शिक्षा र समावेशी शिक्षाका माध्यमबाट उपयुक्त शैक्षिक अवसरहरू प्राप्त हुनेछ ।
- विद्यालयमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको विस्तार भई सिकाइलाई प्रभावकारी, गुणस्तरीय तथा सान्दर्भिक हुनेछ ।
- बालबालिकाको सिकाइप्रति विद्यालयहरूले उत्तरदायी तथा पारदर्शीता प्रणाली विकास हुनेछ ।
- आपतकालीन तथा सङ्कटपूर्ण परिस्थितिमा पनि बालबालिकाको शिक्षाका लागि बैकल्पिक माध्यमबाट शिक्षा प्राप्त गर्ने अधिकारलाई सुनिश्चित भएको हुनेछ ,
- विद्यालयमा बालमैत्री वातावरण स्थापना हुनेछ ।

२.६. मुख्य कार्यसम्पादन सूचक तथा लक्ष्य निर्धारण

| क्र. सं. | सूचक | राष्ट्रिय, प्रदेश र स्थानीय तहको सूचक | आधार वर्ष ७८ | २०८० / ८१ | २० / ८३ / ८४ | २०८८ / ८९ | सूचकको स्रोत | कार्य सम्पादन सम्बन्धी सूचनाको स्रोत |
|----------|---|---------------------------------------|--------------|-----------|--------------|-----------|--------------|--------------------------------------|
| १. | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा | | | | | | | IEMIS |
| १.१ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा कूल भर्ना दर * (%) | स्थानीय | १५८.३ | १५४.२ | १५०.६ | १४४ | | |
| | | प्रदेश | ८९.४ | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ८६.२ | ८९.५ | ९४ | ९९ | | |
| १.२ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाको अनुभव लिई कक्षा १ मा नयाँ भर्ना भएका बालबालिका * (%) | स्थानीय | ९४.१ | ९४.८ | ९५.६ | ९६.७ | | |
| | | प्रदेश | ८९.४ | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ६८.६ | ७३ | ८५ | ९५ | | |

| | | | | | | | |
|-----------------------------------|--|-----------|-------|-------|-------|-------|--|
| २. आधारभूत शिक्षा (कक्षा १ - ८) | | | | | | | |
| २.१ | कक्षा १ मा नयाँ भर्ना भएका बालबालिकाको खुद प्रवेश दर (%) | स्थानीय | ९९.१ | ९९.१ | ९९.२ | ९९.४ | |
| | | प्रदेश | ९२.७ | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ९६.९ | ९७.५ | ९९.९ | १०० | |
| २.२ | कक्षा १ मा नयाँ भर्ना भएका बालबालिकाको कूल प्रवेश दर (%) | स्थानीय | १३४.२ | १३१.१ | १२७.३ | १२०.१ | |
| | | प्रदेश | १२५.२ | | | | |
| | | राष्ट्रिय | १२१.९ | ११५ | ११७ | १०५ | |
| २.३ | आधारभूत तह (प्राथमिक कक्षा १-५) मा खुद भर्ना दर* (%) | स्थानीय | ९६.६ | ९६.७ | ९६.९ | ९७.३ | |
| | | प्रदेश | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ९७.१ | ९९ | ९९.५ | १०० | |
| २.४ | आधारभूत तह (प्राथमिक कक्षा १-५) मा कूल भर्ना दर* (%) | स्थानीय | ११०.३ | १०९ | १०७.३ | १०५ | |
| | | प्रदेश | १३२.१ | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ११९.२ | ११५ | | | |
| २.५ | आधारभूत तहको कक्षा ५ सम्म टिकाउ दर* (%) | स्थानीय | | | | | |
| | | प्रदेश | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ९३ | | | | |
| २.६ | आधारभूत तह (प्राथमिक कक्षा ५) पूरा गर्ने दर* (%) | स्थानीय | ९२.६ | ९३ | ९३.४ | ९४ | |
| | | प्रदेश | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ८५.८ | ९३.१ | ९५.५ | ९९.५ | |
| २.७ | आधारभूत तहमा (प्राथमिक कक्षा १-५) मा भर्ना भएका ५-९ वर्ष उमेर भन्दा माथिका बालबालिका* (%) | स्थानीय | | | | | |
| | | प्रदेश | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | २२.२ | २० | १५ | १० | |
| २.८ | आधारभूत तह (प्राथमिक कक्षा १-५) कूल भर्ना दरमा लैङ्गिक समता सूचाङ्क* | स्थानीय | १.०२ | १.०२ | १.०१ | १ | |
| | | प्रदेश | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | १.०६ | | | १.०१ | |

| | | | | | | | | | |
|-----------|--|----------------|-----------|--|-------|-----------|------|--|--|
| २.९ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) मा खुद भर्ना दर* (%) | स्थानीय | | ९६.९ | ९७.१ | ९७. ४ | ९८ | | |
| | | प्रदेश | | ९४.८ | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | | ९३.४ | ९९ | | १०० | | |
| २.१० | आधारभूत तह (कक्षा १-८) मा कूल भर्ना दर (%) | स्थानीय | | ११३.५ | ११२.१ | १११. ४ | ११० | | |
| | | प्रदेश | | १२४.३५ | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | | ११०.४ | | | | | |
| २.११ | आधारभूत तहको कक्षा ८ सम्मको टिकाउ दर* (%) | स्थानीय | | | | | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | | ७९.३ | | | ९५ | | |
| २.१२ | आधारभूत तहको कक्षा १ मा भर्ना भई कक्षा ८ पूरा गर्ने दर*(%) | स्थानीय | | ९५.५ | ९५.८ | ९६. २ | ९६.७ | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | | ७२.७ | | | ९५ | | |
| २.१३ | आधारभूत तह कक्षा १-८ कूल भर्ना दरमा लैङ्गिक समता सूचक* | स्थानीय | | १.०१ | १.०२ | १.० १ | १ | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | | १।०१ | १।०१ | | | | |
| २.१४ | कक्षा ३ मा न्युनतम सिकाइ उपलब्धि हासिल गरेका (कक्षा ३ को आधारभूत वा तह २ हासिल भएका) बालबालिकाको सङ्ख्या (%) | नेपाली भाषा | स्थानीय | | | | | | |
| | | | प्रदेश | | | | | | |
| | | | राष्ट्रिय | कार्तिक - मङ्सिरमा नयाँ नतिजा आउने भएकाले सोही बमोजिम पछि राखिने | | | | | |
| | | गणित | स्थानीय | | | | | | |
| | | | प्रदेश | | | | | | |
| राष्ट्रिय | | | | | | | | | |
| २.१५ | कक्षा ५ मा न्युनतम सिकाइ उपलब्धि हासिल गरेका (कक्षा ५ को आधारभूत तह हासिल भएका) बालबालिकाको सङ्ख्या (%) | नेपाली भाषा | स्थानीय | | | | | | |
| | | | प्रदेश | | | | | | |
| | | | राष्ट्रिय | ४५ | ५२ | ६० | ७० | | |
| | गणित | स्थानीय | | | | | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | २८.३ | ४० | ६० | ७० | | | |
| | अङ्ग्रेजी | स्थानीय | | | | | | | |
| प्रदेश | | | | | | | | | |
| राष्ट्रिय | | | | | | | | | |
| २.१६ | | स्थानीय | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | |
|---------------------------------|---|---------------------|-----------|------|------|------|-----|--|--|--|
| | कक्षा ८ मा न्यूनतम सिकाइ उपलब्धि हासिल गरेका (कक्षा ८ को तह ३ हासिल भएका) बालबालिकाको सङ्ख्या (%) | नेपाली भाषा | प्रदेश | | | | | | | |
| | | | राष्ट्रिय | ६८.५ | ७० | ७२ | ७५ | | | |
| | | गणित | स्थानीय | | | | | | | |
| | | | प्रदेश | | | | | | | |
| | | | राष्ट्रिय | ५३.५ | ६० | ६५ | ७० | | | |
| | | विज्ञान | स्थानीय | | | | | | | |
| प्रदेश | | | | | | | | | | |
| राष्ट्रिय | ४३.८ | | ५० | ६० | ७० | | | | | |
| २.१७ | विद्यालय बाहिर रहेका बालबालिका* (%) | आधारभूत (कक्षा १-५) | स्थानीय | ३.४ | ३.२ | २.९ | २.५ | | | |
| | | | प्रदेश | | | | | | | |
| | | | राष्ट्रिय | २.९ | १ | ०.५ | | | | |
| | | आधारभूत (कक्षा १-८) | स्थानीय | ३.७ | ३.५ | ३.२ | २.७ | | | |
| | | | प्रदेश | | | | | | | |
| | | | राष्ट्रिय | ६.६ | | १ | | | | |
| २.१८ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) अध्यापनरत कूल शिक्षक मध्ये महिला शिक्षकको सङ्ख्या*(%) | स्थानीय | ५९ | ६३.२ | ६८ | ७२ | | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ४३.७ | ४५ | ५० | ५० | | | | |
| ३. माध्यमिक शिक्षा (कक्षा ९-१२) | | | | | | | | | | |
| ३.१ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा खुद भर्ना दर* (%) | स्थानीय | ५७.९५ | ६१ | ६४.१ | ६७ | | | | |
| | | प्रदेश | ४४.६५ | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ४७.६ | | ६५ | | | | | |
| ३.२ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा कूल भर्ना दर* (%) | स्थानीय | ७६.४५ | | | | | | | |
| | | प्रदेश | ७३.४२ | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ७१.४ | | | ९९ | | | | |
| ३.३ | माध्यमिक तहमा कूल भर्ना दरमा लैङ्गिक समता सूचक* (कक्षा ९-१२) | स्थानीय | १.१३ | १.११ | १.०९ | १.०५ | | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | १.०२ | १ | १ | १ | | | | |
| ३.४ | आधारभूत तहबाट | स्थानीय | | | | | | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | |
|-----|--|-------------|------------|----|----|----|--|--|--|
| | माध्यमिक तहमा ट्रान्जिसन दर* (%) | राष्ट्रिय | ९७.५ | | | | | | |
| ३.५ | कक्षा १ मा भर्ना भएका बालबालिका मध्ये कक्षा १० मा पुग्ने दर (%) | स्थानीय | | | | | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ६०.३ | | | | | | |
| ३.६ | कक्षा १ मा भर्ना भएका बालबालिका मध्ये कक्षा १२ मा पुग्ने दर (%) | स्थानीय | | | | | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | २४ | | | | | | |
| ३.७ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा कार्यरत महिला शिक्षक सङ्ख्या* (%) | स्थानीय | २३.५ | २७ | ३१ | ३५ | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | २०.६ | २२ | २७ | ३३ | | | |
| ३.८ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा अध्ययनरत विद्यार्थी मध्ये विज्ञान र प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा विषयमा भर्ना भएका विद्यार्थी सङ्ख्या*(%) | स्थानीय | विज्ञान | | | | | | |
| | | प्रदेश | प्रा.व्या. | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | विज्ञान | | | | | | |
| | | स्थानीय | प्रा.व्या. | | | | | | |
| | | प्रदेश | विज्ञान | | | १५ | | | |
| | | प्रदेश | प्रा.व्या. | १० | १७ | ३० | | | |
| ३.९ | कक्षा १० का विद्यार्थी सिकाइ उपलब्धि* (अङ्कमा) | नेपाली भाषा | स्थानीय | | | | | | |
| | | | प्रदेश | | | | | | |
| | | | राष्ट्रिय | | | | | | |
| | | गणित | स्थानीय | | | | | | |
| | | | प्रदेश | | | | | | |
| | | | राष्ट्रिय | | | | | | |
| | | विज्ञान | स्थानीय | | | | | | |
| | | | प्रदेश | | | | | | |

| | | | | | | | | | | |
|--|---|-----------|-----------|----|--|----|------|--|--|--|
| | | | राष्ट्रीय | | | | | | | |
| | | अङ्ग्रेजी | स्थानीय | | | | | | | |
| | | | प्रदेश | | | | | | | |
| | | | राष्ट्रीय | | | | | | | |
| ४. जिवन-पर्यन्त शिक्षा तथा सिकाइ र अनौपचारिक शिक्षा | | | | | | | | | | |
| ४.१ | साक्षरता दर (१५ वर्ष भन्दा माथि) (%) | स्थानीय | | | | | | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | | |
| | | राष्ट्रीय | ५८ | | | ९५ | | | | |
| ४.२ | साक्षरता दर (६ वर्ष भन्दा माथि) (%) | स्थानीय | | | | | | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | | |
| | | राष्ट्रीय | ८२ | ८९ | | ९५ | १०० | | | |
| ४.३ | साक्षरता दर (१५-२४ उमेर समूह) (%) | स्थानीय | | | | | | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | | |
| | | राष्ट्रीय | ९२ | | | ९९ | | | | |
| ४.४ | साक्षरता दरमा लैङ्गिक समता (१५ वर्ष भन्दा माथि) | स्थानीय | | | | | | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | | |
| | | राष्ट्रीय | ०.६५ | | | | ०.८० | | | |
| ५. प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा र सीप विकास तालिम | | | | | | | | | | |
| ५.१ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक सीप विकास तथा तालिम प्राप्त आर्थिक रूपले सक्रिय जनशक्ति*(%) | स्थानीय | | | | | | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | | |
| | | राष्ट्रीय | ३१ | ४० | | ५० | ७५ | | | |
| ५.२ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा (कक्षा ९- १२ वा डिप्लोमा वा प्रि-डिप्लोमा वा सो सरह) उत्तीर्णजनशक्ति* | स्थानीय | छात्रा | | | | | | | |
| | | | छात्रा | | | | | | | |
| | | प्रदेश | छात्र | | | | | | | |
| | | | छात्रा | | | | | | | |
| | | राष्ट्रीय | छात्र | | | | | | | |
| | | | छात्रा | | | | | | | |

| | | | | | | | | | |
|--------------------------|--|-----------|------|------|-----------|------|--|--|--|
| | (वार्षिक सङ्ख्या) | | | | | | | | |
| ६. सुशासन तथा व्यवस्थापन | | | | | | | | | |
| ६.१ | आधारभूत तह - (कक्षा १-५) मा विद्यार्थी : शिक्षक अनुपात (सामुदायिक विद्यालय) | स्थानीय | २२:१ | २०:१ | १८: १ | १६:१ | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | |
| | | प्रदेश | २४:१ | | ३०: १ | ३०:१ | | | |
| ६.२ | आधारभूत तह (कक्षा ६-८) मा विद्यार्थी : शिक्षक अनुपात (सामुदायिक विद्यालय) | स्थानीय | ४१:१ | ३९:१ | ३७: १ | ३५:१ | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ३०:१ | | ३०: १ | ३०:१ | | | |
| ६.३ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) मा विद्यार्थी : शिक्षक अनुपात (सामुदायिक विद्यालय) | स्थानीय | २६:१ | २४:१ | २२: १ | २०:१ | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ३३:१ | ३१:१ | ३०: १ | ३०:१ | | | |
| ६.४ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१०) मा विद्यार्थी : शिक्षक अनुपात (सामुदायिक विद्यालय) | स्थानीय | ४३:१ | ४२:१ | ४०: :१ | ३७:१ | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ४०:१ | | ३०: १ | ३०:१ | | | |
| ६.५ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा विद्यार्थी : शिक्षक अनुपात | स्थानीय | ५७:१ | ५४:१ | ५१: १ | ४७:१ | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ४१:१ | ३५:१ | ३०: १ | ३०:१ | | | |
| ७. उच्च शिक्षा | | | | | | | | | |
| ७.१ | उच्च शिक्षामा कूल भर्ना दर (%) | प्रदेश | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | १२ | १७ | २२ | २५ | | | |
| ७.२ | उच्च शिक्षामा महिला सहभागिता अनुपात | प्रदेश | | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ०.९० | ०.९४ | ०.९ ६ | १ | | | |

| | | | | | | | | |
|-------------------|---|-----------|-------|-------|-------|-------|--|--|
| ७.३ | प्राविधिक उच्च शिक्षामा विद्यार्थी भर्ना दर (%) | प्रदेश | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | २५ | | ३३ | | | |
| द. शिक्षामा लगानी | | | | | | | | |
| द.१ | कूल बजेटको शिक्षा क्षेत्रमा विनियोजित बजेट* (%) | स्थानीय | २७.१३ | २९.८४ | ३२.८२ | ३६.१० | | |
| | | प्रदेश | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | १०.७८ | १५ | १७ | २० | | |
| द.२ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) मा प्रति विद्यार्थी सरकारी खर्च (रु. हजारमा) | स्थानीय | | | | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | १८ | २१ | २४ | | | |
| द.३ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा प्रति विद्यार्थी सरकारी खर्च (रु. हजारमा) | स्थानीय | | | | | | |
| | | प्रदेश | | | | | | |
| | | राष्ट्रिय | ११ | १५ | १७ | | | |

परिच्छेद ३ - विद्यालय क्षेत्रका मुख्य उपक्षेत्रहरू

यस परिच्छेदमा शिक्षा अन्तर्गतका विभिन्न उपक्षेत्रहरू प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा, आधारभूत शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, पाठ्यक्रम तथा मूल्याङ्कन, शिक्षक व्यवस्थापन र विकास, अनौपचारिक शिक्षा तथा आजीवन सिकाइ र प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाको वर्तमान अवस्थाको समीक्षा र पहिचान गरिएका चुनौतीहरूलाई दृष्टिगत गरेर योजनाका उद्देश्य, चुनौतीहरू, उद्देश्य प्राप्तिकालागि आवश्यक उपक्षेत्रगत रणनीतिहरू र प्रमुख क्रियाकलापहरू तथा सूचकहरू निर्धारण गरिएको छ ।

३.१. प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा

नेपालको संविधान २०७२ को धारा ३९ बालबालिकाको हकको उपधारा ३ अनुसार “प्रत्येक बालबालिकालाई प्रारम्भिक बालविकास तथा बाल सहभागिताको हक हुनेछ” भनी उल्लेख गरिएको छ साथै शिक्षा ऐन २०२८ को आठौँ संशोधनले बालविकास शिक्षालाई विद्यालय शिक्षाकै अङ्गको रूपमा मान्यता दिएको छ । प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रमले बालबालिकालाई लेखपढ गराउने वा अक्षर तथा अङ्क चिनाउने कार्यमा जोड दिने भन्दा बालबालिकाको सर्वाङ्गीण विकासमा सहयोग गर्नाका साथै आधारभूत शिक्षाकोलागि तयार गराउन सहयोग गर्नुपर्नेछ । प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रमहरू विभिन्न समयावधिका सञ्चालन गर्ने प्रचलन भएपनि चार वर्ष उमेर पुगेका बालबालिकाका लागि एक वर्षको प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गरिने व्यवस्था नेपालको निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा ऐन, २०७५ तथा राष्ट्रिय शिक्षा नीति, २०६७ मा उल्लेख भएको र नेपालको पन्क १ योजनामा पनि सोही व्यवस्था गरिएको सन्दर्भमा यस शिक्षा योजनामा पनि बालविकास कार्यक्रम समावेश गरिएको छ ।

३.१.१. वर्तमान अवस्था

हाल मध्यविन्दु नगरपालिकामा प्रारम्भिक बालविकास केन्द्र र संस्थागत विद्यालयमा सञ्चालित पूर्व प्राथमिक कक्षाहरू रहेका छन् । संस्थागत विद्यालय र सामुदायिक विद्यालयमा प्रारम्भिक बालविकास तथा सामुदायिक विद्यालयमा दुई या तीन वर्षका कार्यक्रम सञ्चालनमा छन् । यी सबैमा गरी कुल ३१५० बालबालिकाहरू यस कार्यक्रममा सहभागी भएका छन् । सामुदायिक विद्यालयबाट कक्षा १ मा प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा अनुभव सहितको भर्ना हुने विद्यार्थीको ९४.१ प्रतिशत रहेको छ । सामुदायिक विद्यालयमा प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षामा ५४ जना शिक्षकहरू कार्यरत रहेका छन् ।

३.१.२. प्रारम्भिक बालविकासका चुनौती

मध्यविन्दु नगरपालिकामा प्रारम्भिक बालविकासका सम्बन्धमा नविनतम् सेवाहरूमा विस्तार हुँदै गरेको देखिन्छ । जसमा प्रारम्भिक बालविकास लक्षित नीति, रणनीति तथा कार्यक्रमहरूको योगदान रहेको भएता पनि भौगोलिक विकटता, आर्थिक र सामाजिक सम्पन्नताका हिसाबले पछाडि परेका विभिन्न समूहका बालबालिकासम्म गुणस्तरीय सेवाको पहुँच पुऱ्याउन चुनौतीहरू रहेका छन् । सबै बालबालिकाको सर्वाङ्गीण विकासका लागि आवश्यक सबै प्रकारका सेवाहरू एकीकृत रूपमा सुनिश्चित नहुनु, बालबालिकाले पाउने सेवाहरूमा एकरूपता र गुणस्तरमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल नहुनु लगायतका चुनौतीहरू रहेका छन् ।

३.१.३. प्रारम्भिक बालविकासका उद्देश्य

यस योजनाको प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रमको समग्र उद्देश्य सबै बालबालिकाहरूलाई गुणस्तरीय प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षाको अवसर सुनिश्चित गर्नु रहेको छ । यसकालागि योजनाका प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा सम्बन्धी निम्नलिखित उद्देश्यहरू रहेका छन् ।

- चार वर्ष उमेर समूहका सबै बालबालिकाको सर्वाङ्गीण विकास र आधारभूत शिक्षाको तयारीकालागि प्रारम्भिक बालविकास सेवामा पहुँच बढाउनु,
- प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षाका सेवाहरूमा गुणस्तर सुनिश्चित गर्नु,
- सबै बालबालिकाहरूलाई प्रारम्भिक बालशिक्षाको अनुभवसहित कक्षा १ मा प्रवेश गराउनु ।

३.१.४. प्रारम्भिक बालविकासका रणनीतिहरू

योजनाका उद्देश्यहरू हासिल गर्न निम्नलिखित रणनीतिहरू अवलम्बन गरिनेछ :

- सङ्घीय सरकारले निर्धारण गरेको मापदण्ड र ढाँचा अनुसार निश्चित अनुदानका आधारमा प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षाको सञ्चालन तथा व्यवस्थापन गर्ने,
- प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रमको नक्साङ्कन, पुनर्वितरण गर्ने,
- लोपोन्मुख तथा सीमान्तकृत समुदायका बालबालिका तथा अपाङ्गता भएका ४ वर्ष उमेर समूहका बालबालिकालाई आवश्यकतामा आधारित प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रममा पहुँच सुनिश्चिता ल्याउने ,
- प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षाको गुणस्तर सुनिश्चित गर्न समय सापेक्ष परिमार्जन भएका पाठ्यक्रमको कार्यान्वयन गर्ने ,
- प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षामा लगानी सुनिश्चित गरी केन्द्रको न्यूनतम मापदण्ड पुरा गराउन लागत सहभागिता प्रारूप कार्यान्वयन गर्ने,
- प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रमको प्रभावकारिता वृद्धिकालागि परिवार, समुदाय, गैरसरकारी सङ्घसंस्था, निजी क्षेत्र र विद्यालयहरूलाई जिम्मेवार बनाउने ।

३.१.५ उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

क) उपलब्धि

- सबै बालबालिकाहरूलाई गुणस्तरीय प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षाको अवसर सुनिश्चित हुने,

ख) प्रमुख नतिजाहरू

- प्रारम्भिक बालविकास उमेरका सबै बालबालिकाहरूलाई प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रममा सहज पहुँच हुनेछ ।
- कक्षा १ मा प्रवेश गर्ने सबै बालबालिकाहरूलाई प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षाको अनुभव हुनेछ ।
- प्रारम्भिक बालविकास केन्द्रहरूमा न्यूनतम योग्यता र तालिम प्राप्त शिक्षक तथा बालबालिकाको हेरचाह तथा सहयोगकालागि सहायक कर्मचारी सहित केन्द्रले न्यूनतम मापदण्ड पुरा गरेका हुनेछ ।
- पाठ्यक्रम परिमार्जन र अनुकूलन सहित कार्यान्वयन भई प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा उमेरका सबै बालबालिकाहरूको विकासात्मक र सिकाइ आवश्यकता सम्बोधन हुने गरी गुणस्तरीय सेवा सुनिश्चित हुने,

- भौगोलिक जटिलतामा रहेका तथा अपाङ्गता भएका बालबालिकालाई समेट्नकालागि आवश्यकतामा आधारित, जस्तै घरमा आधारित, समुदायमा आधारित कार्यक्षेत्र (उद्योग, कलकारखाना) तथा घुम्ती प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रमका नमुनाहरू विकास हुनेछ ।
- प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षाको कार्यान्वयनमा सबै तहका सरकार, परिवार, समुदाय, गैरसरकारी सङ्घसंस्था र विद्यालयहरूका जिम्मेवार हुनेछन् ।

ग) प्रमुख क्रियाकलापहरू र लक्ष्य निर्धारण

| क्र.सं | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एका इ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|--------|---|----------|-----------------------|----|----|----|----|-------|---------------------------|-----------------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| १ | प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षाका न्यूनतम मापदण्डको प्रबोधिकरण | संख्या | ४५ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | |
| २ | प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा केन्द्रहरूको नक्साङ्कन तथा पुनर्वितरण | | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| ३ | बैकल्पिक प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन | | | | | | | | | आवश्यकता अनुसार |
| ४ | परिवार, समुदाय, गैरसरकारी संघसंस्था, निजी क्षेत्रसँगको सहकार्य | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| ५ | अपाङ्गता पहिचान गरी थप सेवा उपलब्ध गराउने | पटक | २ | २ | २ | २ | २ | १० | २० | इमिस आधार |
| ६ | बालबालिकाको अभिलेखीकरण | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| ७ | अपाङ्गता भएका बालबालिकाका लागि वैयक्तिक परिवार सेवा योजना | | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | कोपिला |
| ८ | पोषणयुक्त दिवा खाजाको व्यवस्था | जना | | | | | | | | ECD - कक्षा ६ |
| ९ | बालविकासको पाठ्यक्रम प्रबोधिकरण | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| १० | पूर्वाधार, सिकाइक्षेत्र, केन्द्रको भित्री तथा बाहिरी सिकाइ तथा खेल सामग्री व्यवस्थापन | सङ्ख्या | २८ | १० | ८ | १० | १० | ४६ | ४६ | |
| ११ | सहयोगी कार्यकर्ताहरूको योग्यता र क्षमताविकास | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| १२ | बालबालिकाको स्वास्थ्यजाँच, खोप तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | भर्नाको समयमा |

| क्र.सं | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एका इ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|--------|--|----------|-----------------------|---|---|---|---|-------|---------------------------|---|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| | अभिलेख व्यवस्थापन, वृद्धि अनुगमन गर्ने र कुपोषण भएका बालबालिकाको आवश्यक प्रबन्ध गर्ने | | | | | | | | | अभिलेखिकरण |
| १३ | स्थानीय भाषालाई प्राथमिकता दिई आवश्यकता अनुसार स्थानीय भाषाको प्रयोग | | | | | | | | | भाषा आयोगसंग समन्वय गर्ने |
| १४ | अभिभावक शिक्षा | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| १५ | अभिभावक तथा समुदायका सदस्य मार्फत स्थानीय ज्ञान तथा सिपहरू बालबालिकालाई सिकाउने व्यवस्था | | | | | | | | | सबै विद्यालयमा स्थानीय पाठ्यक्रम मार्फत |
| १६ | बालबालिकाको शारीरिक, सामाजिक, मानसिक तथा भावनात्मक सुरक्षा तथा आवश्यकताअनुसार मनोसामाजिक परामर्श उपलब्ध गराउने | | | | | | | | | निरन्तर |
| १७ | परिवार, समुदाय, निजी क्षेत्र तथा गैरसरकारी संघसंस्थाहरूको सहभागिता, संलग्नता र जिम्मेवारी वृद्धि | जना | | | | | | | | सबै विद्यालयमा पिटिए मार्फत |
| १८ | शैक्षिक सूचना व्यवस्थापन प्रणालीमा बालविकासको तथ्यांक व्यवस्थापन गर्ने | सङ्ख्या | | | | | | | | सबै विद्यालय-हरुमा |
| १९ | सहयोगी (आया) को व्यवस्था | | | | | | | | | सबै इसिडिमा |

३.२. आधारभूत शिक्षा

आधारभूत शिक्षाले बालबालिकाको सर्वाङ्गीण विकास, गुणस्तरीय जीवनयापन र सामाजिक समायोजनमा सहयोग गर्दछ । यसले व्यक्तिलाई जीवनपर्यन्त सिकाइको मार्ग प्रशस्त गरी मुलुकको सामाजिक तथा आर्थिक रूपान्तरणमा सहभागी हुने अवसर प्रदान गर्दछ । संविधानले विद्यालय तहको शिक्षालाई स्थानीय तहको एकल अधिकार क्षेत्रभित्र तथा संघ, प्रदेश र स्थानीय सरकारको साभ्ना अधिकारभित्र पनि राखेको छ । संविधानका उल्लिखित प्रावधानहरूले सबै बालबालिकाहरूलाई गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्न एकल तथा साभ्ना सूचीका

आधारमा तीनै तहका सरकार जिम्मेवार हुनुपर्ने देखिन्छ । शिक्षा ऐन २०२८ अनुसार आधारभूत शिक्षा भन्नाले प्रारम्भिक बाल शिक्षादेखि कक्षा आठसम्म दिइने शिक्षा हो । विद्यालय क्षेत्र सुधार योजना २०६६-२०७२ ले विद्यालय शिक्षाको पुनर्संरचना गरेर कक्षा १-८ लाई आधारभूत शिक्षा र कक्षा ९-१२ लाई माध्यमिक शिक्षाको रूपमा परिभाषित गरेपछि विद्यालय शिक्षा हाल दुई तहको भएको छ । प्राथमिक र निम्न माध्यमिक तहलाई मिलाएर बनाइएको आधारभूत तहलाई संविधानको धारा ३१ (१) मा नागरिकको मौलिक हक अन्तर्गत राखिएको छ ।

अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा सम्बन्धी ऐन २०७५ ले आधारभूत तह सम्मको शिक्षा प्रदान गर्ने दायित्व र तत्सम्बन्धी आवश्यक व्यवस्था मिलाइने जिम्मेवारी नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार र स्थानीयतहको हुने र आधारभूत शिक्षा उमेर समूहका बालबालिकालाई विद्यालय पठाउनु प्रत्येक नागरिकको कर्तव्य हुनेछ भन्ने उल्लेख गरे अनुरूप नगरपालिकाले व्यवस्था गर्नुपर्ने छ । यस खण्डमा आधारभूत शिक्षा अन्तर्गत कक्षा १ देखि ८ सम्मको शिक्षामा पहुँच, गुणस्तर तथा समता र व्यवस्थापकीय प्रबन्धको वर्तमान अवस्थाको समीक्षाका आधारमा चुनौतीहरू पहिचान गरी आगामी दश वर्षकालागि यस तहको शिक्षा विकासका उद्देश्य रणनीति, नतिजा र प्रमुख क्रियाकलापहरू तथा लक्ष्य उल्लेख गरिएको छ ।

३.२.१. वर्तमान अवस्था

आधारभूत शिक्षामा सबै बालबालिकाको समतामूलक पहुँच पुऱ्याउन विगतमा गरिएका प्रयासहरूको नतिजा स्वरूप कक्षा १ देखि ५ को खुद भर्नादर ९६.६ प्रतिशत र कक्षा १ देखि ८ को खुद भर्नादर ९६.९ प्रतिशत पुगेको छ । आर्थिक तथा सामाजिक रूपले पछाडि परेका, सीमान्तकृत समुदायका, दलित, जनजाती, कठिन परिस्थितिमा रहेका तथा दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रका बालबालिकाको पहुँचको अवस्था तुलनात्मक रूपमा कमजोर छ । जनसाङ्ख्यिक परिवर्तन, बसाइसराइ तथा बस्तीको स्वरूपमा आएको परिवर्तन अनुकूल आधारभूत तहका कतिपय विद्यालयहरूलाई पुनर्वितरण तथा समायोजन गर्नु आवश्यक देखिएको छ भने कतिपय अवस्थामा बैकल्पिक प्रबन्ध समेत गरी पहुँच र सहभागिता सुनिश्चित गर्नुपर्ने अवस्था छ । विद्यालयको भौतिक तथा शैक्षिक वातावरण बालमैत्री, समावेशी र सुरक्षित बनाउन थप प्रयास आवश्यक छ । बालबालिकाको विकास तथा सिकाइलाई प्रभावित गर्ने पोषण, स्वास्थ्य, सरसफाइ, दिवाखाजा जस्ता सेवाहरूमा विस्तार तथा सुधार गर्नुपर्ने छ । पेशागत रूपमा सक्षम, योग्य शिक्षकको अपर्याप्तता र विद्यालयको नेतृत्व तथा व्यवस्थापनका पक्षमा भएका विभिन्न समस्याहरूले पनि आधारभूत शिक्षाको पहुँच र गुणस्तरमा असर परेको देखिन्छ । कोभिड महामारीका कारणले अबरुद्ध भएको शिक्षण सिकाइले यसमा समस्या थप भएको थियो भने प्रकोप, सङ्कट तथा महामारी लगायतका परिस्थितिमा पनि सिकाइ निरन्तर रहने पद्धतिको विकास चुनौती रहेको छ । शिक्षण सिकाइ विधिमा सुधारकालागि शिक्षक तयारी तथा विकासमा सुधार तथा अनुगमन, सुपरिवेक्षण र पेशागत विकासका क्रियाकलापहरूलाई व्यवस्थित गर्नु आवश्यक छ ।

विद्यालयको दैनिक प्रशासनिक कार्य सञ्चालन र व्यवस्थापन तथा नेतृत्व गर्ने कार्य प्रधानाध्यापकबाट भैरहेको छ । विद्यालय व्यवस्थापन समिति र शिक्षक अभिभावक सङ्घको व्यवस्था पनि रहेको छ । प्रधानाध्यापकहरूमा शैक्षिक नेतृत्व र व्यवस्थापनका सिप, विद्यालयमा शिक्षक तथा कर्मचारी उत्प्रेरणा तथा वृत्ति विकास, शिक्षक तालिमको कक्षाकोठामा रूपान्तरण, अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण र क्षमता विकास लगायतका पक्षमा सुधार आवश्यक छ । विद्यालय तथा बालबालिकाको शिक्षामा अभिभावक संलग्नता बढाई व्यवस्थापन समिति र

शिक्षक अभिभावक सङ्घका पदाधिकारीहरूको क्षमता विकासमा थप ध्यान दिनुपर्ने पनि देखिन्छ । आधारभूत शिक्षा अन्तर्गत मध्यबिन्दु नगरपालिकामा देखिएका चुनौतीहरू निम्नानुसार रहेका छन्:

- ❖ निःशुल्क तथा अनिवार्य आधारभूत शिक्षामा सबै बालबालिकाको पहुँच तथा सहभागिता सुनिश्चित गराउन,
- ❖ सिकाइको गुणस्तर अभिवृद्धि गरी विद्यार्थीको सिकाइ उपलब्धिमा सुधार ल्याउन,
- ❖ विद्यालयको प्रशासनिक, भौतिक तथा शैक्षिक वातावरणमा सुधार ल्याई विद्यालयलाई अपाङ्ग मैत्री, बालमैत्री बनाउन,
- ❖ विद्यालय व्यवस्थापन तथा जनसहभागितामा परिवार, समुदाय, गैरसरकारी संघ संस्था, निजी क्षेत्र र विद्यालयहरूलाई जिम्मेवार बनाउन,
- ❖ सूचना तथा सञ्चार प्रविधिमा दक्षतामा वृद्धि गरि शिक्षण सिकाइमा प्रभावकारी ढङ्गले प्रयोग गर्न ।

३.२.२. उद्देश्य

आधारभूत शिक्षा कार्यक्रमको समग्र उद्देश्य आधारभूत शिक्षामा सबैको पहुँच र सहभागिता सुनिश्चित गर्दै गुणस्तर अभिवृद्धि गर्नु रहेको छ । यस योजनाले आधारभूत शिक्षा सम्बन्धी निम्नलिखित उद्देश्य राखेको छ :

- ❖ अनिवार्य तथा निःशुल्क आधारभूत शिक्षाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गरी यस तहको शिक्षामा सबैको समतामूलक पहुँच र सहभागिता सुनिश्चित गर्नु,
- ❖ आधारभूत विद्यालय उमेरका सबै बालबालिकाहरूलाई आधारभूत तहको शिक्षा पुरा गर्ने अवस्था सुनिश्चित गर्नु,
- ❖ आधारभूत शिक्षा पूरा गरेका सबै बालबालिकाहरूमा न्यूनतम सिकाइ उपलब्धि हासिल हुने अवस्था सुनिश्चित गर्नु,
- ❖ आधारभूत विद्यालयहरूको भौतिक तथा शैक्षिक वातावरण बालमैत्री, समावेशी र सुरक्षित बनाउनु,
- ❖ विद्यालय शिक्षाको शासकीय तथा व्यवस्थापकीय प्रबन्धमा सुधार गरी विद्यालय पद्धतिलाई विविधता अनुकूल, उत्थानशील र जवाफदेही बनाउनु,
- ❖ आधारभूत तहको सिकाइलाई दैनिक जीवनसँग सम्बन्धित गराउने र अन्तर सम्बन्धित विषयवस्तुलाई एकीकृत गरी सिकाइ क्रियाकलाप सञ्चालन गर्नु ।

३.२.३. रणनीतिहरू

योजनाका उद्देश्यहरू हासिल गर्न निम्नलिखित रणनीतिहरू अवलम्बन गरिनेछन् :

- ❖ सङ्घीय मापदण्ड अनुसार मध्यबिन्दु नगरपालिकाले आवश्यक समन्वय गरी विद्यालय नक्सामा माफत सबै बालबालिकाको पहुँच सुनिश्चित गर्न विद्यालयहरूलाई पुनर्वितरण तथा समायोजन गर्ने,
- ❖ मध्यबिन्दु नगरपालिकाले अनिवार्य तथा निःशुल्क आधारभूत शिक्षाको कार्यान्वयन गर्न आवश्यक कानून तर्जुमा तथा आवश्यक स्रोतको व्यवस्था मिलाइने,
- ❖ मध्यबिन्दु नगरपालिकाले आफ्नो क्षेत्रभित्र विद्यालयबाहिर रहेका सबै बालबालिकाहरूको यथार्थ विवरण सङ्कलन गरी उनीहरूको पहुँच सुनिश्चित गर्न आवश्यक व्यवस्था, वैकल्पिक अनौपचारिक खुला परम्परागत शिक्षा तथा सिकाइ लक्षित कार्यक्रम, प्रोत्साहन मूलक कार्यक्रम, आवासीय सुविधा आदि मिलाउने,

- ❖ आधारभूत तहमा न्यूनतम सिकाइ उपलब्धि हासिल गराउन आवधिक रूपमा सिकाइको मूल्याङ्कन गरी विद्यार्थीको सिकाइकालागि शिक्षकलाई प्रधानाध्यापक र प्रधानाध्यापकलाई नगरपालिकाप्रति जवाफदेही हुने प्रणाली विकास गर्ने,
- ❖ सबै आधारभूत विद्यालयहरूमा खानेपानी, शौचालय तथा सरसफाइको उचित प्रबन्ध सहित न्यूनतम भौतिक सुविधा सुनिश्चित गरी बालमैत्री, समावेशी र सुरक्षित सिकाइ वातावरण तयार गर्ने,
- ❖ सबै विद्यालयहरूमा प्राथमिकता प्राप्त न्यूनतम सक्षमता पूरा गराउन सङ्घीय सरकार र न्यूनतम सक्षमता पुरा गराउने कार्यमा मध्यबिन्दु नगरपालिकाले प्रदेश सरकारसित सहकार्य गरी आवश्यक लगानीको प्रबन्ध गर्ने,
- ❖ शिक्षण सिकाइ विधिमा समेत आवश्यक परिमार्जन गर्दै कक्षा ३ सम्म कक्षा शिक्षणलाई कार्यान्वयन ल्याइने छ । यसकालागि आवश्यक शिक्षक तालिम, तयारी तथा प्रोत्साहनका कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने,
- ❖ मूल्याङ्कनलाई शिक्षण सिकाइकै अभिन्न अङ्गको रूपमा प्रयोगमा ल्याएर विद्यार्थीलाई आवश्यक सहयोग उपलब्ध गराई सिकाइमा सुधार ल्याउने अवस्था सिर्जना गर्न कक्षाकोठामा आधारित मूल्याङ्कनसँग सम्बन्धित क्षमता विकास गर्ने ,
- ❖ मध्यबिन्दु नगरपालिकामा शैक्षिक निकायका जनशक्ति र शिक्षक तथा प्रधानाध्यापकहरूको क्षमता विकास, उत्प्रेरणा र व्यवस्थापनकालागि शैक्षिक मानव संसाधन सूचना प्रणाली स्थापना गर्ने,
- ❖ विद्यालय व्यवस्थापन समिति, शिक्षक अभिभावक सङ्घका पदाधिकारीको क्षमता विकास र अभिभावक अभिमुखीकरण गर्ने,
- ❖ विद्यार्थीको पोषण तथा स्वास्थ्यमा सुधार गर्न नगर स्वास्थ्य एकाइ तथा सङ्घसंस्थाको सहकार्यमा नगरपालिकाले विद्यालय पोषण तथा स्वास्थ्य कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने,
- ❖ विद्यार्थीलाई विद्यालयमा आधारित शैक्षिक तथा मनोसामाजिक परामर्श उपलब्ध गराउने ।
- ❖ स्थानीय उत्पादनमा आधारित पौष्टिक तथा स्वस्थकर दिवा खाजाको प्रबन्धलाई थप व्यवस्थित गर्न नगरपालिकाले सहकार्य गर्ने र विद्यालयले दिवा खाजा व्यवस्थापन गर्ने ,
- ❖ राष्ट्रिय पाठ्यक्रमप्रारूप २०७६ ले निर्दिष्ट गरेअनुसार विद्यालय शिक्षालाई विविधता अनुकूल, समावेशी र समता मूलक बनाउन स्थानीय परिवेश अनुकूल सिकाइ क्रियाकलाप सञ्चालन, भाषिक विविधता अनुकूलको माध्यम भाषाको उपयोग तथा सामाजिक सांस्कृतिक विविधताको सम्मान र समावेश हुने गरी सिकाइ सामाग्री विधि तथा प्रक्रिया प्रयोग गर्ने,
- ❖ मध्यबिन्दु नगरपालिकाले आवश्यक सहकार्य गरी विद्यालय शिक्षालाई प्रकोप, सङ्कट तथा महामारी लगायतका परिस्थितिप्रति उत्थानशील बनाउने योजना तयार गरी कार्यान्वयन गर्ने ।
- ❖ विद्यालय शिक्षालाई सूचना तथा सञ्चार प्रविधि लगायतका प्रविधिको प्रयोग गरी सहज र उपयोगी बनाउने कार्यलाई व्यवस्थित रूपमा विस्तार गर्ने ,
- ❖ नतिजा प्रतिको जवाफदेहिता सुनिश्चित हुने गरी विद्यालय तथा शैक्षिक निकायको शासकीय तथा व्यवस्थापकीय पद्धतिमा सुधार गरी सङ्घीय संरचना अनुकूल बनाउने ।
- ❖ निश्चित अन्तरालमा विद्यालयको कार्यसम्पादन परीक्षण तथा विद्यार्थीको सिकाइ उपलब्धि परीक्षण गरी जवाफ देहिता सुनिश्चित तथा सुधारमा क्षेत्र पहिचान गर्ने,

३.२.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

क) उपलब्धि

- ❖ अनिवार्य तथा निःशुल्क आधारभूत शिक्षामा पहुँच र सहभागिता सुनिश्चित भई गुणस्तर अभिवृद्धि हुने,

ख) नतिजाहरू

- ❖ सबै बालबालिका आधारभूत शिक्षाको पहुँच भई सहभागी हुने,
- ❖ सबै विद्यालयले प्राथमिकताप्राप्त सक्षमता पुरा गरेको गरी न्यूनतम भौतिक पूर्वाधार तथा सिकाइ सामाग्रीको उपलब्धता र आवश्यक सङ्ख्यामा योग्य, सक्रिय तथा उत्प्रेरित शिक्षकको व्यवस्था भई बालमैत्री र समावेशी वातावरणमा सिकाइ हुने,
- ❖ विद्यालय पोषण तथा स्वास्थ्य कार्यक्रम सञ्चालन र पौष्टिक तथा स्वस्थकर दिवाखाजाको प्रबन्धबाट बालबालिकाको स्वास्थ्य तथा पोषणको अवस्थामा सुधार हुने,
- ❖ आधारभूत शिक्षा पूरा गर्ने बालबालिकाले न्यूनतम सिकाइ उपलब्धि हासिल गरेको हुने,
- ❖ आधारभूत शिक्षाको भर्ना सहभागिता तथा सिकाइ उपलब्धिमा लैङ्गिक, भौगोलिक, सामाजिक तथा आर्थिक लगायतका समता सूचकमा सुधार हुने,
- ❖ विद्यालय शिक्षा प्रणाली प्रकोप, सङ्कट तथा महामारी लगायतका नगरपालिकाप्रति उत्थानशील हुने,
- ❖ विद्यालय शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधि लगायतका प्रविधिको प्रयोगमा विस्तार तथा सहज उपयोग भई सिकाइलाई सहयोग हुने,
- ❖ शैक्षिक निकायमा कार्यरत जनशक्तिको क्षमता विकास भई आधारभूत तहमा गुणस्तरीय शिक्षा प्रवाह तथा शैक्षिक सुशासन कायम हुने,

ग) प्रमुख क्रियाकलापहरू र लक्ष्य निर्धारण

| क्र. सं | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|---------|--|----------|-----------------------|-----|------|-----|-----|-------|------------------------|---|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| १ | विद्यालय नक्शाङ्कन, पुनर्वितरण तथा समायोजन | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| २ | मापदण्ड अनुसार शिक्षक व्यवस्था | सङ्ख्या | १४७ | १५२ | १६० | १६५ | १७० | १७० | २९२ | |
| ३ | सबै बालबालिकालाई विद्यालय भर्ना | विद्यालय | | | | | | | | निरन्तर |
| ४ | विद्यालयको न्यूनतम भौतिक पूर्वाधार विकास | विद्यालय | | | | | | | | सबैमा |
| ५ | विद्यार्थीको सिकाइ उपलब्धि परीक्षण | कक्षा | ५०.९ | ५३ | ५५.६ | ५६ | ५८ | ५८ | ७० | कक्षा ५ को अग्रेजी, गणित, विज्ञान, नेपाली र सामाजिक |

| क्र. सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|----------|--|------------|-----------------------|----|----|----|----|-------|------------------------|---------------------------------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| ६ | शिक्षक क्षमता विकास | विद्यालय | ६४ | ६४ | ६४ | ६४ | ६४ | ६४ | २९२ | |
| ७ | सूचना प्रविधिको प्रयोगकालागि आवश्यक संरचना, सामग्री तथा क्षमता विकास | विद्यालय | ६ | १० | १० | १० | १० | ४६ | ४६ | |
| ८ | विद्यालय पोषण तथा स्वास्थ्य कार्यक्रम र दिवाखाजाको प्रबन्ध | विद्यालय | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | सबै सामुदायिक विद्यालयमा |
| ९ | अपाङ्गता भएका विद्यार्थीलाई सहयोग | सङ्ख्या | | | | | | | | सबै अपाङ्गता भएका विद्यार्थीहरू |
| १० | पाठ्यपुस्तक व्यवस्था | विद्यार्थी | | | | | | | | सबै विद्यार्थी |
| ११ | सन्दर्भ सामग्रीको व्यवस्था | विद्यालय | | | | | | | | सबै विद्यालयहरूमा |
| १२ | विपन्नकालागि ड्रेस, स्टेशनरीकालागि छात्रवृत्ति | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | आवश्यकता अनुसार |
| १३ | सिकाइ सामग्री तथा विद्यालय व्यवस्थापन | विद्यालय | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | संघिय तर्फको बजेटबाट |
| १४ | निरन्तर विद्यार्थी मूल्याङ्कन प्रणालि कार्यान्वयन | | | | | | | | | सबै विद्यालय |
| १५ | शैक्षिक मानव संशाधन सूचना प्रणाली स्थापना | | | | | | | | | इभिस |
| १६ | वि.व्य.स, शि.अ.सं.का पदाधिकारीहरूको क्षमता विकास | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | सबै विद्यालयहरू |
| १७ | अभिभावक शिक्षा कार्यक्रम | | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | सबै विद्यालयहरू |

३.३. माध्यमिक शिक्षा

माध्यमिक शिक्षा (कक्षा ९ देखि १२) ले मानवीय मूल्यका साथै कला, संस्कृति, विज्ञान र प्रविधि क्षेत्रका आधारभूत मूल्य मान्यताको ज्ञान, सिप तथा दृष्टिकोण तथा व्यवहारहरू आर्जन गरेका सक्षम जनशक्ति उत्पादन गर्ने लक्ष्य राख्दछ । नेपालको संविधानले माध्यमिक तहको शिक्षा निःशुल्क प्राप्त गर्ने हक स्थापित गरेको छ भने अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा ऐन २०७५ ले पनि प्रत्येक नागरिकलाई माध्यमिक शिक्षा प्रदान गर्ने दायित्व राज्यको हुने उल्लेख गरेको छ । संविधानका उल्लिखित प्रावधानहरूले आमनागरिककालागि गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित गर्न एकल तथा साभ्ना सूचीका आधारमा तीनै तहका सरकारलाई जिम्मेवार बनाउने स्पष्टता छ । राष्ट्रिय शिक्षानीति, २०७६ ले गुणस्तरीय माध्यमिक शिक्षामा सबैको निःशुल्क पहुँच सुनिश्चित गर्दै सिर्जनशीलता, रचनात्मकता, अध्ययनशीलता, सकारात्मक चिन्तन र सदाचार सहितको प्रतिस्पर्धी, सीपयुक्त एवम् उत्पादनशील जनशक्ति तयार गर्ने उद्देश्य राखेको छ । विज्ञान प्रविधि तथा नवप्रवर्तन नीति, २०७६ ले विद्यालयतहदेखि नै परम्परागत मौलिक ज्ञान, प्रविधि तथा सिपका बारेमा अध्ययन अध्यापन गरी वैज्ञानिक चिन्तन तथा सिर्जनशीलता अभिवृद्धि गर्ने रणनीति लिएको छ ।

३.३.१. वर्तमान अवस्था

मध्यबिन्दु नगरपालिकाभित्र जम्मा २३ ओटा माध्यमिक विद्यालयहरू सञ्चालनमा रहेका छन् । तीमध्ये सामुदायिक विद्यालय अन्तर्गत १३ वटा कक्षा १० सम्म पठनपाठन हुने विद्यालय रहेका छन् भने निजीतर्फ १० ओटा विद्यालयहरू सञ्चालनमा छन् । प्राविधिक धार तर्फ एक विद्यालयमा सिभिल इन्जिनियरिङ्ग र अर्को एक विद्यालयमा इलेक्ट्रिकल इन्जिनियरिङ्ग विषयको अध्यापन हुने गरेको छ । मध्यबिन्दु नगरपालिकामा माध्यमिक शिक्षामा देहाय बमोजिमका चुनौतीहरू पहिचान गरिएको छ :

- ❖ निःशुल्क माध्यमिक शिक्षालाई कार्यान्वयन गर्ने र माध्यमिक शिक्षाको पहुँचबाट बाहिर रहेका विद्यार्थीलाई विद्यालयमा प्रवेश गराउन,
- ❖ विपन्न बालबालिका, विभिन्न किसिमका अपाङ्गता भएका बालबालिका दुर्गम क्षेत्रका महिला, दलित, पिछडिएका वर्ग, लैंगिक तथा यौनिक अल्पसंख्यक र लोपोन्मुख समुदायका बालबालिका, कठिन परिस्थितिमा रहेका बालबालिकाहरूको माध्यमिक शिक्षामा समतामूलक पहुँच पुऱ्याउन,
- ❖ माध्यमिक तहमा प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षालाई प्रबर्द्धन गर्न,
- ❖ माध्यमिक तहको विद्यालयमा शिक्षक दरबन्दी थप गर्न,
- ❖ महामारीका कारण सिकाई क्षतिलाई सम्बोधन गर्न,
- ❖ सबै विद्यालयमा न्यूनतम सक्षमताका अवस्था पूरा गरी विद्यालयको भौतिक तथा शैक्षिक वातावरणमा सुधार ल्याई विद्यालयलाई बालमैत्री बनाउन,
- ❖ विद्यालय शिक्षालाई प्रकोप, सङ्कट तथा महामारी लगायतका नगरपालिकाप्रति उत्थानशील बनाउन,
- ❖ सङ्घीय संरचना अनुरूप माध्यमिक शिक्षाको व्यवस्थापन तथा सञ्चालनकालागि नीतिगत, कानूनी तथा संरचनागत स्वरूपको विकास तथा कार्यान्वयनकालागि संस्थागत क्षमता विकास गर्न,
- ❖ शिक्षकको वृत्ति विकासलाई पारदर्शी, नतिजामा आधारित र अनुमान योग्य बनाई व्यवस्थित गर्न,
- ❖ विद्यालय शिक्षालाई विविधता अनुकूल, समावेशी र समतामूलक बनाउन,

३.३.२. उद्देश्यहरू

यस योजनाका माध्यमिक शिक्षा सम्बन्धी निम्नलिखित उद्देश्यहरू रहेका छन् :

- ❖ माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चित गर्दै सान्दर्भिकता र गुणस्तरमा सुधार गर्ने,
- ❖ माध्यमिक शिक्षामा खुद भर्ना दर तथा टिकाउ दर बढाउने,
- ❖ माध्यमिक शिक्षा पूरा गरेका सबै बालबालिकाहरूलाई दैनिक जीवन, रोजगारी र निरन्तर सिकाइकालागि तयार बनाउने,
- ❖ विद्यालयहरूको भौतिक तथा शैक्षिक वातावरण बालमैत्री, समावेशी र सुरक्षित बनाउने ,
- ❖ विद्यालय शिक्षाको शासकीय तथा व्यवस्थापकीय प्रबन्धमा सुधार गरी विद्यालय पद्धतिलाई विविधता अनुकूल, उत्थानशील र जवाफदेही बनाउने,
- ❖ सिकाइलाई दैनिक जीवनसँग सम्बन्धित गर्ने र अन्तर सम्बन्धित विषयवस्तु तथा व्यवहार कुशल सीपलाई एकीकृत गरी सिकाइ क्रियाकलाप सञ्चालन गर्ने,

३.३.३. रणनीतिहरू

योजनाका उद्देश्यहरू हासिल गर्न निम्नलिखित रणनीतिहरू अवलम्बन गरिनेछ :

- ❖ सङ्घीय मापदण्ड अनुसार मध्यबिन्दु नगरपालिकाले आवश्यक समन्वय गरी विद्यालय नक्सामा मार्फत सबै बालबालिकाको पहुँच सुनिश्चित गर्न विद्यालयहरूलाई पुनर्वितरण, समायोजन तथा स्थापना गरिनेछ ।
- ❖ निःशुल्क माध्यमिक शिक्षा (व्यावसायिक प्राविधिक तथा साधारण) मा सहज पहुँच र समावेशी सहभागिता सुनिश्चित गर्न सङ्घ, प्रदेश र मध्यबिन्दु नगरपालिकाको समन्वयात्मक कार्य ढाँचामा माध्यमिक विद्यालयहरूको क्षमता विकास गरिनेछ ।
- ❖ माध्यमिक तहमा सञ्चालन भइरहेको प्राविधिकधारको शिक्षाको प्रभावकारिताको अध्ययनका आधारमा आवश्यक पूर्वाधार र शिक्षक व्यवस्था सहित सम्भाव्य रोजगारीलाई ध्यान दिएर सञ्चालन गरिनेछ ।
- ❖ हरेक विद्यालयमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधि विस्तार गर्दै शिक्षण सिकाइमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधि बढाइनेछ ।
- ❖ शिक्षक निरन्तर अध्यावधिक हुन अभिप्रेरणा बढाउने कार्यक्रम सञ्चालन गरी दक्ष विषय शिक्षकको व्यवस्था ल्याइने छ ।
- ❖ सबै विद्यालयमा न्यूनतम सक्षमताका अवस्था (PEMC) पूरा गरी विद्यालयको भौतिक तथा शैक्षिक वातावरणमा सुधार ल्याई विद्यालयलाई बालमैत्री बनाइनेछ ।
- ❖ विद्यालय शिक्षालाई प्रकोप, सङ्कट तथा महामारी लगायतका नगरपालिकाप्रति उत्थानशील बनाउने योजना तयार गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।
- ❖ विज्ञान, प्रविधि, ईन्जिनियरिङ, कला र गणित शिक्षा (STEM) जस्ता विषयहरूको सिकाइलाई अन्तर सम्बन्धित गर्दै लगिनेछ ।
- ❖ सामुदायिक विद्यालयमा कक्षा ११ र १२ मा विज्ञान विषय अध्ययनकालागि आकर्षण बढाउन पर्याप्त पूर्वाधार सहितको व्यवस्था गरिनेछ ।
- ❖ निश्चित अन्तरालमा विद्यालयको कार्यसम्पादन परीक्षण तथा विद्यार्थीको सिकाइ उपलब्धि परीक्षण गरी जवाफदेहिता सुनिश्चित गरिनेछ ।

३.३.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

क) उपलब्धि

- ❖ माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चित भई सान्दर्भिकता र गुणस्तरमा सुधार हुने,

ख) नतिजा

- ❖ सबै बालबालिकाहरूलाई निःशुल्क माध्यमिक तहको शिक्षामा पहुँच सुनिश्चित भई खुद भर्ना तथा टिकाउ दरमा वृद्धि हुनेछ ।
- ❖ सबै माध्यमिक विद्यालयले आधारभूत मापदण्ड पुरा गरेको हुनेछ ।
- ❖ माध्यमिकतहमा प्राविधिक धार तर्फको संरचना व्यवस्थित र सुदृढ हुनेछ ।
- ❖ माध्यमिक शिक्षा पूरा गर्ने बालबालिकाले न्यूनतम सिकाइ उपलब्धि हासिल गरेको हुनेछ ।
- ❖ शिक्षा प्रणाली प्रकोप, सङ्कट तथा महामारी लगायतका नगरपालिकाप्रति उत्थानशील हुनेछ ।
- ❖ विद्यालय शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधि लगायतका प्रविधिको प्रयोगमा विस्तार तथा सहज उपयोग भई सिकाइलाई सहयोग हुनेछ ।
- ❖ शैक्षिक निकायमा कार्यरत जनशक्तिको क्षमता विकास भई माध्यमिक तहमा गुणस्तरीय शिक्षा प्रवाह तथा शैक्षिक सुशासन कायम हुनेछ ।

ग) प्रमुख क्रियाकलापहरू र लक्ष्य निर्धारण

| क्र.सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|---------|---|----------|-----------------------|----|----|----|----|-------|------------------------|--------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| १ | निःशुल्क माध्यमिक शिक्षाका लागि आवश्यक कानून, कार्यविधि र निर्देशिकाको प्रबोधिकरण | | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| २ | विद्यालय नक्शाङ्कन, पुनर्वितरण तथा समायोजन | | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| ३ | विज्ञान, गणित तथा कम्प्यूटर विज्ञान विषय अध्ययनकालागि अवसर | विद्यालय | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | १३ | १३ | |
| ४ | मापदण्ड अनुसार शिक्षक व्यवस्था | विद्यालय | ६ | ७ | ८ | ८ | ९ | १३ | १३ | |
| ५ | सबै बालबालिकाको पहुँच सुनिश्चित गर्ने | विद्यालय | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | |
| ६ | आवश्यकता अनुसार खुला तथा दूरशिक्षा लगायतका बैकल्पिक प्रबन्ध | विद्यालय | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| ७ | विद्यालयको न्यूनतम भौतिक पूर्वाधार विकास | विद्यालय | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | |
| ९ | शिक्षक क्षमता विकास | विद्यालय | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | |
| ११ | सूचना प्रविधिको प्रयोगकालागि आवश्यक | विद्यालय | २ | ३ | ३ | २ | १ | ११ | १३ | |

| क्र.सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|---------|---|----------|-----------------------|---|---|---|---|-------|------------------------|---------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| | संरचना, सामाग्री तथा क्षमता विकास | | | | | | | | | |
| १४ | अपाङ्गता भएका विद्याथीलाई सहयोग | सङ्ख्या | | | | | | | | सबै |
| १५ | निःशुल्क माध्यमिक शिक्षा सुनिश्चितताकालागि पाठ्यपुस्तक, ड्रेस तथा स्टेशनरी, छात्रवृत्ति र सिकाइ सामाग्री व्यवस्था | विद्यालय | | | | | | | | निरन्तर |
| १६ | कक्षा कोठामा आधारित मूल्याङ्कन | विद्यालय | | | | | | | | निरन्तर |
| १७ | व्यवस्थित परीक्षा प्रणाली | विद्यालय | | | | | | | | निरन्तर |
| १८ | शैक्षिक मानव संसाधन सूचना प्रणाली स्थापना | विद्यालय | | | | | | | | इमिस |
| १९ | वि.व्य.स, र शि.अ.सं.का पदाधिकारीहरूको क्षमता विकास | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| २० | अभिभावक अभिमुखिकरण र सहभागिता | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| २१ | लक्षित बालबालिकाहरूकालागि आवाशीय प्रबन्ध | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | |

३.४. पाठ्यक्रम र मूल्याङ्कन

शिक्षा पद्धतिलाई मार्गदर्शन गर्ने महत्वपूर्ण आधार पाठ्यक्रम हो । औपचारिक शिक्षा पद्धतिमा पाठ्यक्रमद्वारा निर्देशित ज्ञान, सिप तथा अभिवृत्ति प्राप्तमा विद्यार्थीलाई सक्षम बनाउने दिशामा शिक्षण सिकाइ तथा मूल्याङ्कन प्रक्रिया सञ्चालित हुनुपर्दछ । पाठ्यक्रम कुनै कक्षा वा तहमा कुन कुन विषयवस्तु सिकाउने भन्ने कुरासँग मात्र सम्बन्धित नभई विद्यार्थीमा के कस्ता क्षमता विकास गराउने हो अर्थात् किन पढाउने, के कस्ता क्रियाकलापका माध्यमबाट अपेक्षित सक्षमता हासिल गराउन सकिन्छ र विद्यार्थीले सिकेको वा नसिकेको सुनिश्चित गरी आवश्यक पृष्ठपोषण प्रदान गर्न के कसरी मूल्याङ्कन गर्ने भन्ने कुरा निर्धारण गर्ने महत्वपूर्ण आधार हो । पाठ्यक्रमको माध्यमबाट व्यक्तिलाई समाज तथा विश्व परिवेश अनुकूल समायोजन हुन, रोजगारी प्राप्त गर्न, पेशा व्यवसाय छनौट तथा सञ्चालन गर्न र आर्थिक क्रियाकलापमा सरिक हुन सहयोग प्राप्त हुनुपर्छ । पाठ्यक्रम निश्चित मूल्य तथा मान्यतामा विकास गरिएको हुनाले यसले सामाजिक मूल्य मान्यता तथा व्यवहारलाई सान्दर्भिक रूप सहित आत्मसात् गर्न, विभेदरहित, समतामूलक, र समावेशी दृष्टिकाण अनुरूप व्यवहार गर्न, आफ्नो र अरुको अधिकार र कर्तव्यप्रति सचेत रहन, र सिर्जनात्मक तथा तथ्यपरक ढङ्गबाट सोच्ने र निर्णय गर्न सहयोग गर्नुपर्छ । यसरी पाठ्यक्रम एउटा शिक्षा प्रणालीलाई मार्गदर्शन गर्ने आधार भएकोले यसको विकास तथा कार्यान्वयन उपयुक्त ढङ्गले हुनुपर्दछ । मानवीय आवश्यकता, बालबालिकाको रुचि,

सामाजिक मूल्य मान्यता र समाज तथा विश्व परिवेशमा विकास भएका ज्ञान , सिप तथा प्रविधि अनुकूल पाठ्यक्रमलाई एउटा गतिशिल र लचिलो प्रक्रियाका रूपमा लिनु आवश्यक छ ।

३.४.१. वर्तमान अवस्था

स्थानीय पाठ्यक्रममा विद्यालय तहको पाठ्यक्रमलाई सान्दर्भिक तथा प्रभावकारी बनाउन कक्षा १-८ मा अन्तरसम्बन्धित विषयवस्तुलाई एकीकृत गरिएको, व्यवहार कुशल तथा जीवनोपयोगी सीपहरू समावेश हुने गरी सिकाइ क्रियाकलाप तर्जुमा गर्ने रणनीति लिइएको, आधारभूत तहमा स्थानीय कला, संस्कृति, भाषा, इतिहास, परम्परा, सीप तथा ज्ञानमा आधारित स्थानीय पाठ्यक्रम स्थानीय तहले विकास गरी कार्यान्वयन गर्नु पर्ने र सबै कक्षाका विषयवस्तुलाई यथासम्भव स्थानीय परिवेश तथा दैनिक जीवनसँग सम्बन्धित गराई सिकाइ क्रियाकलाप सञ्चालन गर्नुपर्ने व्यवस्था गरिरहेको छ । प्रत्येक विषयमा विषयवस्तुको स्वरूपअनुसार विद्यार्थीलाई २५ देखि ५० प्रतिशतसम्म भारको प्रयोगात्मक कार्य, परियोजना कार्य वा सामुदायिक कार्य लगायतका व्यावहारिक अभ्यास गराउनु पर्ने व्यवस्था छ । त्यसैगरी यसले सिकाइमा प्रयोग गरिने माध्यम भाषाले सिकाइमा बाधा नपर्ने गरी आवश्यकता अनुसार मातृभाषा, स्थानीय भाषा वा बहुभाषाको प्रयोग गरी सिकाइ सहजीकरण गर्ने, सूचना तथा सञ्चार प्रविधिलाई जीवनोपयोगी तथा व्यवहार कुशल सीपका रूपमा एकीकृत गर्नुका साथै सिकाइको माध्यमका रूपमा प्रयोगलाई विस्तार गर्ने र विद्यार्थी मूल्याङ्कनलाई शिक्षण सिकाइ क्रियाकलापको अभिन्न अङ्गका रूपमा सिकाइ सुधारकालागि निरन्तर पृष्ठपोषण प्रदान गर्ने गरी प्रयोग गर्ने नीति लिएको छ । आधारभूत तह कक्षा १-३ मा निरन्तर विद्यार्थी मूल्याङ्कन प्रणाली मार्फत उदार कक्षा उन्नति नीति अपनाइएको छ भने आधारभूत तह कक्षा ४-५ मा ५० प्रतिशत निर्णयात्मक र ५० प्रतिशत निर्माणात्मक मूल्याङ्कन विधि अपनाइएको छ । आधारभूत तह कक्षा ६-८ मा ६० प्रतिशत निर्णयात्मक र ४० प्रतिशत निर्माणात्मक मूल्याङ्कन अपनाइएको छ । आधारभूत तहको कक्षा ७ सम्म निरन्तर विद्यार्थी मूल्याङ्कन प्रणाली अपनाइएको छ । कक्षा ८ को वार्षिक परीक्षा पालिका स्तरमा हुने छ । कक्षा १० तथा १२ को अन्तिम परीक्षा राष्ट्रिय परीक्षा बोर्डको निर्देशन अनुरूप हुने गरेको छ । पाठ्यक्रम र मूल्याङ्कनमा देखिएका विद्यमान चुनौतीहरू:

- ❖ स्थानीय पाठ्यक्रम र पाठ्यसामाग्री विकासकालागि क्षमता विकास गराउन,
- ❖ सबै शिक्षकलाई नयाँ पाठ्यक्रम र पाठ्यसामाग्रीको अभिमुखीकरण गर्न,
- ❖ स्थानीय पाठ्यक्रम र पाठ्यसामाग्री विकासकालागि क्षमता विकास गर्न,
- ❖ प्रारम्भिक कक्षाहरूमा आवश्यकता अनुसार अनुरूप मातृभाषा, स्थानीय भाषा, बहुभाषा प्रयोग गर्न,
- ❖ स्थानीय पाठ्यक्रम विकास तथा अद्यावधिक कार्यलाई अनुसन्धानमा आधारित बनाउने,
- ❖ सिकाइ सहजीकरण र मूल्याङ्कनमा सूचना प्रविधिको प्रयोग गर्न,
- ❖ स्थानीय पाठ्यक्रम कार्यान्वयन तथा मूल्याङ्कनमा स्थानीय तह अर्थपूर्ण सहभागिता गराउन,
- ❖ अपाङ्गता मैत्री पाठ्यपुस्तक तथा कार्य पुस्तिकाको प्रयोग गर्न,
- ❖ योग्यता प्रमाणीकरणकालागि तहगत स्तर निर्धारण र समकक्षता प्रदान गर्न ।

३.४.२. उद्देश्य

यस योजनाले पाठ्यक्रम तथा मूल्याङ्कन सम्बन्धी निम्नलिखित उद्देश्यहरू राखेको छ :

- ❖ पाठ्यक्रमलाई समयसापेक्ष सान्दर्भिक गुणस्तरीय र प्रभावकारी बनाई सम्मृद्ध नेपाल निर्माणकालागि सक्षम, सृजनशील तथा प्रतिस्पर्धी नागरिक तयार गर्न सहयोग गर्नु,

- ❖ अनुसन्धान तथा जीवन्त अनुभवमा आधारित पाठ्यक्रम विकास तथा कार्यान्वयन गर्नु,
- ❖ सिकाइलाई दैनिक जीवनसँग सम्बन्धित गराउने र विषयवस्तुलाई अन्तरसम्बन्धित गरी सिकाइ क्रियाकलाप सञ्चालन गर्नु,
- ❖ पाठ्यक्रममा आधारित शिक्षण सिकाइद्वारा स्थानीय र आधुनिक विश्व परिवेश अनुसार सिकारुमा ज्ञान, सिप तथा व्यवहार विकासमा सहजीकरण गर्नु,
- ❖ सिकारुका सिकाइ समस्याको समाधान उन्मुख निरन्तर आवधिक तथा स्तरीकृत साथै प्रमाणमा आधारित मूल्याङ्कन पद्धतिको व्यवस्था गर्नु ।

३.४.३ रणनीतिहरू

उद्देश्यहरू हासिल गर्न निम्नलिखित रणनीतिहरू अवलम्बनमा ल्याइनेछ :

- ❖ स्थानीय पाठ्यक्रमलाई समयसापेक्ष, सान्दर्भिक, गुणस्तरीय र प्रभावकारी बनाई सक्षम र प्रतिस्पर्धी नागरीक तयार गर्न पाठ्यक्रम विकास तथा कार्यान्वयन प्रक्रियालाई अनुसन्धान तथा आवधिक मूल्याङ्कनमा आधारित बनाइनेछ ।
- ❖ पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक विकास प्रक्रियालाई सहभागितामूलक बनाई स्थानीय सरोकारवालामा अपनत्व विकास गरी जवाफदेही बनाउन स्थानीय परिवेशमा आधारित पाठ्यक्रम विकास प्रक्रियालाई अवलम्बन गरी परीक्षणका रूपमा कार्यान्वयनमा ल्याइने छ, र प्रभावकारिता आधारमा निरन्तरता प्रदान गरिनेछ ।
- ❖ स्थानीय पाठ्यक्रम मार्फत प्रकोप व्यवस्थापन विषयवस्तु समावेश गरी विपत, महामारी तथा सङ्कट व्यवस्थापन र न्यूनीकरण गर्न प्रारम्भिक कक्षा देखिनै बालबालिकालाई सक्षम बनाइँदै लगिनेछ ।
- ❖ प्रारम्भिक कक्षाहरूमा सिकाइ सहजीकरणका निमित्त आवश्यकता अनुसार मातृभाषा र स्थानीय भाषालाई प्राथमिकता दिइनेछ ।
- ❖ अपाङ्गता भएका बालबालिकाहरूको सिकाइ अवसर वृद्धि गर्न सिकाइ सामाग्रीलाई ब्रेल लिपिमा तयार गर्ने र श्रव्यदृश्यमा आधारित साङ्केतिक भाषाका शैक्षिक सामाग्रीहरूको विकास र प्रयोगलाई प्राथमिकताका साथ कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
- ❖ निरन्तर विद्यार्थी मूल्याङ्कन प्रणालीलाई प्रभावकारिताका साथ कार्यान्वयन गरिनेछ ।
- ❖ आधारभूत तहको कक्षा ५ र ८ को वार्षिक परीक्षालाई पालिका स्तरीय बनाइ सुधार गरिनेछ ।

३.४.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

क) उपलब्धि

- विद्यालयतहको पाठ्यक्रम सान्दर्भिक तथा मूल्याङ्कन प्रणाली प्रभावकारी भई दैनिक जीवनकालागि आवश्यक आधारभूत सक्षमता सहित सिर्जनशील, सकारात्मक सोच भएको, निरन्तर सिकाइप्रति प्रतिबद्ध र रोजगार उन्मुख नागरिक तयार गर्न सहयोग हुनेछ ।

ख) नतिजा

- ❖ राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारूप २०७६ अनुसार प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा देखि कक्षा १२ सम्मका पाठ्यक्रम विकास तथा कार्यान्वयन हुनेछ ।

- ❖ कक्षा १-३ मा व्यवहार कुशल सिपहरू सहित अन्तरविषयक तथा बहुविषयक ढाँचाको एकीकृत पाठ्यक्रम कार्यान्वयन हुनेछ ।
- ❖ कक्षा १-८ सम्म सबै विद्यालयमा सम्बन्धित स्थानीयतहले विकास वा समायोजन गरेअनुसार स्थानीय पाठ्यक्रम कार्यान्वयन हुनेछ ।
- ❖ प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा देखि आधारभूत तहसम्म विशेषत कक्षा १-३ मा आवश्यकतानुसार मातृभाषा स्थानीय भाषा वा बहुभाषाको प्रयोग गरी सिकाइ सहजीकरण हुनेछ ।
- ❖ बहुपाठ्यपुस्तक प्रयोगहुने र पाठ्यपुस्तकको गुणस्तरमा सुधार हुनेछ ।
- ❖ कक्षाकोठा सिकाइको अभिन्न अङ्गका रूपमा सिकाइ सुधारको माध्यमका रूपमा मूल्याङ्कनको प्रयोग हुनेछ ।
- ❖ सिकाइ क्रियाकलाप बालमैत्री स्थानीय सन्दर्भ सापेक्ष, सान्दर्भिक तथा प्रभावकारी हुनेछ ।
- ❖ पाठ्यक्रम विकास तथा परिमार्जन सहभागितात्मक हुनेछ ।
- ❖ पाठ्यक्रम परिमार्जन तथा सुधार अनुसन्धानमा आधारित हुनेछ ।
- ❖ पाठ्यक्रम कार्यान्वयनकालागि नतिजा अर्थात विद्यार्थीको सिकाइमा आधारित उत्तरदायित्व बहन हुनेछ ।

ग) प्रमुख क्रियाकलापको तालिका

| क्र.सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | वर्ष | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|---------|---|----------|------|---|---|---|---|-------|------------------------|--------------------------------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| १ | पाठ्यक्रम प्रबोधिकरण तालिम सञ्चालन | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| २ | पाठ्यक्रमको प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयनकोलागि शिक्षक तालिम सञ्चालन | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| ३ | शिक्षक पेसागत सहयोग | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| ४ | कक्षा कोठामा आधारित विद्यार्थी मूल्याङ्कन | विद्यालय | | | | | | | | निरन्तर |
| ५ | आवधिक विद्यार्थी मूल्याङ्कन | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | सबै विद्यार्थी |
| ६ | डिजिटल सामाग्रीको प्रयोग | | | | | | | | | आवश्यकता अनुसार |
| ७ | सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोग | | | | | | | | | निरन्तर |
| ८ | निःशुल्क पाठ्यपुस्तक | | | | | | | | | सबै विद्यालय |
| ९ | बहुपाठ्यपुस्तक | | | | | | | | | आवश्यकता अनुसार |
| १० | स्थानीय पाठ्यक्रम विकास तथा कार्यान्वयन | विद्यालय | | | | | | | | निरन्तर |
| ११ | माध्यम भाषाका रूपमा मातृभाषाको प्रयोग | | | | | | | | | सेवा क्षेत्रको आवश्यकता अनुसार |
| १२ | सुपरिवेक्षण तथा अनुगमन | विद्यालय | | | | | | | | निरन्तर |

| क्र.सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | वर्ष | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|---------|----------------------|------|------|---|---|---|---|------------------------|-----------------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | | |
| १३ | परीक्षा सञ्चालन | | | | | | | | ५ र ८ को नगरबाट |

३.५. शिक्षक व्यवस्थापन र विकास

विद्यार्थीको सिकाइ सुधारमा मुख्य भूमिका शिक्षकको रहन्छ । सबै तहको शिक्षामा योग्य, दक्ष, समर्पित र अभिप्रेरित शिक्षकहरूको व्यवस्थापनबाट मात्र गुणस्तर सुनिश्चित गर्न सकिन्छ । शिक्षकमा विद्यमान विषयवस्तुको ज्ञान, शिक्षण सिप र नमुना व्यक्तित्वले विद्यार्थीहरूको सिकाइमा सकारात्मक प्रभाव पार्दछ । यसकालागि शिक्षक व्यवस्थापन र विकास प्रभावकारी हुन जरूरी छ । अहिलेको वर्तमान अवस्थामा शिक्षक तयार गर्ने काम विश्वविद्यालय र विद्यालयहरू (उच्च मा.वि.) ले गरिरहेका छन् । शिक्षक अध्यापन अनुमतिपत्रका लागि परीक्षा सञ्चालन गर्ने, रिक्त शिक्षक दरबन्दीमा पदपूर्तिकालागि परीक्षा सञ्चालन गरी नियुक्तिका लागि सिफारिस गर्ने र शिक्षक बहुवासम्बन्धी कार्य शिक्षक सेवाआयोगले गर्दै आएको छ । यसैगरी अस्थायी शिक्षक नियुक्ति तथा कार्यसम्पादन मूल्याङ्कनको कार्य स्थानीयतहले गर्दै आएका छन् । शिक्षकको पेशागत विकास सम्बन्धी नीति निर्माण गर्ने काम शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालयले, प्रमाणीकरण तथा कष्टमाइज्ड तालिम पाठ्यक्रम निर्माण गर्ने र प्रशिक्षक तयार गर्ने कार्य शिक्षा तथा मानव स्रोत विकास केन्द्रले गर्दै आएको छ भने शिक्षकको क्षमता अभिवृद्धिका लागि तालिम सञ्चालन गर्ने काम शिक्षा तालिम केन्द्रहरूले गर्दै आएका छन् । शिक्षक सेवा आयोग नियमावली, २०५७ ले शिक्षक हुनका अध्यापन अनुमतिपत्र लिएको हुनुपर्ने, शिक्षक सेवा आयोगबाट सञ्चालित परीक्षा उत्तीर्ण हुनुपर्ने, बहुवाका निमित्त निश्चित मापदण्ड पूरा गर्नुपर्ने व्यवस्था र नियमित रूपमा स्थायी नियुक्ति गर्ने कार्यको थालनीले शिक्षण पेशामा थप आकर्षण बढेको देखिएपनि स्थायित्व पाउन सकेको छैन । प्रदेशस्तरमा शिक्षक सेवा आयोग स्थापना गरी संस्थागत सुदृढीकरण गर्नुपर्ने माग सम्बोधन हुन सकेको छैन । अस्थायी, राहत र निजी श्रोतमा शिक्षक नियुक्ति तथा व्यवस्थापनकालागि उपयुक्त मापदण्ड र निर्देशिका निर्माण गरी प्रयोगमा ल्याउन जरूरी भइसकेको छ ।

३.५.१ वर्तमान अवस्था

राष्ट्रिय शिक्षा नीति, २०७६ बमोजिम सबै प्रकारका विद्यालयमा अध्यापन गर्ने शिक्षककालागि राष्ट्रिय शिक्षक सक्षमताको मापदण्ड निर्धारण गरी सोको आधारमा शिक्षक तयार गर्ने र शिक्षक सक्षमताका आधारमा पेशागत विकास कार्य सञ्चालन गरिने उल्लेख भए अनुरूप मन्त्रालय र विश्वविद्यालयहरू बीचको सहकार्य शिक्षक तयारी कोर्स विकास गरी कार्यक्रम सञ्चालन नगरपालिकाले गरेको छ । विद्यमान शिक्षक अभाव पूर्तिकालागि यस योजनाले स्वयंसेवक शिक्षक परिचालन, विद्यालय शिक्षाको गुणस्तर सुधारकोलागि क्षमता विकास र शिक्षक सहायता प्रणालीको विकास, शिक्षकले शिक्षण सिकाइमा बिताउने समयबधि कार्यान्वयन कार्यविधि कार्यान्वयन, असल अभ्यासहरूको प्रचार प्रसार, तहगत पाठ्यक्रम कार्यान्वयनकालागि अनुगमन, उत्कृष्ट सिकाइ उपलब्धि हासिल गराउने शिक्षकलाई प्रोत्साहन, विषयगत शिक्षक (सिकाइ सञ्जाल) समूह परिचालन, कक्षा अवलोकन, छलफल, नियमित अनुगमन तथा पृष्ठपोषण आदानप्रदान, जस्ता कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने लक्ष्य नगरपालिकाले लिएको छ । शिक्षक व्यवस्थापन र विकासका क्षेत्रमा देहाय बमोजिमका चुनौतीहरू पहिचान गरिएका छन् :

- ❖ शिक्षण पेसालाई रोजाइको पेसाका रूपमा विकास गर्न,
- ❖ विद्यालय तहको पाठ्यक्रम र शिक्षण आवश्यकतालाई सम्बोधन हुने गरी विश्वविद्यालयका शिक्षक तयारी कोर्स वा शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमहरूलाई समायोजन गर्न,
- ❖ सक्षम शिक्षक आपूर्तिकालागि विश्वविद्यालयमा शिक्षा सङ्कायमा विद्यार्थी भर्ना र शिक्षण सिकाइ तथा मूल्याङ्कन प्रक्रिया सुधार गरी व्यवस्थित बनाउनु,
- ❖ पाठ्यक्रमले निर्धारण गरेका सिकाइ उपलब्धि सुनिश्चित गर्न र शिक्षण सिकाइलाई विद्यार्थी केन्द्रित बनाउन शिक्षण विधितथा शिक्षण सिकाइ क्रियाकलापमा विविधता ल्याउन,
- ❖ शिक्षक पेसागत सहयोगको सुदृढ प्रणाली स्थापित गर्न,
- ❖ शिक्षकको पेसागत विकासको अवसर विस्तार र प्रभावकारितामा सुधार गर्ने गरी संस्थागत प्रबन्ध गर्न,
- ❖ विद्यार्थी सिकाइ उपलब्धिलाई शिक्षकको कार्यसम्पादन मूल्याङ्कनसँग आबद्ध गर्ने कार्यलाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्न,
- ❖ उपलब्ध शिक्षकहरूको औचित्यपूर्ण वितरण गर्नुका साथै आवश्यक विषयगत विशिष्टता सहित आवश्यक शिक्षक दरबन्दी सुनिश्चित गर्न ।

३.५.२. उद्देश्य

यस नगरपालिकाको शिक्षा क्षेत्रको योजनामा शिक्षक व्यवस्थापन र विकासका देहाय बमोजिमका उद्देश्यहरू निर्धारण गरिएका छन् :

- ❖ शिक्षकको छनौट, नियुक्ति र पुनर्वितरणलाई सुदृढ बनाउन सहयोग गर्नु,
- ❖ शिक्षक विकास तथा निरन्तर पेशागत सहायता प्रणाली स्थापना गर्नु,
- ❖ सबै तहमा योग्य, दक्ष तथा क्षमतावान् शिक्षकहरूको प्रबन्ध गर्नु,
- ❖ नगरपालिका अन्तर्गत स्वयम् सेवकक शिक्षकको छनोट गर्नु,
- ❖ कक्षा कोठामा शिक्षकको नियमितताकोलागि निरन्तर अनुगमन र शिक्षकको पेशागत सहयोग प्रणालीको विकास गर्नु ।

३.५.३. रणनीतिहरू

मथि उल्लेखित उद्देश्य प्राप्तिकालागि यस शिक्षा योजनाले निम्न रणनीतिहरू तय गरेको छ :

- ❖ शिक्षक सक्षमता प्रारूपलाई अद्यावधिक गर्ने, यसलाई शिक्षक तयारी र छनोट प्रक्रियामा गरिनेछ ।
- ❖ वर्तमान शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमलाई पर्याप्त विषयवस्तुको ज्ञान र शिक्षण सिपमा केन्द्रित हुँदै पुनरावलोकन ल्याइने छ ।
- ❖ शिक्षक विद्यार्थी अनुपातको आधारमा तहगत क्षेत्रगत र विषयगत रूपमा शिक्षक दरबन्दी मिलान दरबन्दी पुनर्वितरण तथा थप ल्याइने छ ।
- ❖ प्रारम्भिक बालविकास पूर्व प्राथमिक शिक्षा र कक्षा १-३ कालागि कक्षा १२ उत्तीर्ण कक्षा ४-८ कालागि स्नातक तह उत्तीर्ण र कक्षा ९-१२ कालागि स्नातकोत्तर उत्तीर्ण गरेको शिक्षकको योग्यता अद्यावधिक गराइने छ ।
- ❖ रिक्त शिक्षक दरबन्दीको प्रक्षेपणका आधारमा एक वर्षअघि नै छनौट गरी प्रत्येक शैक्षिक सत्रको पहिलो महिनामा नै नियुक्ति गरिने र प्रकाशित प्रतिक्षा सूचीबाट अर्को वर्षको छनोट सम्म शिक्षक नियुक्त गर्ने प्रबन्ध गरिने छ ।

- ❖ प्रत्येक ५ वर्षमा शिक्षकको निरन्तर पेसागत विकासकालागि शिक्षण सिप विकास सम्बन्धी सेवाकालीन तालिमलाई अनिवार्य बनाइने छ ।
- ❖ स्थानीय शिक्षक पेसागत सहयोग प्रणाली मार्फत शिक्षकलाई निरन्तर पेसागत सहयोग उपलब्ध गराइने छ । यसकालागि स्थानीयतहमा विषयगत शिक्षक सञ्जाल तथा आवश्यकतानुसार अनुभवी शिक्षकबाट सहयोग तथा मेन्टरिङको पद्धति विकास ल्याइने छ ।
- ❖ शिक्षकको उपस्थिति, नियमितता र कार्यसम्पादनमा सुधार गरी नतिजाप्रति जवाफदेही हुने पद्धति विकासकालागि शिक्षक तथा प्रधानाध्यापकको वृत्ति विकासलाई विद्यार्थीको सिकाइ सुधारसँग सम्बन्धित बनाइने छ ।
- ❖ शिक्षकको सेवा सर्त, सुविधा, प्रोत्साहन, बढुवा लगायत वृत्तिविकासका प्रावधानहरूलाई पुनरावलोकन गरी समसामयिक बनाइने छ ।
- ❖ शिक्षक नियुक्ति, सरुवात, तालिम तथा पेसागत विकासमा र सहभागिता गराउँदा विद्यार्थीको सिकाइमा कुनै अवरोध नहुने पद्धति विकास ल्याइने छ ।

३.५.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

क) उपलब्धि

- ❖ यस योजना लागु भए पश्चात सक्षम, योग्य, उत्तरदायी र अभिप्रेरित शिक्षकको व्यवस्था भई विद्यार्थीको सिकाइ सुधार हुने ।

ख) नतिजा

- ❖ शिक्षक सक्षमताप्रारूपको पुनरावलोकन भई यसलाई राष्ट्रिय शिक्षक सक्षमता कार्यढाँचामा रूपान्तरण तथा सोका आधारमा शिक्षक तयारी छनौट र पेसागत विकास हुने,
- ❖ शिक्षक तयारीका कोर्सहरूमा पर्याप्त विषयगत तथा शिक्षण सिकाइ सम्बन्धी सक्षमता विकास हुने गरी पुनर्संरचना तथा सुधार हुने,
- ❖ विभिन्न तहका शिक्षकमा प्रवेशकालागि हालको न्यूनतम शैक्षिक योग्यतामा पुनरावलोकन तथा सुधार हुने,
- ❖ शिक्षण पेशा थप प्रतिस्पर्धी र सम्मानित हुने,
- ❖ पेसागत विकासका प्रावधानहरूको विस्तार र सुदृढीकरण भई नगरपालिकामा शिक्षक पेसागत सहयोग प्रणाली मार्फत निरन्तर पेसागत सहयोग प्राप्त गराउने,
- ❖ शिक्षकको उपस्थिति, शिक्षण विधि तथा तौरतरिका र कार्यसम्पादनमा सुधार हुने,
- ❖ शिक्षक विद्यार्थी अनुपातका आधारमा तहगत क्षेत्रगत र विषयगत रूपमा शिक्षक दरबन्दी मिलान पुनर्वितरण हुने र शिक्षकको आपूर्ति नियमित रूपमा हुने,
- ❖ शिक्षकको वृत्तिविकासकालागि पारदर्शी र पूर्वानुमानयोग्य र वस्तुनिष्ठ आधारसहितको पद्धति स्थापित हुने ।

ग) प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य निर्धारण

| क्र. सं | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | वर्ष | | | | | जम्मा | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|---------|---|----------|------|----|----|----|----|-------|------------------------|--|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | | | |
| १ | शिक्षक नियुक्ति र सरूवा | | | | | | | | | नियमित प्रक्रिया |
| २ | अस्थायी तथा विद्यालय स्रोतबाट नियुक्त शिक्षकहरूको व्यवस्थापनकालागि मापदण्ड तथा निर्देशिका तयारी | सङ्ख्या | १ | | | | | १ | १ | |
| ३ | अपाङ्गता भएका व्यक्ति, महिला, सीमान्तकृत वर्गका व्यक्तिहरूलाई शिक्षण पेसामा सहभागी गराउन क्षमता अभिवृद्धि | सङ्ख्या | | | | | | | | आवश्यकता अनुसार |
| ४ | नियमित शिक्षण सिकाइ सुनिश्चित गर्न मापदण्डको विकास गर्ने | सङ्ख्या | १ | | | | | १ | १ | मापदण्ड कानून नबनेको |
| ५ | कमजोर विद्यार्थीकालागि विशेष सहयोगी कक्षा सञ्चालन गर्ने | सङ्ख्या | | | | | | | | आवश्यकता अनुसार |
| ६ | उपचारात्मक शिक्षण पद्धति लागु गर्ने | विद्यालय | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | | |
| ७ | अपाङ्गता भएका बालबालिकाकालागि विशेष व्यवस्था | | | | | | | | | आवश्यकता अनुसार |
| ८ | पुस्तकालय र पुस्तक कुना | सङ्ख्या | ३ | ५ | ६ | ६ | ७ | २७ | २७ | |
| ९ | सूचना प्रविधि प्रयोगशाला | सङ्ख्या | २ | ३ | ४ | ३ | ६ | १८ | १८ | |
| १० | विज्ञान प्रयोगशाला | सङ्ख्या | २ | ३ | २ | ३ | २ | १२ | १२ | |
| ११ | प्राविधिक व्यावसायिक शिक्षा धार सञ्चालन भएका विद्यालयमा प्रयोगशालाको प्रबन्ध | सङ्ख्या | १ | | १ | | | २ | २ | |
| १२ | शिक्षण तथा सिकाइ सामग्री विकास | | | | | | | | | निरन्तर |
| १३ | ईन्टरनेट सेवाको व्यवस्था | पटक | | | | | | | | संघिय सांसद बाट, सबै सामुदायिक विद्यालयमा भएको |
| १४ | शिक्षण सिकाइमा सूचना तथा सञ्चार र प्रविधिको प्रयोग | विद्यालय | | | | | | | | सबैमा |
| १५ | निरन्तर विद्यार्थी मूल्याङ्कन | | | | | | | | | सबै विद्यालयमा |
| १६ | परीक्षाको नतिजा विश्लेषण | | | | | | | | | सबै |

| क्र. सं | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | वर्ष | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|---------|--|----------|--------|----|--------|----|----|-------|------------------------|-----------------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| १७ | शिक्षकले शिक्षण सिकाइ क्रियाकलापमा विताउने समय वृद्धि | | | | | | | | | सबै विद्यालय |
| १८ | विद्यालयमा आधारित सुपरिवेक्षण तथा सहयोगकालागि क्षमता विकास | | | | | | | | | निरन्तर |
| १९ | शिक्षक पेसागत सहयोग | | | | | | | | | सबै शिक्षकहरु |
| २० | असल अभ्यासको अवलोकन भ्रमण | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| २१ | सिकाइ आदान प्रदान, क्षमता विकास, प्रविधि हस्तान्तरण र ज्ञानको सञ्जालिकीकरण | | | | | | | | | |
| २२ | विज्ञ समूहको गठन | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| २३ | सहपाठी कक्षा अवलोकन | | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| २४ | छोटो अवधिको शिक्षक तालिम | वटा | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| २५ | विद्यालयतहमा शिक्षकको पेसागत विकास | | | | | | | | | निरन्तर |
| २६ | कार्यसम्पादन मूल्याङ्कन | विद्यालय | ४ ६ | ४६ | ४ ६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | |
| २७ | प्रधानाध्यापकको व्यवस्था | विद्यालय | ४ ६ | ४६ | ४ ६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | |
| २८ | शिक्षक दरबन्दी मिलान तथा पुनर्वितरण | पटक | | | | | | | | आवश्यकता अनुसार |

३.६. अनौपचारिक शिक्षा र जीवनपर्यन्त सिकाइ

औपचारिक शिक्षा प्रणालीको संरचना भन्दा बाहिर मानव जीवनकालागि आवश्यक ज्ञान, सिप र प्रक्रियाको प्रशोधन गर्ने जीवनपर्यन्त सिकाइ प्रणालीले अनौपचारिक शिक्षा प्रदान गर्न सक्नु पर्दछ । अनौपचारिक एवम् आजीवन शिक्षाले समाजमा विद्यमान विभिन्न किसिमका समूहकालागि लक्ष्य उन्मुख भई सेवा प्रदान गर्नुपर्दछ । निरक्षरकालागि साक्षरता, साक्षरकालागि साक्षरोत्तर, सिकाइ अवसरकालागि स्तरवृद्धि, शिक्षासँग सिप र आम्दानी जोड्दै शिक्षित समाजको विकासका अनौपचारिक शिक्षाको प्रमुख लक्ष्य हुनेछ । संविधानले सुनिश्चित गरेको शिक्षा पाउने हक, राष्ट्रिय शिक्षा नीतिले अवलम्बन गरेको सिद्धान्त, दिगो विकासका लक्ष्य-४ ले अपेक्षा गरेको प्रत्येक नागरिकले शिक्षा पाउने हकको कार्यान्वयन गर्न औपचारिक शिक्षासँगै अनौपचारिक शिक्षा प्रणालीले योगदान गर्दछ । देशको भूगोल, हालसम्मको शिक्षाको पहुँच र नागरिकको सिकाइ अवस्थाका आधारमा थप सिकाइ अवसरको निर्माण गरी आजीवन सिकाइ संस्कृतिको विकास गर्न अनौपचारिक एवम् आजीवन शिक्षालाई थप व्यवस्थित गर्न आवश्यक छ । यसकालागि अनौपचारिक तथा आजीवन सिकाइको पहुँचको विस्तार, गुणस्तरको अभिवृद्धि र संस्थागत क्षमताको विकास गर्नु पर्दछ ।

नगर शिक्षा योजनको यस खण्डमा नगरपालिकाको अनौपचारिक शिक्षा र आजीवन सिकाइको वर्तमान अवस्था र चुनौतीहरू पहिचान गरिएको छ । पहिचान गरिएका चुनौतीहरूको सामना गरी प्रारम्भिक अनौपचारिक शिक्षा र आजीवन सिकाइ कार्यक्रमको स्वरूप तयार गर्ने क्रममा यस योजना अवधिकालागि अनौपचारिक शिक्षा र आजीवन सिकाइ कार्यक्रमका उद्देश्य, रणनीतिहरू, कार्यक्रम कार्यान्वयनबाट प्राप्त हुने प्रमुख नतिजा र प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्यहरू यस खण्डमा समावेश गरिएको छ ।

३.६.१. वर्तमान अवस्था

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ ले अभिभावक शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा तथा वैकल्पिक शिक्षा, निरन्तर शिक्षा, सामुदायिक सिकाइ केन्द्र सम्बन्धि नीति, कानून, मापदण्ड, योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन, मुल्याङ्कन र नियमन गर्ने अधिकार स्थानीय तहलाई दिएको परिप्रेक्ष्यमा यस मध्यबिन्दु नगरपालिकाले समेत अनौपचारिक तथा जीवनपर्यन्त शिक्षाको योजना निर्माण तथा कार्यान्वयनमा समन्वय र सहजीकरण गर्ने जिम्मेवारी वहन गर्दै आएको छ । नगरपालिकामा अनौपचारिक शिक्षा र आजीवन सिकाइलाई आगामी १० वर्ष भित्र निरन्तर सिकाइमा संलग्न समाज एवम् सिकाइ संस्कृतिको प्रवर्धन गर्नेतर्फ लैजानु पर्ने देखिन्छ । नेपालको शिक्षा क्षेत्र योजना २०७७/७८ मा अनौपचारिक शिक्षा र आजीवन सिकाइको प्रावधानलाई विगत आधा शताब्दीमा मुलुकमा भए गरेका परीक्षणहरू, विभिन्न अन्तर्राष्ट्रिय अनुभवहरू तथा सबै सरोकारवालाहरूको सल्लाह र सुझावको आधारमा समय सापेक्ष सुधार गर्नुपर्ने देखिन्छ । नेपालको संविधानले सुनिश्चित गरेको शिक्षा प्राप्त गर्न हक, राष्ट्रिय शिक्षानीति २०७६ ले अवलम्बन गरेको सिद्धान्त, दिगो विकासका लक्ष्य -४ तथा पन्ध्रौं आवधिक योजनाले अपेक्षा गरेको प्रत्येक नागरिकले शिक्षा पाउनेहकको कार्यान्वयन गर्न औपचारिक शिक्षासँगै अनौपचारिक शिक्षा प्रणालीलाई अगाडि बढाउनु पर्ने अवस्था छ । राष्ट्रिय शिक्षा नीति २०७६ ले नेपाललाई पूर्ण साक्षर मुलक तुल्याई अनौपचारिक, वैकल्पिक, परम्परागत र खुला शिक्षाका माध्यमबाट आजीवन सिकाइ संस्कृतिको विकास गर्नु, सबै प्रकारका अपाङ्गता भएका व्यक्तिकालागि गुणस्तरीय शिक्षाको पहुँच सुनिश्चित गरी जीवन पर्यन्त शिक्षाको माध्यमबाट जीवनयापन गर्न सक्षम र प्रतिस्पर्धी नागरिक तयार पर्ने उद्देश्य निर्धारण गरेको छ । त्यसैले देशको भूगोल र हाल सम्मको शिक्षाको पहुँच सँगसँगै नागरिकको सिकाइको अवस्थालाई मध्यनजर गर्दै नगरपालिकाले शिक्षा सम्बन्धि वैकल्पिक सिकाइका माध्यम अवलम्बन गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

मध्यबिन्दु नगरपालिकामा बसोबास गर्ने सबै नागरिकलाई कार्यमुलक रुपमा साक्षर बनाउनु, साक्षरतालाई उत्पादनसँग जोड्नु, अनौपचारिक माध्यमबाट साक्षरता सीप प्राप्त गरेका व्यक्तिलाई औपचारिक शिक्षामा निरन्तरता दिनु र औपचारिक शिक्षाबाट वञ्चित रहेकाहरूकालागि सर्वसुलभ र भरपर्दो खुल्ला तथा वैकल्पिक शिक्षामा पहुँच र निरन्तरता दिनु जस्ता देहायबमोजिमका चुनौतीहरू पहिचान गरिएको छ :

- ❖ अनौपचारिक शिक्षा तथा आजीवन सिकाइको सहज र सर्वसुलभ पहुँच सुनिश्चित गर्न,
- ❖ अनौपचारिक, खुला तथा वैकल्पिक सिकाइको अवसरलाई एकीकृत सिकाइ प्रणालीका रूपमा संस्थागत विकास गराउन,
- ❖ साक्षरता, निरन्तर सिकाइ, आयमूलक सिप सँगै समय सापेक्ष सूचना प्रविधियुक्त कार्यमूलक सिकाइ लगायत आजीवन शिक्षा तथा सक्षमताको व्यवस्थापन गर्न,
- ❖ परम्परागत शिक्षाको संरक्षण, प्रवर्धन, व्यवस्थापन, नियमन र प्रमाणीकरणकालागि स्पष्ट नीति, मापदण्ड निर्धारणगरी संस्थागत सुदृढीकरण गर्न,
- ❖ मौलिक तथा पुस्तौनी ज्ञानसिपको पहिचान, संरक्षण प्रवर्धन एवम् स्तरीय ढाँचामा रुपान्तरण गर्न,

- ❖ समग्र कार्यक्रमलाई समावेशी एवम् समतामा आधारित आजीवन सिकाइ थलोको रूपमा विकास गर्न भौतिक, वित्तीय मानव स्रोत र प्रविधिको पक्षमा सुदृढ गर्न,
- ❖ गुणस्तरीय जीवनकालागि आजीवन सिकाइ संस्कृति सापेक्ष अनौपचारिक शिक्षा तथा आजीवन सिकाइको अवधारणागत स्पष्टता गर्न,
- ❖ सामुदायिक सिकाइ केन्द्रलाई समय सापेक्ष सिकाइ आवश्यकता सम्बोधन गर्न सक्ने बनाउन,
- ❖ अनौपचारिक तथा निरन्तर शिक्षा, खुला तथा वैकल्पिक शिक्षाकालागि मापदण्ड अनुकूल पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक तथा थप सिकाइ सामाग्रीहरू विकास गर्न,
- ❖ आवश्यकतामा आधारित आजीवन सिकाइसँग सम्बन्धित मोडुलर सिकाइ सामाग्री विकास र कार्यान्वयन गर्न,
- ❖ संस्थागत क्षमता विकासकालागि पर्याप्त स्रोतको व्यवस्था गर्न ।

३.६.२. उद्देश्य

यस योजनाको अनौपचारिक शिक्षा तथा आजीवन सिकाइ कार्यक्रमको समग्र उद्देश्य सबै नागरिककालागि साक्षरता, निरन्तर शिक्षा र जीवनपर्यन्त सिकाइको अवसर सुनिश्चित गर्नकालागि यस योजनामा अनौपचारिक शिक्षा तथा आजीवन सिकाइ सम्बन्धी निम्नलिखित उद्देश्यहरू राखिएको छ :

- ❖ नगरपालिकालाई पूर्ण साक्षर नगरपालिकाको रूपमा विकास गर्नु,
- ❖ सबै नागरिककालागि समावेशी तथा समतामूलक साक्षरता र आजीवन सिकाइका अवसर सुनिश्चित गर्नु,
- ❖ औपचारिक, अनौपचारिक र अतिरिक्त शिक्षाका विच अन्तरसम्बन्ध स्थापित गरी योग्यताको समकक्षता, गतिशीलता र पारगम्यता सुनिश्चित गर्दै राष्ट्रिय योग्यता प्रारूपमा आधारित शिक्षा प्रणालीको विकास गर्नु,
- ❖ आजीवन सिकाइ संस्कृति सापेक्ष अनौपचारिक शिक्षा तथा आजीवन सिकाइकालागि एकीकृत प्रणालीमा आधारित संस्थागत सुदृढीकरण गर्नु ।

३.६.३. रणनीतिहरू

योजनाका उद्देश्यहरू हासिल गर्न निम्नलिखित रणनीतिहरू अवलम्बनमा ल्याइने छ :

- ❖ साक्षर मध्यबिन्दु अभियान पुरा गर्न अन्तर सरकार र मन्त्रालय र निकायविच समन्वय र सहकार्य अभिवृद्धि गर्दै मध्यबिन्दु नगरपालिकाको संयोजनमा सामुदायिक सिकाइ केन्द्र, विद्यालय, विकास साभेदार, नागरिक समाज, सञ्चार माध्यम, अभिभावक र अन्य साभेदारहरू परिचालन गर्ने ,
- ❖ साक्षरता सिकाइमा रेडियो, टेलिभिजन, मोबाइल, अनलाइनजस्ता सञ्चार प्रविधि, सामुदायिक पुस्तकालय तथा सहभागी मैत्री सामाग्री तथा विधि समेतका आधारमा पहुँचको अभिवृद्धि गर्ने ,
- ❖ मौलिक एवम् परम्परागत ज्ञान तथा सिपको पहिचान, संरक्षण, प्रवर्धन, आधुनिकीकरण एवम् हस्तान्तरणसम्बन्धी कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने ,
- ❖ नगरपालिकाको संयोजनमा सामुदायिक सिकाइ केन्द्र, विद्यालय, विकास साभेदार, नागरिक समाज, सञ्चार माध्यम, अभिभावक, अन्य साभेदारहरू परिचालन गरी साक्षरता तथा साक्षरोत्तर कक्षाहरू सञ्चालन गर्ने ,
- ❖ तहगत पाठ्यक्रम, सिकाइ मोडुलहरू र भाषिक विविधता अनुरूपका डिजिटल सिकाइ सामाग्री विकास, सिकाइ परीक्षण र प्रमाणीकरणकालागि आवश्यक प्रबन्ध गर्ने ,

- ❖ सिकारुका आवश्यकता अनुसार तहगत पाठ्यक्रम, सिकाइ मोडलहरू र भाषिक विविधता अनुरूपका डिजिटल सिकाइ सामाग्री विकास गर्ने ,
- ❖ सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय सरकार लगायत साभेदार निकायबिच समन्वय, सहजीकरण तथा राष्ट्रिय योग्यता प्रारूप कार्यान्वयन गर्न एकीकृत प्रणालीको विकास गरी संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गर्ने ,
- ❖ अनौपचारिक एवम् आजीवन सिकाइकालागि सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय सरकारबिच स्रोत साभेदारी प्रारूप विकास गर्ने ,
- ❖ नगरपालिकाले सामुदायिक सिकाइ केन्द्रलाई आधारभूत सुविधा सम्पन्न विद्युतीय पुस्तकालय, सामुदायिक सूचना केन्द्रलाई सुदृढीकरण गरी समावेशी एवम् समतामा आधारित आजीवन सिकाइ थलोको रूपमा विकास गर्ने ।

३.६.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

क) उपलब्धि

- ❖ सबै नागरिककालागि साक्षरता, निरन्तर शिक्षा र जीवनपर्यन्त सिकाइको अवसर प्राप्त हुने,

ख) नतिजाहरू

- ❖ साक्षर मध्यबिन्दु घोषणा हुने र नव-साक्षरहरूकालागि आवश्यकतामा आधारित निरन्तर शिक्षाका कार्यक्रमको प्रबन्ध हुनेछ ।
- ❖ आजीवन सिकाइकालागि परिभाषित ढाँचा र स्तरीकरणका आधारमा सिकाइ अवसरहरूको सृजना हुनेछ ।
- ❖ सिकारुको आवश्यकता अनुसार आजीवनका सिकाइका नमुना मोड्युलर सिकाइ सामाग्रीहरू विकास र कार्यान्वयन हुनेछ ।
- ❖ सामुदायिक सिकाइ केन्द्रको संस्थागत संयन्त्र एवम् सञ्चालन मापदण्ड तयार भई एकीकृत सेवा प्रवाह गर्ने आजीवन सिकाइको केन्द्रको रूपमा विकास हुनेछ ।
- ❖ अनौपचारिक शिक्षा तथा आजीवन सिकाइको व्यवस्थापनकालागि आवश्यक संरचनागत व्यवस्था तयार भई कार्य सञ्चालन हुनेछ ।
- ❖ अनौपचारिक शिक्षा तथा आजीवन सिकाइबाट अर्जित ज्ञान तथा सिपको पहिचान एवम् प्रमाणीकरण गर्न नीति र नियमावली र कार्यविधि तयार भई गरी राष्ट्रिय योग्यता प्रारूप अनुरूप समकक्षता प्रदान हुनेछ ।
- ❖ अनौपचारिक शिक्षा तथा आजीवन सिकाइ सम्बन्धी खण्डीकृत डाटा बेस तयार हुनेछ ।
- ❖ अनौपचारिक शिक्षा तथा आजीवन सिकाइकालागि लागत साभेदारिताको प्रारूप तयार हुनेछ ।

ग) प्रमुख क्रियाकलाप र लक्ष्य निर्धारण

| क्र. सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|----------|---|------|-----------------------|---|---|---|---|-------|------------------------|--------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| १ | निरक्षरहरूको तथ्याङ्क सङ्कलन तथा खण्डीकृत डाटाबेस तयारी | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | १ | | |

| क्र. सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|----------|--|-----------------|-----------------------|---|---|---|---|-------|------------------------|--|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| २ | साक्षरता तथा साक्षरोत्तर शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन | कक्षा | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | | २ वटा सामुदायिक सिकाइ केन्द्र मार्फत सञ्चालित |
| ३ | सामुदायिक सिकाइ केन्द्र सञ्चालन | वटा | १ | १ | १ | १ | १ | १ | | |
| ४ | सामुदायिक सिकाइ केन्द्रलाई सामुदायिक पुस्तकालयका रूपमा सञ्चालन | वटा | १ | १ | १ | १ | १ | १ | | |
| ५ | सामुदायिक सिकाइ केन्द्रको सुदृढीकरण | | १ | १ | १ | १ | १ | १ | | निरन्तर |
| ६ | सरकारी तथा गैरसरकारी निकायसँग साभेदारी र सहकार्य | | | | | | | | | निरन्तर |
| ७ | मौलिक तथा परम्परागत ज्ञानमा आधारित सामाग्री विकास | आवश्यकता अनुसार | | | | | | | | फोहोरमैला व्यवस्थापन कार्यक्रममा बाँसको सामाग्री निर्माण सम्बन्धमा |
| ८ | सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोग | | | | | | | | | आवश्यकता अनुसार |
| ९ | सिकाइ सामाग्री र सिकाइको प्रमाणीकरण | विद्यालय | २ | २ | २ | २ | २ | २ | | १ कक्षा (१-५) सञ्चालित अनौपचारिक पौठ विद्यालयमा र १ SEE दिने खुल्ला मा.वि. |
| १० | संस्थागत प्रबन्ध | | १ | १ | १ | १ | १ | १ | | |
| ११ | अनौपचारिक प्रौढ विद्यालय, खुला विद्यालय | निरन्तर | २ | २ | २ | २ | २ | २ | | अनौपचारिक प्रौढ विद्यालयमा १, खुला विद्यालयमा |
| १२ | साक्षर स्थानीय तह घोषणा | | | | | | १ | १ | | |

३.७. प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा

नगरपालिकाले शिक्षित र बेरोजगार जनशक्ति उत्पादन कमी ल्याउनका साथै दक्ष जनशक्तिलाई राष्ट्र निर्माणमा प्रयोग गर्न प्राविधिक शिक्षामा जोड दिन आवश्यक छ । शिक्षाले विकासलाई निकास दिन सक्नुपर्छ र यस्तो

परिकल्पना प्राविधिक शिक्षाबाट मात्र सम्भव छ । शिक्षा प्रणालीलाई संरचना रुपमा बदल्न र शिक्षाबाट जीवनयापनमा सहयोग पुऱ्याउन प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाको महत्वलाई आत्मसाथ गर्दै शिक्षासँग सम्बन्धित निकायहरुले योजना र योजनाको प्रभावकारी तवरले कार्यान्वयन गर्नुपर्ने देखिन्छ । यस नगरपालिकालाई समृद्ध नगरपालिका बनाउन नगरपालिकामा उपलब्ध स्रोत साधनलाई अधिकतम उपयोग गर्न सक्ने जनशक्ति उत्पादन गर्न अपरिहार्य छ । प्राविधिक तथा व्यावसायिक सीप विकास गरी प्राविधिक क्षेत्रमा सुनिश्चित हुने जनशक्ति उत्पादन हुन सकेमा नगरपालिका समृद्ध बन्ने छ ।

शिक्षालाई सीप, सीपलाई रोजगार र रोजगारलाई उत्पादन र उत्पादनलाई बजारसँग जोड्न सक्ने शिक्षा प्रणालीको विकास र विस्तार गर्दै राज्यलाई शैक्षिक बेरोजगार भीड थेग्न सक्ने जनशक्ति प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाबाट सम्भव रहेको छ । प्राविधिक तथा व्यावसायिक तालिम परिषदले प्राविधिक तथा व्यावसायिक धारका विद्यालयहरू सञ्चालन गरिरहेकाले नगरपालिकाले समन्वयकारी भूमिका खेल्न आवश्यक छ । नेपाल सरकारको एक स्थानीय तह एक प्राविधिक विद्यालय नीति समेत ल्याएको अवस्थामा नगरपालिकाको काम, कर्तव्य र अधिकारको परिचालन अर्थपरक रहन्छ ।

३.७.१. वर्तमान अवस्था

नगरपालिकामा प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षामा सबैको पहुँच पुऱ्याउने उद्देश्यका साथ आफ्ना आङ्गिक शिक्षालय, सामुदायिक विद्यालयमा एनेक्स कार्यक्रम मार्फत ज्ञान, सिप र छोटो तथा मध्यम खालका तालिम प्रदान गरेर आय आर्जन गर्ने माध्यमको रुपमा प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा रहेको छ । मध्यबिन्दु नगरपालिकाको हकमा हाल सम्म ३ वटा सामुदायिक विद्यालयमा मात्र प्राविधिक तथा सिपमूलक शिक्षा सञ्चालन भईरहेका छन् । यस क्षेत्रका वासिन्दाहरुको प्राविधिक शिक्षाको ज्ञान हासिल गरी आत्मनिर्भर, स्वरोजगार भई आर्थिक विपन्नतालाई हटाउन मद्दत केहि हदसम्म सहयोग पुऱ्याएको देखिन्छ । यस धारको शिक्षा स्थानीय स्तरमा स्रोत साधनमा आधारित व्यावसायिक सीप र उच्चमशीलतामा आधारित आयआर्जनमा संलग्न भई आत्मनिर्भरका साथै मानवलाई स्वावलम्बन बनाउने हुनुपर्दछ । प्राविधिक तथा व्यावसायिक विद्यालयको विकासकालागि आम सरोकारवाला स्थानीय सरकार, र सङ्घीय सरकार समेतको उच्च अपनत्व विकास हुन जरुरी छ । गण्डकी प्रदेश अन्तर्गत मध्यबिन्दु नगरपालिकाको भौगोलिक बनावट विशेषता, मानव बस्तीको अवस्था, हावापानी उपलब्ध प्राकृतिक स्रोत साधन सबैको सूक्ष्म विश्लेषण गर्दा यस क्षेत्रमा कृषि प्राविधिक विद्यालय, कम्प्युटर, सिभिल इन्जीनियरिङ्ग उपयुक्त रहेको र उक्त प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाको माध्यमबाट यस क्षेत्रका गरिब विपन्न पिछडिएको वर्ग र सीमान्तकृत समुदायको उक्त शिक्षाको पहुँचमा विस्तार गर्नु, शिक्षालाई सीप, सीपलाई रोजगारी, रोजगारीलाई उत्पादन र उत्पादनलाई बजार प्रणालीसम्म आबद्ध गर्ने दीर्घकालीन नीतिको आवश्यक छ । मध्यबिन्दु नगरपालिकाभित्र उपलब्ध प्राकृतिक स्रोत साधनहरू उर्वरायुक्त जमिन, जैविक विविधता, पर्यटकीय क्षेत्रहरूका आधारमा यस क्षेत्रको प्राविधिक शिक्षासँग उचित मेल खाने मध्यबिन्दु नगरपालिका जिल्लाकै यातायात, विद्युत, सुगमताको हिसाबले केन्द्रविन्दुमा रहेकाले अन्य क्षेत्रहरूबाट समेत अध्ययनकालागि सहज गन्तव्य बन्न सक्नु, शैक्षिक विकासका हिसाबले गुणस्तरीय शिक्षा र प्राविधिक शिक्षाका हिसाबले शैक्षिक हक्का रुपमा विकास गर्ने सम्भावना हुनु, कृषि, पशु र फलफूल उत्पादनको हिसाबले नवलपुर जिल्लाकै सम्भावना बोकेको ठाउँको रुपमा रहनु, प्राविधिक शिक्षामार्फत विद्यालय तहवाटै सिकाइसँगै कमाई गर्ने कार्यक्रम सीपमूलक र उच्चमशीलतामा आधारित व्यावसायिक र रोजगारमूलक प्रकृतिका बहुप्राविधिक विषय र कार्यक्रमलाई व्यवस्थित बनाउन सकिने आधार हुनु, प्राविधिक क्याम्पस समेतको स्थापना गर्न सकिने

सम्भावना रहेको छ । नगरपालिकाको परम्परागत प्राविधिक शिक्षाको सट्टा वैज्ञानिक र स्रोत साधनमा आधारित व्यावसायिक तथा प्राविधिक शिक्षाका जस्ता देहायबमोजिमका चुनौतीहरू पहिचान गरिएको छ :

- ❖ व्यावसायिक तथा प्राविधिक शिक्षाको प्रणालीगत विकास, विस्तार, उच्चमशीलताको विकास गर्न,
- ❖ व्यावसायिक शिक्षाको भौतिक पूर्वाधार लगायतका कार्यक्रमकोलागि जनशक्तिको व्यवस्थापन गर्न,
- ❖ प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाको अध्ययन अनुसन्धान गर्न,
- ❖ प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाकोलागि आवश्यक बजेटको व्यवस्था गर्न,
- ❖ प्राविधिक शिक्षाको नाममा सञ्चालनमा रहेका परम्परागत प्राविधिक शिक्षाको सट्टा वैज्ञानिक र स्रोत साधनमा आधारित उच्चम र व्यवसायी उत्पादन गरी आर्थिक उपार्जन सहित शैक्षिक समृद्धि हासिल गराउन,
- ❖ प्राविधिक शिक्षाको योजना र नीति कार्यान्वयन गर्न ।

३.७.२. उद्देश्य

यस योजनाले प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा सम्बन्धी निम्नलिखित उद्देश्यहरू राखिएको छ :

- ❖ प्राविधिक, व्यावसायिक र सीपमूलक शिक्षा मार्फत, शैक्षिक बेरोजगारी न्यूनीकरण गर्नु,
- ❖ मध्यबिन्दु नगरपालिका लगायत क्षेत्रमा प्राविधिक र व्यावसायिक शिक्षा मार्फत सीपयुक्त, स्वरोजगार र आत्मनिर्भर जनशक्ति उत्पादन गर्नु,
- ❖ यस क्षेत्रभित्र उपलब्ध स्रोत साधनमा आधारित रोजगार, व्यवसाय, उद्योगमार्फत आर्थिक विकास र समृद्धिमा योगदान गर्न ऐनको निमार्ण गर्नु,

३.७.३. रणनीतिहरू

मध्यबिन्दु नगरपालिकाले प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा विकासकालागि उद्देश्यहरू हासिल गर्न निम्नलिखित रणनीतिहरू अवलम्बनमा ल्याइने छ :

- ❖ प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाकालागि सरोकारवालाहरूको सहभागिता र नगरपालिकाको अपनत्व र लगानीमा बृद्धि गर्ने,
- ❖ कृषि क्षेत्र, उद्योग, बजारको आवश्यकताको आधारमा योग्यता र क्षमताअनुसार सान्दर्भिक, उपयोगी, गुणस्तर, प्राविधिक जनशक्ति विकास गर्न इच्छुक सबैलाई अवसर प्रदान गर्ने,
- ❖ शिक्षामा पिछडिएको वर्ग क्षेत्र र समुदायलाई समेट्न विशेष सहूलियत दिने नीति अवलम्बन गर्ने,
- ❖ बालबालिकाहरूलाई प्राविधिक शिक्षामा पहुँच विस्तार गर्न आवासीय सुविधा दिने कार्यकालागि छात्रावास व्यवस्थापन गर्ने,
- ❖ प्राविधिक विद्यालय, स्थानीय सरकार र समुदायबीच खेती प्रणालीको सम्भाव्यता र अनुसन्धान कार्यकालागि समबन्धात्मक कार्यक्रम तय गरी अगाडि बढाउने,
- ❖ प्राविधिक विद्यालयमा अध्ययन गर्न इच्छुक लक्षित वर्गका बालबालिकाहरूलाई वडा कार्यालय मार्फत स्तर पहिचान गरी आर्थिक सुविधा सहित अध्ययनकालागि सिफारिस गर्ने,
- ❖ प्राविधिकधारमा अध्ययनरत विद्यार्थीहरूकालागि र शैक्षिक सहूलियतकालागि छात्रवृत्ति लगायत अनुदान उपलब्ध गराउने,
- ❖ प्राविधि शिक्षाको विकासकोलागि उक्तधारमा कार्यरत शिक्षकहरूको क्षमता अभिवृद्धि र प्रविधि सम्बन्धी तालिम सञ्चालन गर्नुका साथै आइसिटी ल्याबको स्थापना गर्ने,
- ❖ यस नगरपालिकाबाट प्राविधिक शिक्षामा दक्ष जनशक्तिलाई नगरपालिकाले उपयोग गर्ने ।

३.७.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

क) उपलब्धि

- ❖ उपलब्धि प्राकृतिक स्रोत र साधनहरूको प्रयोग र परिचालन गर्दै, आर्थिक उपार्जन र समृद्धिमा योगदान गर्न सक्ने निम्न र मध्यम स्तरको प्राविधिक, व्यावसायिक र उच्चमी जनशक्ति उत्पादन हुने,

ख) नतिजा

- ❖ मध्यबिन्दु नगरपालिकामा स्थापित प्राविधिक तथा व्यावसायिक धार तर्फको उत्कृष्ट विद्यालय भएको हुनेछ र अध्ययनरत विद्यार्थीहरू स्वरोजगार मूलक, स्वउत्प्रेरित, व्यावसायिक, उद्योगी र रोजगार प्राप्त भएको हुनेछ ।
- ❖ प्राविधिक तथा व्यावसायिक विद्यालयबाट शिक्षाप्राप्त गरेका विद्यार्थीहरू मध्यबिन्दु नगरपालिका लगायत यस क्षेत्रको स्थानीय स्रोत साधन उपयोग गरी समृद्ध नगरपालिका निर्माणमा योगदान दिन सक्ने जनशक्ति हुनेछन ।
- ❖ प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षामा पिछडिएको वर्ग, क्षेत्र र समुदायका सहभागिता अभिवृद्धि हुनेछ ।
- ❖ प्राविधिक शिक्षा प्रति सरोकारवाला, स्थानीय सरकार, प्रदेश र सङ्घीय सरकारको अपनत्व वृद्धि भई थप लगानी मैत्री वातावरण निर्माण हुनेछ ।

ग) प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

| क्र. सं. | प्रमुख क्रियाकलाप | एकाइ | भौतिक वर्ष (५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|----------|--|----------|----------------------|---|----|----|----|-------|------------------------|------------------------------------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| १ | व्यावसायिक धारको विद्यालय थप गर्ने | विद्यालय | १ | | १ | | | २ | २ | |
| २ | छात्रवृत्तिको व्यवस्था | सङ्ख्या | ५ | ५ | १० | १० | १० | ४० | | होस्टल व्यवस्थापन थप गरिने |
| ३ | भवनको व्यवस्था (छात्रावास सहित) | सङ्ख्या | | | | | | | | आवश्यकता अनुसार |
| ४ | विद्यालय कर्मचारीको व्यवस्थापन | सङ्ख्या | | | | | | | | सङ्घीय र प्रदेश सरकारसँग माग गरिने |
| ५ | शिक्षक कर्मचारीलाई आइसिटी तालिम तथा ल्यापटपको व्यवस्था | सङ्ख्या | २ | २ | २ | २ | २ | १० | | प्रत्येक वर्ष १ पटक तालिम |
| ६ | प्रयोगात्मक अभ्यासका लागि फिल्डको व्यवस्था | विद्यालय | | १ | | | १ | २ | | |
| ७ | प्रयोगशालामा सामानको व्यवस्था | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | | सबै विद्यालयहरूका लागि |
| ८ | विद्यालयको कार्यसम्पादन परीक्षण | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | | सबै विद्यालयहरूका लागि |
| ९ | विद्यार्थी सिकाई उपलब्धी लेखाजोखा | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | | सबै विद्यालयहरूका लागि |
| १० | ओजेटीकोलागि व्यवस्थापन र अन्य संस्थासँग समन्वय | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | | |

परिच्छेद ४ - अन्तरसम्बन्धित विषय तथा क्षेत्रहरू

अन्तरसम्बन्धित विषय तथा क्षेत्रहरूमा शैक्षिक समता र समावेशीकरण, दिवा खाजासहित स्वास्थ्य तथा पोषण कार्यक्रम, आपलकालीन तथा सङ्कटकालीन अवस्थामा शिक्षा, विद्यालय भौतिक पूर्वाधार विकास र विद्यालयमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिसँग सम्बन्धित वर्तमान अवस्थाको विश्लेषणका आधारमा चुनौतीहरू पहिचान गरी त्यस योजनाकालागि उद्देश्य, रणनीतिहरू तथा प्रमुख नतिजा, क्रियाकलाप तथा लक्ष्यहरू सहितको योजनाको खाका प्रस्तुत गरिएको छ । यस परिच्छेदले अन्तरसम्बन्धित विषय तथा क्षेत्रहरूलाई व्यवस्थित गर्दै विभिन्न उपक्षेत्रका उपलब्धिहरूलाई आंकलन गर्न सहयोग पुग्नेछ । यसमा उल्लिखित प्रत्येक विषयको अवधारणा तथा विद्यालय शिक्षाको आवश्यकता, विद्यमान अवस्थाको विश्लेषण गरी चुनौतीहरूमा विशेष जोड दिइएको छ ।

४.१. शैक्षिक समता र समावेशीकरण

नेपाली समाजमा रहेका विविधताहरूलाई सम्मान गर्दै बालबालिकाका विशेष क्षमतालाई प्रवर्धन, पहुँचमा विस्तार, सहभागिताको सुनिश्चितता, पहिचानमा विस्तार, समताको दरमा अभिवृद्धिका साथै प्रत्येक बालबालिकाले आफूलाई स्वीकारिएको र महत्त्व दिएको महसुस गर्न सक्नुपर्दछ यस्ता मान्यताका आधारमा दलित तथा सीमान्तकृत र अल्पसङ्ख्यक तथा सांस्कृतिक समुदायहरूले ऐतिहासिक रूपमा सामाजिक, आर्थिक तथा शैक्षिक, लैङ्गिक, अपाङ्गता र व्यक्तिगत तवरले शैक्षिक पहुँच, अर्थपूर्ण सहभागिता र विशेषत बालबालिकाहरूमा शिक्षाको पहुँचमा शैक्षिक समता र समावेशीकरण सम्बन्धित चुनौतीहरूको पहिचान यहाँ गरिएको छ ।

विविधताको सम्मान र समता तथा समावेशिता अभिवृद्धि गरी शिक्षामा सबैको सहज पहुँच, सहभागिता तथा सिकाइकालागि मध्यविन्दु नगरपालिकाको शिक्षा पद्धतिमा हाल सम्मका कार्य तथा प्रगतिको सक्षिप्त समीक्षा गरी त्यसमा देखिएका अन्तरहरूका आधारमा चुनौतीहरू पहिचान गरिएको छ । यस्ता अन्तर तथा चुनौतीहरू न्यूनीकरण गर्दै विविधता अनुकूल हुनेगरी शिक्षामा सबैको सहज पहुँच, सहभागिता तथा सिकाइकालागि समता तथा समावेशिता अभिवृद्धि गर्नकालागि यस योजनामा अपनाइने रणनीति तथा क्रियाकलापहरू समेत उल्लेख गरिएको छ । समता तथा समावेशिता सम्बन्धी केही रणनीति तथा क्रियाकलापहरू प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा, आधारभूत शिक्षा र माध्यमिक शिक्षालगायत अन्य सम्बन्धित विषयगत खण्डमा पनि समावेश गरिएको भएपनि उल्लिखित उपक्षेत्रसँग अन्तर सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण विषयका रूपमा यसलाई यस परिच्छेदमा अलगगै प्रस्तुत गरी योजनाको समग्र खाका समावेश गरिएको छ ।

४.१.१. वर्तमान अवस्था

मध्यविन्दु नगरपालिकामा समुदायमा आधारित ४५ वटा विद्यालयहरू सञ्चालनमा रहेका छन् । विद्यालयहरूमा विभिन्न जातजाति, धर्म, आर्थिक अवस्थाका विद्यार्थीहरू अध्ययन गर्दै आएका छन् । कतिपय विद्यालयहरूमा शारिरीक अपाङ्गता भएका बालबालिकाहरू समेत रहेका छन् । शैक्षिक सत्र २०७८/०७९ मा विपन्न लक्षित छात्रवृत्ति ६ जना विद्यार्थीहरूलाई नगरपालिकाको तर्फबाट रु.१,३८,००० रकम निकासी गरिएको थियो । यसै शैक्षिक वर्षमा शैक्षिक समता र समावेशीकरणमा मुद्दाहरूलाई सम्बोधन गर्नकालागि पाठ्यपुस्तक र छात्रवृत्ति निकासी शीर्षकमा नगरपालिका सम्पूर्ण सामुदायिक विद्यालयमा रु.६७७१२२७ रकम प्रदान गरिएको थियो । खासगरी आधारभूत तहका कक्षा १-८ मा अध्ययन गर्ने सबै छात्राहरू र दलित बालबालिकाहरूलाई कुनै न कुनै

रुपमा सहयोग गरिंदै आएको छ । त्यसैगरी विद्यार्थी मूल्याङ्कनका क्रममा समेत अपाङ्गता भएका बालबालिकाहरूलाई थप समयको व्यवस्थासमेत गरिने प्रावधान छ ।

दिवाखाजा, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक छात्रा तथा सीमान्तकृत बालबालिकाहरूलाई लक्षित गरी आवासीय तथा गैरआवासीय छात्रवृत्ति, विद्यालय तहमा लैङ्गिक समताकालागि महिला शिक्षकको व्यवस्था, पाठ्यक्रममा लैङ्गिक संवेदनशीलता कायम, समावेशीकरण र समता सम्बन्धी विषयवस्तुलाई शिक्षक तालिममा समावेश लगायतका कार्यक्रमहरू कार्यान्वयन गरिएतापनि अझै थप विद्यालय शिक्षामा समता र समावेशिता कायम गर्न अपेक्षा राखिएको छ । आधारभूत विद्यालय उमेर समूह धेरै बालबालिकाहरू विद्यालय बाहिर रहेका छन् भने बिचैमा विद्यालय छाड्ने दर उल्लेख्य रही तहगत टिकाउ दरमा सुधार आवश्यक देखिन्छ । त्यसैगरी विभिन्न तहको विद्यालय पुरा गर्ने मध्ये करिब दुई तिहाइ विद्यार्थीको शैक्षिक उपलब्धि सन्तोष जनक छैन । विद्यालय बाहिर रहेका बिचैमा विद्यालय छाडी तह पुरा नगर्ने, अपेक्षित शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त गर्न नसकेकाहरूलाई सम्बोधन गरी समता तथा समावेशिता अभिवृद्धि गर्न आवश्यक देखिएको छ । उल्लिखित विश्लेषणको आधारमा देहायबमोजिमका चुनौतीहरू पहिचान गरिएको छ :

- ❖ महिला, दलित, जनजाति लोपोन्मुख, यौनिक तथा लैंगिक अल्पसंख्यक समुदाय कठिन भौगोलिक अवस्थामा रहेका जोखिममा परेका आर्थिक रूपले विपन्न द्वन्द्व प्रभावित तथा सामाजिक तथा आर्थिक कारणले वञ्चितमा परेका व्यक्तिहरूको शिक्षामा पहुँच पुऱ्याउन,
- ❖ लक्षित समूहका बालबालिकाहरूको सिकाइमा सहभागिता वृद्धि गरी गुणस्तर सुनिश्चित गर्न,
- ❖ विद्यालयमा कुनै पनि प्रकारको विभेद, दुर्व्यवहार, हेपाई नहुने सुनिश्चितता गर्न,
- ❖ सबै किसिमका अपाङ्गता भएकाहरूकालागि शिक्षामा पहुँच सुनिश्चित गर्न,
- ❖ पाठ्यक्रम, पाठ्यसामाग्री, शिक्षण सिकाइ प्रक्रिया लगायत समस्त शैक्षिक प्रणालीमा विविधता, समता तथा समावेशिता अभिवृद्धि गरी विद्यालयलाई बालमैत्री बनाउन,
- ❖ विविधता, समता एवम समावेशी शिक्षाका मूल्य - मान्यता अनुकूल गुणस्तरीय सेवा प्रवाह गर्न,
- ❖ जनशक्तिहरूको पेसागत दक्षता र सक्षमता सुनिश्चित गर्दै शैक्षिक सुशासन कायम गर्न र विद्यमान संरचनाहरूलाई जवाफदेही बनाउन ।

४.१.२. उद्देश्यहरू

यस शिक्षा योजनाले शैक्षिक समता र समावेशीकरण सम्बन्धी निम्नलिखित उद्देश्य राखेको छ :

- ❖ सिमान्तकृत तथा लोपोन्मुख समुदाय यौनिक तथा लैंगिक अल्पसंख्यक कठिन भौगोलिक अवस्थामा रहेका जोखिममा परेका आर्थिक रूपले विपन्न द्वन्द्व प्रभावित तथा सामाजिक तथा आर्थिक कारणले वञ्चितमा परेका व्यक्तिहरूको शिक्षामा समतामूलक पहुँच पुऱ्याउनु,
- ❖ विद्यालयहरूमा लैङ्गिक र अपाङ्गमैत्री भौतिक तथा शैक्षिक वातावरण निर्माण तथा शिक्षामा पहुँच सुनिश्चित गर्नु,
- ❖ पाठ्यक्रम, पाठ्यसामाग्री, शिक्षण सिकाइ प्रक्रिया लगायत समस्त शैक्षिक प्रणालीमा विविधता, समता तथा समावेशिता अभिवृद्धि गर्नु,
- ❖ खुसी शिक्षा कार्यक्रम मार्फत विद्यालयमा कुनै पनि प्रकारको विभेद, दुर्व्यवहार, हेपाई नहुने सुनिश्चितता सहित बालमैत्री बनाउनु ।

४.१.३. रणनीतिहरू

शैक्षिक समता र समावेशीकरण सम्बन्धी उद्देश्यहरू हासिल गर्न निम्नलिखित रणनीतिहरू अवलम्बन गरिनेछ :

- नगरपालिकाभित्र घरधुरी सर्वेक्षण गरी बालबालिकाको अवस्था र आवश्यकता पहिचान गरी सो अनुसार पहुँच र सहभागिताको प्रबन्ध मिलाइने ,
- सबै प्रकारका विद्यालयहरूमा लैङ्गिक तथा अपाङ्गमैत्री भौतिक अवस्था तथा शैक्षिक वातावरणको विकास गरी विशेष लक्षित समूहका सबै बालबालिकाहरूलाई विद्यालय शिक्षा उपलब्ध गराइने ,
- नगरपालिकाभित्र विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रमा बसोबास गर्ने लोपोन्मुख तथा सीमान्तकृत समुदायका बालबालिका, सामाजिक बहिष्कारमा परेका बालबालिका तथा अपाङ्गता भएका सबै बालबालिकालाई समेट्नकालागि आवश्यकतामा आधारित वैकल्पिक शिक्षा, खुसी शिक्षा कार्यक्रमका साथै विभिन्न नमुनाहरू समेत विकास गरी पहुँच सुनिश्चित ल्याइने,
- आधारभूत तहमा बहु तथा मातृभाषामा सिकाइको अवसर प्रदान गर्नुका साथै पाठ्यक्रममा स्थानीय भाषा, संस्कृति, भूगोल, इतिहास, ज्ञान तथा सिप समावेश ल्याइने ,
- सिकाइ क्रियाकलापलाई सहभागिता मूलक बनाई विद्यार्थीका आवश्यकता सम्बोधन गर्ने गरी विविधता कायम ल्याइने छ, भने विद्यालयमा कुनैपनि प्रकारको विभेद, दुर्व्यवहार, हेपाई नहुने सुनिश्चितता सहित बालमैत्री वातावरण सिर्जना गरिने ,
- विद्यालयका गतिविधिमा समावेशी सहभागिताको प्रबन्ध गरिने ,
- औपचारिक विद्यालय शिक्षाबाट वञ्चितीमा परेका लक्षित समूहका बालबालिकाहरूको शिक्षा पाउने हकको सुनिश्चितताकालागि समुदाय, सामुदायिक अध्ययन केन्द्र, गैर सरकारी सङ्घ संस्था, निजी क्षेत्र र औपचारिक विद्यालयहरूलाई सहभागी गराइने ।

४.१.४. उपलब्धि, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

क) उपलब्धि

विद्यालयतहको शिक्षामा समतामूलक पहुँच र समावेशी सहभागिता सहित सबैकालागि गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित हुने,

ख) नतिजा

- महिला, दलित, जनजाति लोपोन्मुख समुदाय, अपाङ्गता भएका, कठिन भौगोलिक अवस्थामा रहेका जोखिममा परेका, आर्थिक रूपले विपन्न द्वन्द्व प्रभावित तथा सामाजिक तथा आर्थिक कारणले वञ्चितीमा परेका सबै बालबालिकाहरूले शिक्षा प्राप्त गर्ने अवसर हुने,
- लक्षित समूहका बालबालिकाहरूको सिकाइमा सहभागिता वृद्धि गरी गुणस्तर सुधार हुने,
- विविधता, समता एवम समावेशी शिक्षाका मूल्य, मान्यता अनुकूल गुणस्तरीय सेवा प्रवाहका गर्ने जनशक्तिहरूको पेसागत दक्षता र सक्षमता सुनिश्चित गर्दै शैक्षिक सुशासन कायम गर्न विद्यमान संरचनाहरू जवाफदेही बन्ने,
- खुसी शिक्षा कार्यक्रमका मार्फत विद्यालयमा कुनै पनि प्रकारको विभेद, दुर्व्यवहार, हेपाइ रहित बालमैत्री वातावरण सिर्जना हुने,
- विद्यालयहरूमा अपाङ्गमैत्री र लैङ्गिक मैत्री वातावरण सृजना हुने,

- औपचारिक विद्यालय शिक्षाबाट बञ्चितमा परेका लक्षित समूहका बालबालिकाहरूको शिक्षा पाउनेहकको सुनिश्चितताकालागि समुदाय, सामुदायिक अध्ययन केन्द्र, गैर सरकारी सङ्घ संस्था, निजी क्षेत्र र औपचारिक विद्यालयहरूलाई सहभागी हुने ।

ग) प्रमुख क्रियाकलापहरू तथा लक्ष्य

| क्र. सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|----------|--|---------|-----------------------|---|---|---|---|-------|------------------------|---------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| १ | शिक्षाको अवसरबाट बञ्चित हुनाका कारण पहिचान गरी वैयक्तिक आवश्यकता अनुसारको वैकल्पिक शैक्षिक कार्यक्रमहरू तथा सहायता पद्धति तर्जुमा गरी कार्यान्वयन | | | | | | | | | निरन्तर |
| २ | बालबालिकाको परीक्षण गरी अपाङ्गताको आधारमा वर्गीकरण र अभिलेखीकरण गरी उपयुक्त शिक्षाको प्रबन्ध | | | | | | | | | निरन्तर |
| ३ | आधारभूत शिक्षाको उमेर समूहका सबै बालबालिकाहरूलाई विद्यालय भर्ना गर्ने व्यवस्था मिलाई अनिवार्य शिक्षा सुनिश्चित भएको सार्वजनिक घोषणा | पटक | | | | | | | १ | घोषण |
| ४ | बालकेन्द्रित शिक्षण, बालमैत्री शैक्षणिक वातावरण, शिक्षक विद्यार्थीबीच सुमधुर सम्बन्ध विकास, सिकाइमुखी शिक्षण पद्धति, कक्षाकोठा, सम्मानपूर्ण व्यवहार जस्ता उपायहरूको अवलम्ब | निरन्तर | | | | | | | | |
| ५ | बालबालिकाहरूको सिकाइ आवश्यकता अनुरूपका सिकाइ सामाग्री तथा अन्य आवश्यक सामाग्री विकास तथा पेसागत विकासका कार्यक्रममा समता तथा समावेशीकरणका विषयवस्तुहरूलाई समावेश | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| ६ | विद्यालयमा कुनै पनि प्रकारको विभेद, दुर्व्यवहार, हेपाइ नहुने सुनिश्चित गर्न यससम्बन्धी शिक्षा तथा संयन्त्र स्थापना | | | | | | | | | निरन्तर |
| ७ | शिक्षामा समता र समावेशीकरणका क्षेत्रमा कार्यरत सरकारी तथा गैरसरकारी | | | | | | | | | निरन्तर |

| क्र. सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|----------|---|------|-----------------------|---|---|---|---|------------------------|---------------------------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | | |
| | सङ्घसंस्थाहरू बीच जवाफ देहितासहितको कार्यगत समन्वय | | | | | | | | |
| ८ | निर्देशिकाअनुसार छात्रवृत्तिकालागि विद्यार्थी छनोट तथा छात्रवृत्ति वितरण (अपाङ्गता भएका तथा विभिन्न किसिमका आवासीय छात्रवृत्तिसमेत) | | | | | | | | विद्यार्थी सङ्ख्या अनुसार |

४.२. दिवा खाजासहित स्वास्थ्य तथा पोषण कार्यक्रम

बालबालिकाले पोषणयुक्त खाना प्राप्त गर्नकालागि विद्यालयमा बिताउने तथा आउने जाने समय समेतलाई गणना गर्दा हुन आउने ६-७ घण्टाको समयको करिब मध्य तिर खानाखाजाको प्रबन्ध विद्यालयमा गर्न आवश्यक छ । बालबालिकाले विद्यालयमा प्राप्त सरसफाइ, स्वच्छता तथा पोषण सम्बन्धी शिक्षाले उनीहरूको स्वास्थ्य, सरसफाइ स्वच्छता तथा पोषणको अवस्थामा सुधार हुनाका साथै उनीहरूमा यस सम्बन्धी उपयोगी ज्ञान, सीप तथा क्षमता हासिल भई स्वस्थ जीवनकालागि सहयोग हुने अपेक्षा राखिएको छ । विशेषत् १२/१३ वर्ष उमेर समूहका बालिकाहरूकालागि सामान्य सरसफाइ तथा स्वच्छता सम्बन्धी अभ्यासका अतिरिक्त महिनावारी सम्बन्धी सरसफाइ तथा स्वच्छता सम्बन्धी सहयोग तथा शिक्षाले बालबालिका समग्र पक्षको सुधारमा मदत पुग्ने अपेक्षा गरिन्छ । विद्यालयमा आधारित स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी यस्ता कार्यक्रमहरूले विद्यार्थीको भर्ना तथा टिकाउ दर बढाउन र अनुपस्थित हुने तथा विचैमा विद्यालय छाड्ने दर घटाउन योगदान गरी सिकाइ उपलब्धिमा सुधार गर्न उद्देश्य राखिएको छ ।

नेपालको संविधानले प्रत्याभूत गरेको शिक्षा, स्वास्थ्य र खाद्यसम्बन्धी अधिकारहरू, खाद्य सम्प्रभुता सम्बन्धी कानून, राष्ट्रिय स्वास्थ्य नीति २०७६, राष्ट्रिय शिक्षानीति २०७६ इत्यादिले बालबालिकाको स्वास्थ्य, पोषण तथा खाद्य सम्प्रभुता सम्बन्धी अधिकार स्थापित गरे अनुरूप नगरपालिका दिवा खाजासहित स्वास्थ्य तथा पोषण कार्यक्रम सम्बन्धि गम्भीरता साथ शिक्षा योजना समावेश र कार्यन्वयनका पक्षहरूलाई विशेष चासो प्रकट गरिएको छ । यस खण्डमा दिवाखाजाको वर्तमान अवस्थाको समीक्षा गरी चुनौतीहरू पहिचान गरि चुनौतीको सामना गर्नकालागि आवश्यक लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, नतिजा र मुख्य क्रियाकलाप समावेश गरिएको छ ।

४.२.१. वर्तमान व्यवस्था

यस नगरपालिकाका विद्यालयमा विद्यार्थीको पहुँच वृद्धि भई भर्ना दर तथा लैङ्गिक समानता सूचक जस्ता सङ्ख्यात्मक शैक्षिक उपलब्धिहरूमा उल्लेख्य सुधार भएपनि विद्यार्थीको टिकाउ दर कक्षाकोठामा सहभागिता सिकाइ उपलब्धि जस्ता गुणस्तर सम्बन्धी उपलब्धिहरूमा धेरै सुधार गर्नुपर्ने छ । यस्तो अवस्थाले बालबालिकाहरूको शारीरिक मानसिक र बौद्धिक किसिमले कमजोर हुनाका साथै उनीहरूको शैक्षिक उपलब्धिहरू न्यून हुने सम्भावना बढाउँदछ । यही अवस्थालाई विचार गरेर नेपाल सरकारको योजना अनुरूप मध्यविन्दु नगरपालिकामा पनि विद्यालयका बालबालिकाहरूकालागि दिवाखाजा सहितको स्वास्थ्य, पोषण तथा सरसफाइ र स्वच्छता सम्बन्धी कार्यक्रमको आवश्यकता महसुस गरी विगत केही वर्षदेखि यस्ता केही

कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिदै आएको छ । नगरपालिकाले ४५ सामुदायिक विद्यालयकालागि रु.१२८०६५८० को दिवा खाजा अनुदान प्राप्त गरेको थियो ।

सबै आधारभूत तथा माध्यमिक विद्यालयमा अनमि र स्टाफ नर्सको व्यवस्था गर्न, दिवा खाजा, स्वास्थ्य र सरसफाई तथा स्वच्छताका कार्यक्रमकालागि पर्याप्त तथा दिगो वित्तीय प्रबन्ध सुनिश्चित गर्न, उपयुक्त स्वरूप निर्धारण गरी पौष्टिक तथा स्वस्थकर विद्यालय खाजा सुनिश्चित गर्न, पोषण तथा स्वास्थ्यका आधारभूत गुणस्तरकालागि विद्यालयका प्राविधिक क्षमता विकास गर्न, विद्यालय खाजा कार्यक्रमलाई स्थानीय कृषि तथा व्यापारसँग जोड्नु, विद्यालय खजालाई सबै कक्षाका विद्यार्थीले प्राप्त गर्ने गरी कानूनी प्रबन्ध गर्न, विद्यालय खाजा, विद्यालय स्वास्थ्य, पोषण, सफाई तथा स्वच्छतासम्बन्धी कार्यलाई एकीकृत गर्न तथा सबै विद्यालयमा Wash सुविधा सहितको शुलभ शौचालय निर्माण एवम सञ्चालन गर्ने विषय अझ पनि नगरपालिकाकोलागि चुनौतिपूर्ण नै रहेको छ । यस नगरपालिकामा रहेका विद्यालयहरूले खानेपानी, सरसफाई तथा स्वच्छता सुविधाहरूमा स्वच्छ पिउने पानी सहित पर्याप्त पानी, विद्यार्थी सङ्ख्या अनुसार अलगअलग सफा र सुरक्षित स्थानमा बाल, लैङ्गिक, अपाङ्गता र वातावरणमैत्री शौचालय, वातावरणीय सरसफाई,, विद्यालयमा महिनावारी स्वच्छता व्यवस्थापन, सफा र स्वच्छ खाद्य पदार्थ सहितका भान्सा र खाजा घर, सरसफाई तथा स्वच्छता प्रवर्धन र दिगोपनकालागि संस्थागत व्यवस्थाहरू गर्न प्रयास गरिदै आइरहेको छ ।

प्रत्येक विद्यालयमा छात्र र छात्राकालागि अलग-अलग शौचालय निर्माण गर्ने कार्यमा विगत केही वर्षदेखि विशेष जोड दिइएको र नयाँ विद्यालय भवन निर्माण गर्दा शौचालय समेत समावेश गर्न थालिएकाले यसमा राम्रो प्रगति भएको छ । तर पनि विद्यार्थी सङ्ख्याको अनुपातमा शौचालयको व्यवस्था, पर्याप्त पानी र साबुनको प्रबन्ध सफाई विद्यार्थीको उमेर समूहअनुसार फरक आकार तथा स्थानमा शौचालय र विभिन्न किसिमका अपाङ्गता भएका बालबालिकाहरूकालागि शौचालयको विशेष प्रबन्ध गर्न भने धेरै विद्यालयमा बाँकी नै रहेको छ । विद्यालयमा महिनावारी स्वच्छता व्यवस्थापनकालागि केही कार्यहरू भएका छन्, जस्तै: छात्र र छात्रालाई अलग अलग शौचालय, निःशुल्क सेनिटरी प्याड वितरण तर पनि कतिपय विद्यालयमा अझै पनि सुरक्षित र सहज चेन्ज कोठा र स्थानको अभाव, पानी तथा सरसफाई प्रबन्धको कमजोरी तथा प्रयोग भएका सामाग्रीको व्यवस्थापनमा समस्या देखिएको छ भने अधिकांश विद्यालयमा महिनावारी स्वच्छतासम्बन्धी शिक्षा तथा परामर्शको व्यवस्था रहेको छैन । वातावरणीय सरसफाई हरियाली वातावरण र स्वच्छता सुविधामा पनि कतिपय विद्यालयले प्रगति गरे पनि धेरैजसो विद्यालयले यसमा थप कार्य गर्नु छ । धेरैजसो विद्यालयमा भान्सा तथा खाजाघर कोठाको प्रबन्ध नै छैन भने भएकाहरूमध्ये कतिपयको सरसफाई र स्वच्छतामा सुधार आवश्यक छ । बालबालिकाकालागि सरसफाई तथा स्वच्छता सम्बन्धी शिक्षाको प्रबन्धकालागि स्वास्थ्य, पोषण र सरसफाई तथा स्वच्छताको शिक्षाको पद्धति तथा संरचना विद्यालयमा आवश्यक छ । दिवा खाजा, स्वास्थ्य तथा पोषण र सरसफाई तथा स्वच्छताको वर्तमान अवस्थाको समीक्षाका आधारमा निम्नलिखित चुनौतीहरू पहिचान गरिएको छ :

- दिवा खाजा, स्वास्थ्य तथा पोषण र सरसफाई तथा स्वच्छताकालागि मितव्ययी, प्रभावकारी, दिगो र पर्याप्त सङ्गठनात्मक संरचना विकास गरी यससम्बन्धी कार्यलाई व्यवस्थित गर्न,
- सबै विद्यालयमा स्वास्थ्यकर्मीको व्यवस्था गर्न,
- दिवा खाजा, स्वास्थ्य तथा पोषण र सरसफाई तथा स्वच्छताका कार्यक्रमकालागि पर्याप्त तथा दिगो वित्तीय प्रबन्ध सुनिश्चित गर्न,

- विद्यालय खाजाकालागि उपयुक्त स्वरूप निर्धारण गरी पौष्टिक तथा स्वस्थकर विद्यालय खाजा सुनिश्चित गर्न,
- दिवा खाजाकालागि मेनु विकास लगायत पोषण तथा स्वास्थ्यको आधारभूत गुणस्तरकालागि विद्यालयको प्राविधिक क्षमता विकास गर्न,
- विद्यालय खाजा कार्यक्रमलाई स्थानीय कृषि तथा व्यापारसँग जोड्न ,
- विद्यालय खाजालाई सबै कक्षाका विद्यार्थीले प्राप्त गर्ने गरी कानूनी प्रबन्ध गर्न,
- विद्यालय खाजा, विद्यालय स्वास्थ्य, पोषण तथा सफाइ तथा स्वच्छतासम्बन्धी नीतिगत तथा कार्यक्रमगत बहुक्षेत्रीय समन्वयलाई प्रभावकारी बनाउन,
- विद्यालय खाजा, विद्यालय स्वास्थ्य, पोषण तथा सफाइ तथा स्वच्छतासम्बन्धी कार्यलाई एकीकृत तथा सम्बन्धित गर्न,
- सरसफाइ तथा स्वच्छताकालागि मापदण्ड विकास गरी कार्यान्वयन गर्ने,

४.२.२. उद्देश्य

यस योजनाले विद्यालय स्वास्थ्य, पोषण र सरसफाइ तथा स्वच्छता सम्बन्धी निम्नलिखित उद्देश्यहरू राखेको छ :

- ❖ विद्यालय खाजासँग सम्बन्धित सेवाहरूमा सुधार गरी प्रत्येक विद्यालयमा बालबालिकालाई स्वस्थकर तथा पौष्टिक खाजा प्राप्तिको सुनिश्चितता गर्नु,
- ❖ विद्यालयमा बालबालिकाको स्वास्थ्य, पोषण र सरसफाइ तथा स्वच्छताका सेवामा सुधार गर्नु,
- ❖ विद्यालयमा अध्ययन गर्ने बालबालिकाहरूका स्वास्थ्य, पोषण र सरसफाइ तथा स्वच्छता सम्बन्धी व्यवहारलाई प्रोत्साहन गर्नु,
- ❖ अभिभावकहरू स्थानीय सरकार तथा अन्य सरोकारवालाहरूको समन्वय तथा सहभागितामा सुदृढ गरी बालबालिकाको पोषण, स्वास्थ्य र सिकाइ उपलब्धिमा सुधार गर्नु,
- ❖ विद्यालय स्वास्थ्य, पोषण र सरसफाइ तथा स्वच्छतासम्बन्धी कार्यक्रमहरू कार्यान्वयनकालागि यससम्बन्धी शासकीय प्रबन्ध तथा उत्तरदायित्व सुदृढ गर्नु ।

४.२.३ रणनीतिहरू

यस योजनाका उद्देश्यहरू हासिल गर्न निम्नलिखित रणनीतिहरू अवलम्बनमा गरिनेछन् :

- दिवा खाजालगायत स्वास्थ्य तथा पोषण कार्यक्रमहरू ढाँचा र कार्यान्वयनकालागि आवश्यक मापदण्ड र कार्यविधि तयार गर्ने ,
- बालबालिकाकालागि विद्यालयमा नै सफा, ताजा र पोषिलो खाजा तयारीकालागि चाहिने भान्सा तथा भण्डार, भान्सामा प्रयोग हुने आवश्यक भाँडावर्तन र अन्य सामग्रीहरू तथा समूहमा हात धुने लगायतका सुविधा विस्तार गर्ने ,
- दिवा खाजा कार्यक्रमलाई क्रमशः विस्तार गर्दै आधारभूत तहसम्मका सम्पूर्ण बालबालिकालाई विद्यालयमा खाजा उपलब्ध गराइने छ भने अभिभावकको संलग्नतामा माध्यमिक तहसम्मका विद्यार्थीकालागि खाजाको प्रबन्ध गर्ने ,
- दिवा खाजा सहितको स्वास्थ्य तथा पोषण कार्यक्रमलाई कार्यान्वयन र व्यवस्थापनकालागि आवश्यक क्षमता सहितको जनशक्ति कार्यान्वयन संयन्त्र र संस्थागत व्यवस्थापन ल्याइने छ । यी कार्यक्रमहरूलाई

विद्यालय तहमा एकीकृत र प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्न विद्यालयमा आवश्यक संयन्त्रसहित क्षमता विकास तथा “एक विद्यालय एक स्वास्थ्यकर्मी” को अवधारणालाई कार्यान्वयन गर्ने ,

- विद्यालयहरूमा प्राथमिक उपचार किट वितरण तथा प्रतिस्थापन, बालबालिकाहरूको आवधिक स्वास्थ्य जाँच जुकाको औषधि तथा शुष्कपोषक तत्व प्रदायक ट्याबलेटहरू भिटामिन ए र आइर फोलिक एसिड आदिको वितरण र किशोरिहरूको महिनावारी स्वच्छताकोलागि स्यानीटरी प्याड वितरणलाई स्वास्थ्य क्षेत्रको सहकार्यमा नियमित र प्रभावकारी बनाइने,
- दिवा खाजाकोलागि स्थानीय उत्पादनमा आधारित कृषि उत्पादनलाई प्रोत्साहन गर्ने गरी खाद्य टोकरी निर्माण र यस टोकरीको आधारमा सामाजिकरूपले स्वीकार्य र सांस्कृतिक बालबालिका रुचि समेतलाई ध्यानमा राखी गुणस्तरीय तथा पोषिलो खाजा मेनु तयार गर्नकोलागि आवश्यक प्रविधिको विकास तथा यस प्रविधिलाई सञ्चालन गर्ने क्षमता अभिवृद्धि ल्याइने,
- दिवा खाजा सहितको स्वास्थ्य तथा पोषण कार्यक्रमको वित्तीय स्थायित्व र दिगोपनकोलागि अभिभावकहरूको सहभागिता र सहयोगको साभेदार संस्थाहरूको सहयोगलागि आवश्यक सहयोगी वातावरण तथा संयन्त्रको विकास ल्याइने,
- कार्यक्रमको अनुगमन मूल्याङ्कन लगायत खाद्य सुरक्षा गुणस्तर सम्बन्धी प्राविधिक सङ्घीय र सहयोगकोलागि आवश्यक प्रविधि विकास सहित प्रादेशिक विश्वविद्यालयहरू तथा नेपाल सरकारको प्राविधिक संस्थाहरू जस्तै खाद्य प्रविधि तथा गुणस्तर नियन्त्रण विभाग स्वास्थ्य मन्त्रालय परिवार कल्याण महाशाखा समन्वय र सहकार्य ल्याइने छ ।

४.२.३ उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

क) उपलब्धि

- ❖ विद्यालयमा अध्ययन गर्ने सबै बालबालिकाको स्वास्थ्य तथा पोषणको अवस्थामा सुधार, मनोसामाजिक कुशलतामा अभिवृद्धि तथा सिकाइमा सुधार सहित सुरक्षित तथा रमाइलो सिकाइ वातावरणमा बालबालिकाहरूको पूर्ण पहुँच तथा सहभागिता हुने,

ख) नतिजाहरू

- ❖ विद्यालय स्वास्थ्य तथा पोषण रणनीति अध्यावधिक तथा परिमार्जन भई दिवा खाजासहित विद्यालय स्वास्थ्य तथा पोषण र सरसफाइ तथा स्वच्छतासम्बन्धी स्पष्ट भूमिका तथा जिम्मेवारी निर्धारण तथा कार्यान्वयन हुने,
- ❖ विद्यालय खालाई विद्यार्थीको अधिकारका रूपमा स्थापित गर्ने कानूनी प्रबन्ध हुने,
- ❖ दिवा खाजा लगायत स्वास्थ्य तथा पोषण नियामक ढाँचा र कार्यान्वयनकालागि आवश्यक मापदण्ड र कार्यविधि तयार हुने,
- ❖ प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षादेखि आधारभूत तहको कक्षा ६ सम्मका सामुदायिक विद्यालयका सबै बालबालिकाहरूले स्वस्थकर, पौष्टिक र स्थानीय उत्पादनमा आधारित दिवा खाजा विद्यालयबाट प्राप्त हुने,
- ❖ दिवा खाजा सहितको स्वास्थ्य तथा पोषण कार्यक्रमलाई कार्यान्वयन र व्यवस्थापनकालागि आवश्यक क्षमता सहितको जनशक्ति कार्यान्वयन संयन्त्र संस्थागत प्रबन्ध हुनेछ र यी कार्यक्रमहरूलाई विद्यालय तहमा एकीकृत र प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्न विद्यालयमा आवश्यक संयन्त्रसहित क्षमता विकास तथा एक विद्यालयमा एक स्वास्थ्यकर्मीको व्यवस्था हुने,

- ❖ विद्यालयमा विद्यार्थी सङ्ख्याको अनुपातमा पर्याप्त पानी, साबुन तथा सफाइ सामग्रीसहित आवश्यक सङ्ख्यामा छात्र र छात्राकालागि अलग-अलग शौचालय तथा युरिनल, किशोरिहरूकालागि चेन्ज रुमका साथै महिनावारी स्वच्छताकोलागि आइरण फोलिक एसिड आदि स्यानीटरी प्याडको वितरण नियमित, प्रयोग भइसकेका सामग्री व्यवस्थापन, हात धुने ठाउँ, स्वच्छ खानेपानी, कक्षाकोठा तथा विद्यालय परिसर सरसफाइको प्रबन्ध र घेराबाराको व्यवस्था र विद्यालयहरूमा प्राथमिक उपचार किट वितरण तथा प्रतिस्थापन, बालबालिकाहरूको आवधिक स्वास्थ्य जाँचभिटाभिन ए र जुकाको औषधि तथा शुष्म पोषक तत्व प्रदायक ट्याबलेटहरू प्रभावकारी तवरले हुने ।

ग. प्रमुख क्रियाकलाप र लक्ष्य

| क्र. सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|----------|---|-----------------------|------------------------|---|---|---|---|-------|------------------------|--------------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| १ | स्वास्थ्य, पोषण र सरसफाइ तथा स्वच्छता सम्बन्धी मापदण्ड एवम् कार्यान्वयन ढाँचा विकास | सङ्ख्या | | १ | | | | १ | १ | दस्तावेज |
| २ | विद्यालय तथा स्थानीय तहकालागि दिवा खाजा, स्वास्थ्य, पोषण र सरसफाइ तथा स्वच्छतासम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन | | | | | | | | | निरन्तर |
| ३ | दिवा खानाकालागि भान्सा तथा भण्डार, भाँडावर्तन तथा आवश्यक सामग्रीको प्रबन्ध | स्थानीय तह र विद्यालय | | | | | | | | |
| ४ | स्वस्थकर तथा पौष्टिक दिवा खाजाको प्रबन्ध | विद्यालय | | | | | | | | सबै विद्यालय |
| ५ | तालिम/प्रचार-प्रसार/मेनु तयारी र आवधिक अन्य क्षमता अभिवृद्धि क्रियाकलाप | विद्यालय | | | | | | | | निरन्तर |
| ६ | दिवा खाजाकालागि चाहिने खाद्य सामग्री आपूर्तिमा भाग लिने स्थानीय कृषि सहकारी, किसान समूहलाई तालिम तथा सहयोग | जना/ संस्था | | | | | | | | निरन्तर |
| ७ | कार्यक्रमको प्रभावकारिता, कार्यकुशलता तथा प्रति एकाइ लागतको अध्ययन तथा विभिन्न मोडालिटीहरूको अध्ययन | पटक | | | | | | | | निरन्तर |
| ८ | विद्यालयमा विद्यार्थी सङ्ख्याको अनुपातमा पर्याप्त पानी, साबुन तथा सफाइ सामग्रीसहित आवश्यक सङ्ख्यामा छात्र र छात्राकालागि अलगअलग | स्थानीय तह | | | | | | | | निरन्तर |

| क्र. सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|----------|--|--------------|------------------------|---|---|---|---|-------|------------------------|--------------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| | शौचालय तथा युरिनल, किशोरीहरूकालागि चेन्ज रुम, प्रयोग भइसकेका सामग्री व्यवस्थापन, हात धुने ठाउँ, स्वच्छ खानेपानी, कक्षाकोठा तथा विद्यालय परिसर सरसफाइको प्रबन्ध र घेराबाराको व्यवस्था | | | | | | | | | |
| ९ | कक्षा ६ देखि १२ सम्मका किशोरीहरूलाई महिनावारी स्वच्छताकोलागि स्यानिटरी प्याडको व्यवस्था | सबै विद्यालय | | | | | | | | निरन्तर |
| १० | आवधिक स्वास्थ्य जाँच, जुकाको औषधि र सूक्ष्मपोषक तत्व प्रदायक ट्याब्लेटहरू (भिटामिन ए र आइरन, फोलिक एसिड आदि प्रदान) | सबै विद्यालय | | | | | | | | निरन्तर |
| ११ | विद्यालयलाई प्राथमिक उपचारको किट प्रदान तथा प्रतिस्थापन | पटक | | | | | | | | सबै विद्यालय |
| १२ | विद्यालयमा स्वास्थ्य, सरसफाइ तथा स्वच्छता, पोषण र किशोरीहरूकालागि महिनावारी स्वच्छतासम्बन्धी शिक्षा | विद्यालय | | | | | | | | निरन्तर |

४.३. आपतकालीन तथा सङ्कटपूर्ण अवस्थामा शिक्षा

द्वन्द्व, महामारी तथा प्राकृतिक प्रकोपको अवस्थामा पनि बालबालिकाको सिक्न पाउने अधिकारलाई संरक्षण गर्दै सिकाइलाई निरन्तरता दिने वैकल्पिक उपाय सहितको शैक्षिक कार्यक्रम रूपमा आपतकालीन तथा सङ्कटपूर्ण अवस्थाको शिक्षालाई यस योजनाले लिएको छ । यस अन्तरसम्बन्धित क्षेत्रको मूल उद्देश्य विभिन्न कारणले उत्पन्न सङ्कटकालीन अवस्थामा बालबालिका लगायत शिक्षासँग सम्बद्ध व्यक्ति, परिवार तथा समुदायको जीवन रक्षा, प्रकोपबाट सिर्जित सङ्कटको व्यवस्थापन, सामाजिक द्वन्द्व तथा हिंसा र दुरुपयोगबाट बालबालिकालाई सुरक्षित राख्नुका साथै समग्र शिक्षा क्षेत्रलाई निर्वाध रूपमा क्रियाशील हुने गरी शैक्षिक कार्यक्रमहरूको तयारी तथा सञ्चालन गर्नु हो । यस अवधारणा अन्तर्गत सम्भावित जोखिमको पूर्व तयारी, आपतकालीन अवस्थामा क्षति कम हुने गरी तत्कालको व्यवस्थापन गर्ने र आपतकाल पश्चात क्षतिको आपूरण गर्ने कार्य ढाँचा समावेश गरिनेछ ।

नेपालमा पनि प्रकोप व्यवस्थापन तथा सङ्कटकालीन अवस्थामा शिक्षा प्राप्त गर्ने बालबालिकाको अधिकारलाई कुण्ठित हुन नदिने गरी नीतिगत तथा कानूनी व्यवस्थाका अतिरिक्त आवधिक राष्ट्रिय योजना शिक्षा क्षेत्रको

दीर्घकालीन योजना र वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रममा समावेश गरिदै आएको छ । विशेषत लामो द्वन्द्वको परिवेशमा शिक्षा क्षेत्रमा परेको प्रभाव २०७२ को विनाशकारी भूकम्प तथा विभिन्न समय र स्थानमा घटेका प्राकृतिक प्रकोपका घटनाहरूका साथै कोभिड १९ लगायतका महामारीहरूका प्रभावका कारण बालबालिकाको शिक्षा प्राप्त गर्ने अधिकारमा पुगेको अवरोधबाट मार्गनिर्देशित हुदै यस नगर शिक्षा योजना आपतकालीन तथा सङ्कटपूर्ण अवस्थामा शिक्षाका सन्दर्भमा निम्न पक्षमा केन्द्रित हुनेछ । यस खण्डमा मूलतः तीन प्रकारका आपतकालीन अवस्थाहरू जसमा प्राकृतिक प्रकोप जोखिम न्यूनीकरण अन्तर्गत भूकम्प, बाढीपहिरो, हावाहुरी, आगोलागि, चट्याङ, खडेरी, दुर्घटना, अति चिसो र तातो वातावरण आदि, महामारी अन्तर्गत भगाडापखाला, कालाज्वर, हैजा, भाइरल ज्वरो, डेगु, टाइफाइड, हेपाटाइटिस, बर्डफ्लू एनफ्लूएन्जा, क्षयरोग, कुष्ठरोग ठेउला, स्वाइन फ्लू कोभिड आदि सेवा रोगहरू र आन्तरिक युद्ध एवम् द्वन्द्व तथा साम्प्रदायिक, धार्मिक, राजनीतिक आदि द्वन्द्व, युद्ध, शोषण, दुराचार तथा अन्य कारणले नागरिकहरूको विस्थापन तथा बसाइसराइ आन्तरिक तथा बाह्य स्थानान्तरणका कारण बालबालिकाले शिक्षा प्राप्त गर्ने अधिकारलाई सुरक्षित राख्ने विषयमा विशेष जोड दिनेछ । शिक्षा क्षेत्रसँग प्रत्यक्ष रूपमा सम्बन्धित उल्लिखित सम्भावित सङ्कटका तीनओटा बृहत्तर क्षेत्रहरूको व्यवस्थापनमा निम्नानुसार अन्तरसम्बन्धित विषयहरू अधिकार, समावेशीकरण, समता र न्याय, पहुँच, गुणस्तर र सुशासन र सेवाको दक्षता लाई केन्द्रविन्दुमा राख्नु पर्नेछ ।

४.३.१ वर्तमान अवस्था

नेपालको संविधानले अनिवार्य तथा निःशुल्क आधारभूत शिक्षा, निःशुल्क माध्यमिक शिक्षा तथा सुविधाविहीन तथा अपाङ्गहरूकालागि निःशुल्क उच्च शिक्षाको सुनिश्चितताका साथै बालबालिका माथि हुने विभेद, सजाय र दुराचारलाई निषेध प्रावधान अनुरूप मध्यविन्दु नगरपालिकाले आपतकालीन तथा सङ्कटपूर्ण अवस्थामा शिक्षा सम्बन्धित विषयहरूलाई स्थानीय पाठ्यक्रममा समावेश गर्नुका साथै आ.व. २०७८/७९ को स्थानीय तहको वित्तीय प्रगतिमा कोभिड १९ का कारण उत्पन्न परिस्थितिमा विद्यार्थीहरूलाई वैकल्पिक मध्यमबाट सिकाई सहजीकरण कार्यक्रमकालागि रु.८००००० विनियोजनमा गरि रु.४७०७२५ रकम खर्च गरेको थियो । यसका अतिरिक्त नगरपालिकाले आपतकालीन तथा सङ्कटपूर्ण अवस्थामा शिक्षा सम्बन्धि नगरपालिकाले विभिन्न कार्यशाला तथा सचेतना मूलक कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरेको छ ।

नगरपालिकाले सामाजिक अवस्था, लैङ्गिकता, भौगोलिक अवस्थिति, अपाङ्गता, जात र जातीयता, भाषा, स्वास्थ्य र पोषण तथा सङ्कटासन्न समूहका विद्यालय बाहिर रहेका बालबालिकाहरूलाई विद्यालय शिक्षाको दायरामा ल्याउने, विद्यालयमा भर्ना भएका विद्यार्थीहरूको सिकाइ र उपलब्धिमा सुधार गर्न एवम् विद्यालय विचैमा छाड्न ढेरलाई घटाउने जस्ता प्रमुख उद्देश्यहरूसहित आपतकालीन तथा सङ्कटपूर्ण अवस्थामा शिक्षालाई सम्बोधन र प्रवर्द्धन गर्दै बालबालिकाहरूको सिकाइ सुनिश्चित गर्ने मार्गदर्शन गरेको छ । प्राकृतिक प्रकोप, महामारी वा अन्य सामाजिक सांस्कृतिक कारणले उत्पन्न हुने आपतकालीन अवस्थाको स्थान, परिवेश र अवस्थाअनुसार पूर्वानुमान गरि समय, स्वरूप र मात्राको एकिन अनुमान गर्दै प्रकोप, महामारी तथा आपतकालको पूर्वानुमान गर्न सक्ने शिक्षा र योजना सन्दर्भमा यस नगरले निम्नानुसारका चुनौती रहेका छन् :

- ❖ आपतकालीन अवस्थामा शिक्षा अन्तर सम्बन्धित विषयको रूपमा वा छुट्टै विधाको रूपमा सम्बोधन गर्न,
- ❖ छुट्टै योजना बनाउने कि कुनै शिक्षा योजनाको अङ्गमा यस विषयको प्रत्याभूति गर्न,
- ❖ प्राकृतिक प्रकोप र सोको जोखिमको विषयमा मात्र सीमित हुने कि महामारी तथा सामाजिक तथा राजनीतिक द्वन्द्वले सिर्जना गर्ने अवरोधको समेत सावधानी अपनाउने,
- ❖ अनुमान गर्न नसकिने घटनालाई कसरी योजनामा समेट्ने र स्रोतको व्यवस्थापन गर्न ।

४.३.२. उद्देश्यहरू

सामान्यतः विपदको अवस्थामा शिक्षा व्यवस्थापनको मुख्य उद्देश्य जस्तो सुकै परिस्थितिमा पनि बालबालिकाको शिक्षा प्राप्त गर्ने अधिकारलाई सुनिश्चित गरी उनीहरूको शारीरिक, मानसिक र बौद्धिक विकासलाई अबरुद्ध हुन नदिनु हो भने विशिष्ट रूपमा यस्तो शिक्षाका निम्नानुसारका उद्देश्य रहेका छन् :

- ❖ सङ्कटको सम्भावित जोखिम कम गर्न औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षाको माध्यमबाट पूर्व सावधानी र तयारीको वातावरण तयार गर्नु,
- ❖ सम्भावित सङ्कटको सामना गर्ने अर्थात् उत्थानशील प्रणालीकालागि भौतिक, मानवीय र आर्थिक स्रोतको तयारी गर्नु,
- ❖ सङ्कटको प्रतिकार्यको संयन्त्र र कार्यढाँचा तयार गर्नु,
- ❖ अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन पुनर्स्थापन केन्द्र स्थापना गर्नु ।

४.३.३. रणनीतिहरू

- ❖ विपदको पहिचान मूल्याङ्कनका आधारमा पूर्वानुमान तथा प्रतिकार्यको बृहत योजना र विद्यालयहरूले वातावरण अनुरूप विद्यालयको योजना तयार गर्ने,
- ❖ नगर स्तरिय विद्यालय सहयोग विपद कोष स्थापना र परिचालन गर्ने,
- ❖ विद्यार्थी, शिक्षक ,अभिभावकलाई प्रकोप रोकथाम, र पुनर्स्थापनाकालागि क्षमता विकास गर्ने,
- ❖ विपद्मा सेवा प्रवाहको संयन्त्र विकास गर्ने,
- ❖ अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन पुनर्स्थापन केन्द्र तयार गर्ने ।

४.३.४. प्रमुख प्राथमिकता क्षेत्र, नतिजा तथा क्रियाकलाप

क) प्रमुख प्राथमिकता क्षेत्र

आपतकालिन तथा सङ्कटपूर्ण अवस्थामा शिक्षाका प्राथमिकताका क्षेत्रहरू :

| क्र.सं. | मुख्य क्षेत्र | मूल सिद्धान्तहरू | मूल नतिजाहरू |
|---------|--|-------------------------------|---|
| १ | प्राकृतिक प्रकोप व्यवस्थापनकालागि पूर्वतयारी, सम्बोधन / पुनर्उत्थान | अधिकारमा आधारित | संकटासन्नताको मूल्याङ्कन |
| | | समता र समावेशिता | पूर्वतयारी |
| | | पहुँच | स्थानीयकृत योजना |
| | | न्याय | सचेतना तथा तालिम |
| | | गुणस्तर र सुशासन | उत्थानशील पूर्वाधार विकास |
| | | दक्षता | तत्काल सम्बोधन संयन्त्र |
| | | | पुनरुत्थान अभ् सुदृढ निर्माण |
| २ | महामारीको समयमा स्वास्थ्य उपचार सहित शिक्षाको व्यवस्थापन र सेवा प्रवाह / सिकाइको निरन्तरता | स्वास्थ्य पहिलो प्राथमिकता | जनचेतना |
| | | खाद्य सुरक्षा | पूर्व तयारी |
| | | सिकाइ समावेशी अवसर र सहभागिता | सेवा प्रभाव, पुनरुत्थान, वैकल्पिक सिकाइ |
| ३ | युद्ध, सामाजिक द्वन्द्व, हिंसा, बसाइसराइको अवस्थामा पनि | बालबालिका शान्ति क्षेत्र | राजनीतिक सामाजिक समझदारी र घोषणा |

| | | | |
|--------------------------------|--|--|---|
| | आधारभूत अव्यक्तताको पूर्ति सिकाइको निरन्तरता | बालबालिकालाई पहिलो प्राथमिकता | आचार संहिताको कार्यान्वयन |
| | | लैङ्गिक तथा अपाङ्गता सामाजिक समावेशिता | विद्यालय र स्थानीय तहमा सुरक्षित सिकाइ कार्य समूह |
| | | | सुरक्षित खानेकुरा र वास |
| | | | मनोसामाजिक सहयोग |
| | | | सिकाइको निरन्तरता |
| प्रणालीगत र सुधार क्षमता विकास | | | |

ख) उपलब्धि

- ❖ आपतकालीन तथा सङ्कटपूर्ण परिस्थितिमा पनि बालबालिकाको सुरक्षासहित शिक्षा प्राप्त गर्ने अधिकार सुनिश्चित हुने,

ग) नतिजा

- ❖ विद्यालय तथा समग्र शिक्षा प्रणालीमा प्राकृतिक प्रकोप व्यवस्थापनकालागि पूर्वतयारी, प्रतिकार्य तथा पुनर्उत्थानको योजना तथा क्षमता विकास हुने,
- ❖ आवश्यक भौतिक, मानवीय र आर्थिक स्रोतको व्यवस्थापनसहित विद्यालय तथा शिक्षा प्रणाली उत्थानशील हुने,
- ❖ महामारीको समयमा स्वास्थ्य उपचारसहित शिक्षाको व्यवस्थापन र सेवा प्रवाह र सिकाइको निरन्तरता हुने,
- ❖ अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन पुनर्स्थापन केन्द्र मार्फत युद्ध, सामाजिक द्वन्द्व, हिंसा, बसाइसराइको अवस्थामा पनि आधारभूत अव्यक्तताको पूर्ति सहित सिकाइको निरन्तरता हुने ।

ग) क्रियाकलाप र लक्ष्य

| क्र.सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|---------|---|------|-----------------------|---|---|---|---|-------|------------------------|-----------------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| १ | विपद् तथा प्रकोप व्यवस्थापन नीति तथा मापदण्ड पुनरावलोकन तथा निर्माण | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| २ | स्थानीय तह र विद्यालयको क्षमता विकास | | | | | | | | | निरन्तर |
| ३ | विपद् पूर्वतयारी, प्रतिकार्य, पुनर्लाभ तथा उत्थानशीलताकालागि सचेतना कार्यक्रम | | | | | | | | | निरन्तर |
| ४ | शिक्षक तथा विव्यस तालिम | | | | | | | | | आवश्यकता अनुसार |

| क्र.सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|---------|--|------|-----------------------|---|---|---|---|------------------------|-----------------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | | |
| ५ | सङ्कटासन्नता मूल्याङ्कनको आधारमा योजना निर्माण | | | | | | | | आवश्यकता अनुसार |
| ६ | विपद्प्रतिरोधी विद्यालय भवन निर्माण | | | | | | | | निरन्तर |

४.४. विद्यालय भौतिक पूर्वाधार विकास

नेपालका शिक्षा सम्बन्धि ऐन तथा नियम अनुसार बालबालिका विद्यालयमा भर्ना हुनकालागि सुरक्षित विद्यालय, पढ्नकालागि व्यवस्थित कक्षाकोठा, खेलकालागि खेल मैदान, शौचकालागि शौचालय, सफाइ र पिउनकालागि खानेपानी जस्ता पूर्वाधार विद्यालयका आधारभूत संरचना बालमैत्रि हुनु पर्न प्रावधान रहेको छ । एक विद्यार्थीकालागि सुविधाजनक रूपमा पठनपाठनमा सहभागी बन्न प्रारम्भिक बालविकास तथा आधारभूत तहका प्रारम्भिक कक्षाकालागि प्रति विद्यार्थी ०.७५ वर्ग मिटर र उच्च आधारभूत तह तथा माध्यमिक तहकालागि प्रति विद्यार्थी १.०० वर्गमिटर बराबरको क्षेत्रफलको मापदण्ड शिक्षा नियमावली २०५९ को नियममा तोकिएको छ । राष्ट्रिय शिक्षा नीति २०७६ ले विद्यालयहरूमा भवन, कक्षाकोठा, फर्निचर, प्रयोगशाला, शौचालय, पानी, पुस्तकालय, बुक कर्नर जस्ता भौतिक पूर्वाधार तयार गर्ने, विद्यालय भवनलगायत सम्पूर्ण भौतिक पूर्वाधार विपद् जोखिममुक्त बनाउदै सबै विद्यालयलाई सुरक्षित एवम बालमैत्री, हरित विद्यालयको रूपमा विकास गर्ने लगायतका नीतिगत व्यवस्थापन गरिएको छ । राष्ट्रिय शिक्षा नीतिले आत्मसात गरेको सबैकालागि सुरक्षित भौतिक पूर्वाधार विकास एवम विस्तारको नीति र हालसम्मको अभ्यासका आधारमा भएको सिकाइ अनुभवका आधारमा शिक्षा क्षेत्रको यो योजनामा प्रस्ताव गरिएको छ । यस खण्डमा विद्यालयको भौतिक पूर्वाधार विकासको वर्तमान अवस्थाको समीक्षाका आधारमा चुनौतीहरू पहिचान गरी आगामी दश वर्षकालागि विद्यालयको भौतिक पूर्वाधार विकासका उद्देश्य, रणनीति, नतिजा र प्रमुख क्रियाकलापहरू तथा लक्ष्य उल्लेख गरिएको छ ।

४.४.१. वर्तमान अवस्था

मध्यविन्दु नगरपालिकामा औसत भवन कक्षा (१-१२) मा सबैभन्दा बढी ७ वटा रहेको छ । कक्षा (१-८) सम्म जम्मा भवन सङ्ख्या ३ रहेका छन् भने सामुदायिक सिकाई केन्द्र रहेका छन् । सामाजिक लेखापरीक्षण, आर्थिक लेखापरीक्षण र शौचालयको व्यवस्था कक्षा (१-८) सम्मका लागी ३२ विद्यालयमा उपलब्ध रहेको छ भने इन्टरनेट व्यवस्थाको सन्दर्भमा कक्षा (१-८), कक्षा (१-१०) र कक्षा (१-१२) मा क्रमशः ३२, ४ र ९ विद्यालयमा उपलब्ध छ । ६७ ओटा विद्यालयमा पक्की भवन १९४ ओटा, कच्ची भवन ७८ ओटा रहेका छन् । सम्पूर्ण विद्यालयहरूको जमिनको क्षेत्रफल २९१६ कठ्ठा रहेको छ । त्यसैगरी १७७३५ विद्यार्थीहरूकोलागि ११०२ ओटा कक्षा कोठाहरू र १०४८० डेक्स बेन्चहरू छन् । नगरपालिकाका विद्यालय भौतिक पूर्वाधार विकास सम्बन्धित निम्नलिखित चुनौतीहरू रहेका छन् :

- ❖ विद्यालय शिक्षाअन्तर्गत विकास एवम विस्तार गर्नुपर्ने भौतिक पूर्वाधारको स्वरूप तथा यसकालागि आवश्यक भूमिका स्पष्ट गराउन,

- ❖ पूर्वाधार विकास कार्यलाई गुणस्तरीय पारदर्शी एवं जवाफदेही बनाउन,
- ❖ सुरक्षित विद्यालय पूर्वाधार विकास एवम विस्तारकालागि मापदण्ड अनुसारको गुरु योजना निमार्ण गर्न,
- ❖ सुरक्षित विद्यालय पूर्वाधार विकास एवम विस्तारकालागि दिर्घकालिन योजनाको बनाउन,
- ❖ आवश्यक स्रोतको पूर्ति गर्न,
- ❖ पूर्वाधारहरूलाई अपगडता र लैङ्गिक मैत्री बनाउन ।

४.४.२. उद्देश्य

यस योजनाको विद्यालय भौतिक पूर्वाधार विकास सम्बन्धी निम्नलिखित उद्देश्यहरू रहेका छन् :

- सुरक्षित विद्यालय पूर्वाधार विकास गरी गुणस्तरीय शिक्षा व्यवस्थापनमा सहयोग गर्ने ,
- विद्यालय शिक्षा पूर्वाधारकालागि आवश्यक मापदण्ड विकास र कार्यान्वयन गर्ने,
- गुणस्तरीय पूर्वाधार विकास एवम विस्तारकालागि पारदर्शी एवम जवाफदेहि प्रणालीको विकास गर्ने ।

४.४.३. रणनीतिहरू

यस योजनाका उद्देश्यहरू हासिल गर्न निम्नलिखित रणनीतिहरू अवलम्बन गरिनेछ :

- ❖ विद्यालय शिक्षामा सञ्चालित विद्यालयको तह र विद्यार्थी सङ्ख्याका आधारमा आवश्यक पर्ने पूर्वाधारको पुनः परिभाषित गरिनेछ ।
- ❖ विद्यालय पूर्वाधार विकासकालागि सङ्घ प्रदेश र स्थानीय तहको लागत साभेदारीका आधारमा स्रोत व्यवस्थापन प्रारूप विकास गरिनेछ ।
- ❖ विद्यालय पूर्वाधार विकासकालागि विकास साभेदार तथा विभिन्न सङ्घसंस्था एवम निकायहरूसँग लागत साभेदारी गरिनेछ ।
- ❖ विद्यालयहरू निर्माण गर्दा कक्षाकोठा, शिक्षक, प्रधानाध्यापक तथा प्रशासनिक कक्ष, पानी, शौचालय विद्यार्थी सङ्ख्याको अनुमान तथा उमेरलाई विचार गरेर भान्सा वा खाजा घरलगायत सबैको योजना समावेश गरी डिजायन ल्याइने छ भने निर्माण भइसकेका विद्यालयहरूमा थप संरचनाको योजना एकै पटक ल्याइनेछ ।
- ❖ पूर्वाधार निर्माणसँगै सुरक्षित विद्यालय एवम वातावरणीय पक्षलाई एकीकृत प्रणालीको विकास गरी संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।
- ❖ अन्तर सरकार र अन्य सरोकारबालाहरूबिच समन्वय, सहकार्य, साभेदारी र जवाफदेहि प्रणालीको विकास एवम जनशक्तिको उपयोगसम्बन्धी नीति तयार गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।

४.४.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

क) उपलब्धि

- ❖ सबै विद्यार्थीहरूलाई सुरक्षित र उपयुक्त भौतिक अवस्थासहितको विद्यालयमा अध्ययन गर्ने अवसर हुने:

ख) नतिजा

- ❖ विद्यालय शिक्षाअन्तर्गत विकास एवम विस्तार गर्नुपर्ने भौतिक पूर्वाधारको स्वरूप तथा भूमिका परिभाषित हुनेछ ।
- ❖ भौतिक पूर्वाधारको आवश्यकता पहिचान र मापदण्ड सहितको १० वर्षे मास्टर प्लान तयार हुनेछ ।

- ❖ पूर्वाधार विकासकोलागि स्रोत र जिम्मेवारीको विन्याससहित कार्यान्वयन प्रारूप विकास हुनेछ ।
- ❖ पूर्वाधार विकासकालागि आवश्यक विधि मापदण्ड र स्तरीकरणका सूचक तयार हुनेछ ।
- ❖ विद्यालयहरूमा बनेका संरचनाको निर्माण, सम्बर्धन तथा मर्मत सम्भारका पद्धति विकास हुनेछ ।

ग) क्रियापलापहरू तथा लक्ष्य

| क्र.सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत | |
|---------|---|------------------|-----------------------|---|---|---|---|-------|------------------------|---------|---------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | | |
| १ | विद्यालय भवन निर्माण | | | | | | | | | निरन्तर | |
| २ | विद्यालयहरूको सबलीकरण | | | | | | | | | निरन्तर | |
| ३ | विद्यालयहरूमा बनेका संरचनाको संवर्द्धन तथा मर्मत सम्भार र फर्निचर व्यवस्थापन समेत | | | | | | | | | निरन्तर | |
| ४ | छात्रा र छात्रलाई अलग्गै शौचालय तथा पानी तथा सरसफाइको प्रबन्ध | विद्यालय सङ्ख्या | | | | | | | ४६ | निरन्तर | |
| ५ | प्रारम्भिक बालविकासकालागि पानी तथा सरसफाइका साथै अलग्गै शौचालय | विद्यालय सङ्ख्या | | | | | | | ३५ | निरन्तर | |
| ६ | अपाइतामैत्री संरचना निर्माण | विद्यालय सङ्ख्या | | | | | | | २० | निरन्तर | |
| ७ | बृहत विपद जोखिम व्यवस्थापन तथा उत्थानशील योजना कार्यान्वयन | विद्यालय | १ | १ | | | | | | १० | निरन्तर |

४.५. विद्यालयमा सूचना र सञ्चार प्रविधि

शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको विकास तथा प्रयोगले सबै विद्यार्थीकालागि सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको आधारभूत पहुँच पुऱ्याई डिजिटल भिन्नता कम गर्ने, सूचना तथा सञ्चार प्रविधिलाई शिक्षण सिकाइको साधनका रूपमा प्रयोग गरी सिकाइ सुधार गर्ने, सबैकालागि शिक्षामा पहुँच पुऱ्याउने र शिक्षाको व्यवस्थापकीय तथा शासकीय पद्धतिलाई कुशल र प्रभावकारी बनाई सुशासनको प्रत्याभूतिकालागि सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोग अधिकतम तवरबाट गर्नुपर्न नगरपालिकाको नितिगत प्रावधान राखेको छ । कोभिड-१९ को जस्ता महामारीहरूको क्षेत्रलाई न्यूनीकरण गर्न नगरपालिकाले शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रभावकारी प्रयोगको आवश्यकतालाई थप मध्यनजर गर्नेछ ।

यस परिच्छेदमा शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिसम्बन्धी वर्तमान अवस्थाको समीक्षा गरी चुनौतीहरू पहिचान गरिएको छ । पहिचान गरिएका चुनौतीहरू सामना गर्नकालागि योजनाका उद्देश्य, रणनीति तथा प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्यहरू निर्धारण गरिएको छ । शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोग गर्ने सम्बन्धमा

सम्बन्धित विषयगत उपक्षेत्रहरू जस्तै प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा, आधारभूत शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा तथा आजीवन सिकाइ, पाठ्यक्रम तथा मूल्याङ्कन, शिक्षक विकास तथा व्यवस्थापनलगायत समग्र शैक्षिक व्यवस्थापनमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोगका केही पक्षहरू पनि उल्लेख गरिएको भएपनि समग्रतामा शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको विकास तथा प्रयोगको अवस्थाको विशेषणका आधारमा यस परिच्छेदमा योजनाको खाका समावेश गरिएको छ ।

४.५.१. वर्तमान अवस्था

नगरपालिकाले शिक्षाको विकासका निम्ति सूचना तथा सञ्चार प्रविधि सम्बन्धि क्रियाकलापहरू समावेश गर्नकालागि आवश्यक सामग्री विद्यालयलाई उपलब्ध, विज्ञान, गणित र अङ्ग्रेजी विषयमा विद्युतीय सामग्री निर्माण गर्ने पूर्वाधार विकास र शिक्षण सिकाइ सामग्री प्रदान, नमुना विद्यालयहरूमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको सिकाइ केन्द्र स्थापना, एकीकृत लेखा सफ्टवेयर (CGAS) कार्यान्वयन र एकीकृत शैक्षिक व्यवस्थापन सूचना प्रणाली (IEMIS) विकास गर्ने कार्य सम्पादन गरेको छ । नीतिहरू तथा योजनाले लक्षित गरेका शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोग सम्बन्धी कार्यमा भएको प्रगति र वर्तमान अवस्थाको संक्षिप्त समीक्षा (IEMIS) माफत गरिएको छ । एकीकृत शैक्षिक व्यवस्थापन तथा सूचना प्रणाली (IEMIS) लाई वेभमा आधारित बनाइए तापनि धेरैजसो विद्यालयमा कम्प्युटरलागयत सूचना प्रविधिसम्बन्धी सामग्री तथा इन्टरनेट कनेक्टिभिटीको प्रभावकारी पहुँच र प्रयोग नहुनाले यसलाई पूर्ण रूपमा विद्यालयमा आधारित बनाउन सकिएको छैन । त्यसैगरी विद्यालय, प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिम र उच्च शिक्षाका अलगअलग शैक्षिक सूचना पद्धति भएकाले तिनीहरूविच सम्बन्ध स्थापित गर्न कठिनाई भएको छ । विद्यालयहरूमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको संरचना विकासका वार्षिक रूपमा लागनी गरिएको हुँदा धेरैजसो माध्यमिक विद्यालयहरूमा कम्प्युटर लगायतका सामग्री उपलब्ध गराउने र इन्टरनेट कनेक्टिभिटीका केही काम भएपनि एकातिर यी सुविधाहरू न्यून छन् भने अर्कोतिर शिक्षण सिकाइमा यी स्रोतहरूको प्रयोग गर्ने विद्यालयहरूको सङ्ख्या ज्यादै कम रहेको छ । डिजिटल सामग्री निर्माण केही मात्रामा भएपनि पर्याप्त मात्रामा सामग्री उपलब्ध नहुनु, भएका सामग्रीहरू पनि अन्तरक्रियात्मक नहुनु र सहज प्राप्त हुन नसक्नु जस्ता समस्याहरू रहेका छन् । उल्लिखित समीक्षाका आधारका नगर शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिसम्बन्धी निम्नलिखित चुनौतीहरू पहिचान गरिएको छ :

- ❖ सबै विद्यालयहरूमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिसम्बन्धी आधारभूत संरचना जस्तै विद्युत, इन्टरनेट कनेक्टिभिटीको आदिको प्रभावकारी विस्तार तथा व्यवस्था गराउनु,
- ❖ शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रभावकारी प्रयोगकालागि डाटा सेन्टर, डिजिटल ल्याब, डिजिटल पुस्तकालय सहितको एकीकृत प्रणालीको विकास गराउनु,
- ❖ अन्तरक्रियात्मक डिजिटल सामग्रीको पर्याप्त विकास र पहुँच पुऱ्याउनु,
- ❖ विभिन्न सबै किसिमका अपाङ्गता र अशक्त व्यक्तिकालागि उपयुक्त हुनेगरी सामग्री विकास र प्रयोग गर्न,
- ❖ सबै विद्यार्थीलाई सहज हुने गरी शैक्षिक व्यवस्थापन सूचना प्रणाली तथा लेखा प्रणाली व्यवस्थित गर्न,
- ❖ विभिन्न तहका सरकार तथा इन्टरनेट प्रदायक संस्थाहरूका विच समन्वय र सहकार्य व्यवस्थित गर्न ।

४.५.२. उद्देश्यहरू

- ❖ सिकाइलाई प्रभावकारी, गुणस्तरीय र सान्दर्भिक बनाउन सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोग विस्तार गर्नु,
- ❖ सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको अधिकतम प्रयोगका साथै बालमैत्री शिक्षण सिकाइ क्रियाकलाप सञ्चालन गर्नु,
- ❖ शिक्षासम्बन्धी विभिन्न सेवामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधि प्रयोग गरी सहज र छिटोछरितो र सस्तो बनाउनु,
- ❖ शिक्षाको समग्र व्यवस्थापनलाई सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोग गरी प्रभावकारी कार्यकुशल, पारदर्शी र समतामूलक बनाउनु ।

४.५.३. रणनीतिहरू

योजनाका उद्देश्यहरू हासिल गर्न निम्नलिखित रणनीतिहरू अवलम्बन गरिनेछन् :

- ❖ सबै विद्यालयहरूमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिका आधारभूत संरचना तथा उपकरणको भौतिक र प्राविधिक प्रबन्ध गर्ने ,
- ❖ नगरपालिकामा एकीकृत शैक्षिक सूचना तथा सञ्चार प्रविधि केन्द्रको विकास गर्ने ,
- ❖ सबै शिक्षकहरूको क्षमता विकास गरी शिक्षक पेसामा प्रवेशकालागि आधारभूत सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको सिप अनिवार्य गर्ने ,
- ❖ विभिन्न कक्षा र विषयकालागि अन्तरक्रियात्मक डिजिटल सामग्री र IEMIS विकास गर्ने,
- ❖ बाल मैत्री पाठ्यक्रम तथा पाठ्यसामग्रीको डिजिटलप्रति सहजै उपलब्ध हुने व्यवस्था गर्ने,
- ❖ विभिन्न किसिमका अपाङ्गता भएकाहरूकालागि उपयोगी हुने गरी डिजिटल सामग्री विकास गर्ने ,
- ❖ विश्वव्यापी रूपमा उपलब्ध शैक्षिक स्रोत सामग्रीहरूमा इन्टरनेटका सुविधा विस्तार मार्फत विद्यालय एवम विद्यार्थीहरूको पहुँचमा विस्तार गर्ने,
- ❖ आधारभूत पूर्वाधार सुनिश्चित गर्न सङ्घ, प्रदेश सरकारविच एकीकृत कार्यक्रम र बजेटको व्यवस्था माग गर्नुका साथै सम्बन्धित निकायहरू बीचमा समन्वय र सहकार्य गर्ने र नियमित स्रोत र साधनको उपलब्ध गर्ने ।

४.५.४. नतिजा, क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

क) उपलब्धि

- ❖ विद्यालयमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको विस्तार भई सिकाइलाई प्रभावकारी, गुणस्तरीय र सान्दर्भिक बनाउन सहयोग पुग्नुका साथै विद्यालय शिक्षा र विद्यालय व्यवस्थापनमा सुधार हुने ।

ख) नतिजा

- ❖ शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रभावकारी प्रयोगकालागि डाटा सेन्टर तथा डिजिटल ल्याब स्थापना र सञ्चालन हुने,
- ❖ प्रत्येक तालिम केन्द्र सूचना तथा सञ्चार प्रविधि केन्द्रको रूपमा विकास तथा सञ्चालन हुने,
- ❖ सबै विद्यालयमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको पूर्वाधार विकास भई सबैको पहुँच पुग्ने,
- ❖ विभिन्न कक्षा र विषयकालागि अन्तरक्रियात्मक डिजिटल सामग्री विकास भई ती सामग्रीमा विद्यार्थीको सहज पहुँच हुने,

- ❖ सबै सामुदायिक विद्यालयहरू र विद्यार्थीहरूमा सूचना र सञ्चार प्रविधिसम्बन्धी आधारभूत सुविधामा पहुँच पुग्ने,
- ❖ सबै माध्यमिक विद्यालयहरूले सिकाइ तथा व्यवस्थापकीय कार्यमा सूचना र सञ्चार प्रविधिको प्रयोग गरेका हुने,
- ❖ बालमैत्री पाठ्यक्रम तथा पाठ्य सामग्रीको डिजिटलप्रति सहजै उपलब्ध हुने व्यवस्था हुने,
- ❖ सूचना प्रविधिमा आधारित शिक्षक सहायता प्रणालीको विकास तथा सञ्चालन हुने,
- ❖ सामुदायिक सिकाइ केन्द्रमा सूचना प्रविधिको प्रयोगमा विस्तार हुने,
- ❖ सूचना प्रविधिको प्रयोगले विद्यालयदेखि सङ्घीय निकायहरूसम्मको व्यवस्थापन र सुशासनमा सुधार आउने,
- ❖ अनुगमन, मूल्याङ्कन तथा प्रतिवेदन प्रणालीमा सुधार भई लागत, जनशक्ति र समयको बचत हुने ।

ग) प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधि सम्बन्धी क्रियाकलापहरू तथा लक्ष्य

| क्र. सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|----------|--|----------|-----------------------|---|---|---|---|-------|------------------------|-------------------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| १ | विद्यालयमा ICT संरचना विस्तार | विद्यालय | | | | | | ४६ | | सबै |
| २ | प्रत्येक विद्यालयमा Internet Connectivity को व्यवस्था | विद्यालय | | | | | | ४६ | | सबै |
| ३ | शिक्षकहरूको क्षमता विकास | विद्यालय | | | | | | ४६ | | छोटो अवधिका तालिम |
| ४ | प्रत्येक विद्यालयमा अन्तर क्रियात्मक डिजिटल सामग्रीको उपलब्धता | विद्यालय | | | | | | ४६ | | सबै |
| ५ | IEMIS व्यवस्थापन | विद्यालय | | | | | | ४६ | | सबै |
| ६ | सामुदायिक सिकाइ केन्द्रहरूको क्षमता विकास | पटक | | | | | | ३ | | |

४.६. खुसी कार्यक्रम

आजको एक्काइसौ सताब्दीमा मानिसले विकासको उच्च शिखरमा पुगेको अवस्था छ । हरेक क्षेत्रमा विकासको विगुल मानव जातिले बजाई सकेको अवस्था छ । तर दिन प्रतिदिन मानवीय गुणहरू मानवबाट ह्रास भएको अवस्था छ । उदाहरणको लागि एउटा मानिस १८ देखि २० वर्षको आफ्नो अध्ययनमा खर्चेको हुन्छ । उ अध्ययन पश्चात डाक्टर, इन्जीनियर, वकील, शिक्षक, अधिकृत र अन्य पदमा पुग्छ तर उसमा हुनु पर्ने मानव मुल्य शिक्षा कति पनि विकास भएको पाइदैन । डाक्टरले औषधि उपचार पैसाको लागि गरेको हुन्छ उसले मानवीय व्यवहार देखाउदैन । यसै गरी अरु पेशाकर्मिले पनि आफ्नो जिम्मेवारी के हो त्यस प्रति जवाफदेही भएको विरलै पाइन्छ । मानिसले धन सम्पत्ति कमाएर त्यसमा खुशी वा सुख खोजेको हुन्छ र यही भ्रममा पुरै जीवन बिताइदिन्छ तर उसलाई खुशी प्राप्त हुनसकेको हुदैन । त्यसैले हाम्रो विद्यालयीय पाठ्यक्रममा केही न केही कमी छ र त्यो कमीलाई हटाउनका लागि यो १८ देखि २० वर्षे विद्यार्थी जीवनमा “हाम्रो खुशी” भन्ने पाठ्यक्रम समावेश गरेर सधैका लागि खुशीको अभ्यास गराउन मध्यविन्दु नगरपालिका लागी परेको अवस्था छ ।

४.६.१ उद्देश्य (Objectives)

हाम्रो खुशी को मुख्य उद्देश्य भनेको "Ensuring Human Values Through Education" हो । विद्यार्थीहरूमा सुविधा र सुख बीच अन्तर बुझाएर सुविधाबाट मात्रै सुख प्राप्त हुदै बरु सुख प्राप्त गर्ने माध्यम अर्कै छ त्यसको अभ्यास गराउनु जसले गर्दा उसको पुरा जीवन खुशी साथ वितोस् भन्ने उद्देश्य लिएको छ । हाम्रो खुशी पाठ्यक्रम लागु गराएर विद्यार्थीहरूमा के कस्ता बानी बेहोराको विकास हुनेछ यसलाई सारांशमा यसरी व्यक्त गर्न सकिन्छ ।

- क) विद्यार्थीहरूमा मानवीय मुल्य मान्यताको विकास हुने ।
- ख) विद्यार्थीहरूमा प्रकृति प्रति सकारात्मक सोचको विकास हुने ।
- ग) सुविधा भोगी हुनु भन्दा खुशी हुने तिर प्रेरित गराउने ।
- घ) सम्बन्ध विकासमा बढी महत्त्व दिने ।
- ङ) आफ्नो अध्ययन प्रति सजक हुने र जिम्मेवार बन्ने ।
- च) प्रकृतिलाई जोगाउन आफ्नो भूमिका खोज्ने ।
- छ) घरपरिवारमा आफ्नो भूमिकाको खोजी गर्ने ।
- ज) व्यक्तिगत सरसफाईका साथै आफ्नो वरपरको वातावरणलाई सफा सुगधर राख्ने बानीको विकास हुने ।
- झ) असल मानव भएर जीवन निर्वाह गर्न सक्षम हुने ।
- ञ) कक्षा कोठामा खुशी साथ अध्ययन गर्ने वातावरण निर्माण हुने ।
- ट) समुन्नत समाजको निर्माणमा आफ्नो भूमिका निर्वाह गर्ने, आदि ।

४.६.२ कार्यान्वयन प्रक्रिया (Implementation Process)

हाम्रो खुशी पाठ्यक्रम कार्यान्वयन हेतु मध्यविन्दु नगरपालिकाले एउटा इकाइको स्थापना गरेको छ जसको नाम "पाठ्यक्रम अध्ययन तथा अनुसन्धान केन्द्र (Curriculum Study and Research Centre)-CSRC" रहेको छ । शिक्षा युवा तथा खेलकुद शाखा मध्यविन्दु नगरपालिका र CSRC मार्फत यो पाठ्यक्रम लागु हुनेछ । यसको सफल कार्यान्वयनका लागि मध्यविन्दु नगरपालिकाले छुट्टै बजेटको पनि व्यवस्था गरेको छ । पाठ्यक्रम निर्माणका लागि ७ दिने शिविर नगरपालिका भरीका ६४ वटा विद्यालयका प्र अ सरहरूको लागि सम्पन्न भैसकेको छ । त्यस पश्चात ५ दिने "पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला" खुशी पाठ्यक्रम दिल्लीका अभियन्ता श्री श्रवण कुमार शुक्लाको सहजीकरणमा नगर भरीका विद्यालयहरूबाट २८ जना शिक्षकहरूको सहभागिता गराई सम्पन्न भइसकेको छ । पाठ्यक्रमको मसौदा तयारी अवस्थामा छ । अब यसको अन्तिम स्वरूप यही आउँदो साउन २ देखि ६ गतेसम्म सम्पन्न गरिने छ, त्यस लगत्तै "Teacher's Hand Book" तयार गरी परीक्षणमा लगिनेछ । यसको सफल कार्यान्वयनका लागि नगर भित्रका सम्पूर्ण शिक्षक र अभिभावक दुवैलाई अभिमुखिकरण तालिम दिइनेछ । यसरी यसको निरन्तर सफल कार्यान्वयनका लागि प्रत्येक विद्यालयमा एउटा School Happiness Resource Teacher (SHRT) र नगर स्तरमा ९ जना Madhyabindu Happiness Resource Teacher (MHRT) तोक्यो जिम्मेवारी दिइनेछ । यसरी कार्यान्वयनको योजना निर्माण गरी प्रक्रियामा लगिनेछ ।

परिच्छेद ५ - सुशासन तथा व्यवस्थापन

शिक्षा पद्धतिमा निर्णय तथा कार्यान्वयनको समग्र प्रक्रियाले शासकीय प्रबन्ध लाई संडकेत गर्दछ । विद्यालय क्षेत्रको यस शिक्षा योजनाका सन्दर्भमा शासकीय प्रबन्ध अन्तर्गत योजनाको प्रभावकारी ढङ्गले कुशलतापूर्वक कार्यान्वयन गरी बालबालिकाको सहभागिता र सिकाइमा सुधार गर्न आवश्यक संरचना, भूमिका तथा कार्य प्रक्रिया समावेश गरिएको छ । यस्ता संरचना तथा कार्य प्रक्रियाहरूले सहभागिता तथा सहमतिमा निर्णय गर्नु र निर्णय कार्यान्वयन गर्न निश्चित दृष्टिकोण वा उद्देश्यमा आधारित हुनु, कार्यसम्पादनमा प्राथमिकता दिई उत्तरदायी हुनु, कार्यसम्पादनमा प्रभावकारिता तथा कार्यकुशलता कायम गर्नु, विद्यार्थीको सिकाइप्रति जवाफदेही भई पारदर्शी हुनु र विधिको सर्वोच्चता तथा समतालाई प्रोत्साहन गरी सुशासनको प्रत्याभूति गर्नुपर्दछ । शिक्षामा तीनै तहका सरकार विद्यालय तथा समुदाय, गैरसरकारी निकाय तथा विकास साभेदारहरूको भूमिकालाई विशेष महत्व प्रदान गरिन्छ । यस योजनाको कार्यान्वयनकालागि आवश्यक संस्थागत संरचनासहित क्षमता विकास, योजना कार्यान्वयनको जिम्मेवारी सहितको प्रबन्ध र उपयुक्त अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणाली स्थापित गरिएको छ । सुशासन तथा व्यवस्थापनसम्बन्धी पक्षहरूको उचित व्यवस्थापनकालागि योजनाका उद्देश्य, अपेक्षित नतिजा र कार्यक्रमको स्वरूप संवैधानिक प्रावधान अनुसारको सङ्घीय संरचनामा विभिन्न तहका सरकारको दायित्व तथा ज्ञान प्रविधि, मूल्यमान्यता र दृष्टिकोणमा आएको परिवर्तनलाई विचार गरिएको छ । संविधानमा सङ्घीय एकाइहरूकालागि एकल र साभ्ना अधिकार तथा दायित्वको रूपमा विषयहरू प्रस्तुत भएका सन्दर्भमा एकल अधिकार मूल रूपमा प्रभावी भई साभ्ना अधिकार परिपुरक वा समपुरक भएर आउँछ भन्ने विषयलाई ध्यान दिनाका साथै शिक्षामा विशिष्टीकृत प्रकृतिका कार्यको सञ्चालन तथा व्यवस्थापनकालागि विशेष प्रबन्धको व्यवस्थापनमा विशेष जोड दिइएको छ । योजना कार्यान्वयन तथा व्यवस्थापनमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोग, समता र समावेशिताको प्रवर्धन, नतिजाप्रतिको जिम्मेवारी र उत्तरदायित्वजस्ता पक्षहरूलाई प्राथमिकता प्रदान गरिएको छ ।

यस परिच्छेदमा सुशासन प्रवर्धन गरी शिक्षा क्षेत्रको यस योजनाको कार्यान्वयनबाट अपेक्षित नतिजा हासिल गर्नकालागि आवश्यक संस्थागत संरचना, क्षमता विकास योजना कार्यान्वयनको समग्र व्यवस्था र अनुगमन, मूल्याङ्कन तथा प्रतिवेदन प्रणालीका सम्बन्धमा वर्तमान अवस्थाको समीक्षा गरिएको छ । वर्तमान अवस्थाको समीक्षाका आधारमा यस योजनाका अपेक्षित नतिजा प्राप्तिकालागि प्रस्तावित कार्यक्रमहरूको कुशल तथा प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नकालागि आवश्यक संस्थागत संरचना, क्षमता विकास योजना कार्यान्वयनको समग्र व्यवस्था र अनुगमन, मूल्याङ्कन तथा प्रतिवेदन प्रणालीको स्वरूप प्रस्तुत गरिएको छ । यसमा योजना कार्यान्वयनकालागि आवश्यक संस्थागत संरचना तथा क्षमता विकाससहित सुशासन प्रवर्धन योजना कार्यान्वयनको समग्र व्यवस्था र अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीको गरी तीन खण्डमा विषयवस्तु प्रस्तुत गरिएको छ ।

५.१. संस्थागत संरचना र क्षमता विकास

नेपालको शिक्षा क्षेत्रको वर्तमान संस्थागत संरचना सङ्घीय स्वरूपमा तीनै तहमा प्रवाह गरी शैक्षिक सेवालालाई निरन्तर गर्ने तत्कालीन समस्या समाधानकालागि कर्मचारीको व्यवस्थापन र सँगठनात्मक स्वरूपमा केही परिवर्तन गरी व्यवस्थापन गरिएको छ । बदलिदो परिवेशअनुसार शासकीय संरचना, प्रक्रिया र क्षमता सुधार गरिएमामात्र शैक्षिक गतिविधि प्रभावकारी भई सुशासन कायम हुने भएकाले सङ्घीय संरचनाअनुसार तीन तहको सरकारका अधिकार तथा दायित्व शिक्षामा भएको सङ्ख्यात्मक विस्तार विज्ञान प्रविधि र सञ्चारमा

भएको विकास, सामाजिक चेतनामा आएको परिवर्तन लगायतका पक्षहरूलाई समेत विचार गरेर संस्थागत संरचना र क्षमता विकास गरी सुशासन प्रवर्धन गर्नु आवश्यक देखिएको छ ।

यस योजनामा प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा, आधारभूत शिक्षा र माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच र सहभागिता सुनिश्चित गरी गुणस्तरमा सुधार अनौपचारिक तथा आजीवन सिकाइका अवसरहरूको विस्तार र समता तथा समावेशिताको प्रवर्धनसहित जवाफदेही शैक्षिक सुशासन कायम गर्ने उद्देश्यले आवश्यक संस्थागत संरचना र प्रक्रिया स्थापित गर्न खोजिएको छ भने त्यसकालागि आवश्यक पर्ने क्षमता विकासको आवश्यकता पनि पहिचान गरिएको छ । यस खण्डमा सुशासन प्रवर्धन गरी शिक्षा विकासका कार्यक्रमहरू कार्यान्वयनकालागि विद्यमान पद्धतिको समीक्षा गरी यस विद्यालय क्षेत्रको योजनाको प्रभावकारी र कुशल कार्यान्वयनकालागि संस्थागत संरचना, क्षमता र प्रक्रियामा देखिएका चुनौतीहरू पहिचान गरिएको छ । पहिचान गरिएका चुनौतीहरू सामना गरी सुशासन प्रवर्धन गर्नकालागि आवश्यक संरचना, क्षमता र प्रक्रियाको विकास तथा परिवर्तनको प्रस्ताव पनि गरिएको छ ।

५.१.१. वर्तमान अवस्था

विद्यालय शिक्षाको सञ्चालन तथा व्यवस्थापन गर्नकालागि सङ्घीय, प्रादेशिक र स्थानीय तहमा ऐन तथा नियमावलीहरूको निर्माण तथा परिमार्जन नभएकोले कार्यान्वयनमा जटिलता सिर्जना भएको छ । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ कार्यान्वयनमा आएपछि त्यस ऐनबमोजिम तोकिएका २३ ओटा कार्य बाहेक अन्य कार्यकालागि जिल्ला तहमा शिक्षा विकास तथा समन्वय एकाइ राखियो तर ती एकाइको कामलाई प्रभावकारी बनाउन सकिएको छैन । एकातिर समन्वयकोलागि कायम भएका जिल्लाको समन्वय एकाइ क्रियाशील र प्रभावकारी नभएको अवस्था छ भने अर्कोतर्फ प्रदेश सरकारहरूले प्रदेश स्तरका सेवा प्रवाह गर्न क्षेत्रीय स्तरमा डिभिजन कार्यालय स्थापना गर्ने क्रम बढेको छ । त्यसैगरी प्रदेश शिक्षा निर्देशनालयको भूमिका पनि पुनर्परिभाषित गर्नु पर्ने देखिन्छ । जिल्ला समन्वय एकाइ र प्रदेश निर्देशनालयमा ठूला संरचना र पूर्वाधार छन् तर उपयोग नहुँदा जिर्ण हुँदै जाने अवस्था छ । साविकको परीक्षा नियन्त्रण कार्यालय र उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद् गाभिएर सङ्घमा राष्ट्रिय परीक्षा बोर्ड गठन भएको छ तापनि स्थानीय तहबाट सञ्चालन हुने आधारभूत तहको अन्तिम परीक्षामा सहजीकरण कसरी गर्ने, कक्षा १० को परीक्षा सञ्चालन र व्यवस्थापनकालागि प्रदेश तहमा कस्तो संरचना रहने र कक्षा १२ को परीक्षा राष्ट्रिय तहमा सञ्चालनकालागि कस्तो संस्थागत प्रबन्ध हुनुपर्ने भन्ने विषय पनि स्पष्ट हुन सकेको छैन । विद्यालयमा सञ्चालन भइरहेको प्राविधिक धार लगायत हाल प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिम परिषदद्वारा सञ्चालन भएका पोलिटेक्निक र ट्रेडस्कुललगायत निजी प्रदायकबाट सञ्चालन भइरहेका कार्यक्रमहरूलाई व्यवस्थित बनाउन सङ्घ र प्रदेश स्तरमा कस्तो संरचना उपयुक्त हुन्छ भन्ने विषय पनि टुङ्गो लागेको अवस्था छैन । विद्यालय निरीक्षक र स्रोत व्यक्तिले प्रदान गर्दै आएका सेवा समाप्त प्रायः भई विद्यालयहरूमा शिक्षक सहयोगको पद्धति नै टुटेको अवस्था छ । सरकारका विभिन्न तहहरू बिच सहजीकरण र समन्वयनका पक्षमा सुधार गर्नु पर्ने आवश्यकता महसुस भएको छ भने नतिजा प्रतिको जवाफदेहितामा सुधार गर्नु पर्ने छ । समग्रमा राज्यका तीन तहका सरकारले एउटै लय र गतिमा तर आ-आफना भिन्नभिन्न विशेषता र क्षमतालाई सम्बोधन गर्ने किसिमको संस्थागत व्यवस्था, क्षमता विकास र सो अनुसार कार्यान्वयन गर्ने सफलताकालागि थप कार्य गर्नु पर्ने देखिन्छ । यस्ता कार्य गर्नकालागि यस मध्यविन्दु नगरपालिकालागि निम्न प्रकारका चुनौतीहरू सामना गर्नुपर्ने छ ।

- ❖ नगरपालिकाभित्रका शैक्षिक गतिविधिको समन्वय सहअस्तित्व र सहकार्य सहकारिताको संवैधानिक प्रत्याभूतिका आधारमा सञ्चालन गर्नकालागि तिन तहको राज्य व्यवस्था अन्तरसम्बन्ध सुदृढ बनाउने संयन्त्र र संस्थागत व्यवस्था गराउन,
- ❖ विभिन्न अनुसन्धानका नतिजा र विद्यार्थीको उपलब्धिलाई मध्यनजर गर्दै शैक्षिक अनुसन्धान, नतिजालाई सम्बोधन गर्ने सक्ने किसिमको संरचना र जनशक्तिको व्यवस्था गर्न,
- ❖ कार्यसम्पादनप्रति उत्तरदायी तथा नतिजाप्रतिको जवाफदेही र समता तथा समावेशितालाई प्रोत्साहन गरी शिक्षामा सुशासन अभिवृद्धि गर्न,
- ❖ विद्यालयका शिक्षक तथा प्रधानाध्यापक र स्थापित अन्य संरचना र संयन्त्रमा काम गर्ने कर्मचारी र संस्थाको क्षमता अभिवृद्धि गराउन ।

५.१.२. उद्देश्य

यस योजनामा सुशासनकालागि संस्थागत संरचना र क्षमता विकाससम्बन्धी समग्र उद्देश्य सङ्घीय संरचना बमोजिम सरकारको सबै तह र निकायमा शिक्षाको शासकीय प्रबन्धलाई थप सुदृढ बनाउदै नतिजामुखी व्यवस्थापन प्रवर्द्धन गर्नु रहेको छ । यस योजनामा सुशासन प्रवर्द्धनकालागि संस्थागत संरचना र क्षमता विकास सम्बन्धी उद्देश्यहरू निम्न अनुसार रहेका छन् :

- ❖ नगरपालिकाभित्रका शैक्षिक गतिविधिको समन्वय सहअस्तित्व र सहकार्य सहकारिताको संवैधानिक प्रत्याभूतिका आधारमा सञ्चालन गर्नकालागि सङ्घ र प्रदेशसित अन्तरसम्बन्ध सुदृढ बनाउने संयन्त्र र संस्थागत व्यवस्था गर्नु,
- ❖ विभिन्न अनुसन्धानका नतिजा र विद्यार्थीको उपलब्धिका नतिजाबाट प्राप्त गुणस्तरको कमजोर नतिजालाई सम्बोधन गर्न गुणस्तर सम्बोधन गर्ने संरचना र जनशक्तिको व्यवस्था गर्नु,
- ❖ कार्यसम्पादनप्रति उत्तरदायी तथा नतिजाप्रतिको जवाफदेही र समता तथा समावेशितालाई प्रोत्साहन गरी शिक्षामा सुशासन अभिवृद्धि गर्नु,
- ❖ विद्यालयका शिक्षक तथा प्रधानाध्यापक र स्थापित अन्य संरचना र संयन्त्रमा काम गर्ने कर्मचारी र संस्थाको क्षमता अभिवृद्धि गर्नु ।

५.१.३. रणनीतिहरू

योजनाका उद्देश्यहरू हासिल गर्न निम्नलिखित रणनीतिहरू अवलम्बन गरिनेछन् :

- ❖ शिक्षाको व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी बनाउन आवश्यक नीति तर्जुमा गर्ने ,
- ❖ संस्थागत संरचनाअनुसार जनशक्तिको व्यवस्था गर्ने र कार्यरत जनशक्तिको क्षमता विकास गर्ने ।
- ❖ प्रधानाध्यापक, विद्यालय व्यवस्थापन समिति अध्यक्षलाई थप जिम्मेवार बनाई क्षमता विकास गर्ने र शिक्षक पेसागत सहयोग प्रणाली स्थापना गर्ने ,
- ❖ कार्यक्रमको प्रभावकारी ढङ्गबाट कार्यसम्पादन गर्नकालागि आवश्यक स्रोतसाधनहरूको व्यवस्थापन गर्ने,

५.१.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप

क) उपलब्धि

- ❖ स्थानीय तहमा आवश्यक पर्ने जनशक्तिको व्यवस्थापन, संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि भई उत्तरदायित्व तथा जिम्मेवारीमा वृद्धि भएको हुने र आवश्यक स्रोत साधनको व्यवस्थापन भई प्रभावकारी रूपमा कार्यसम्पादन भएको हुने,

ख) नतिजाहरू

- ❖ तीनै तहका सरकार विद्यालयलगायत शिक्षाको शासकीय तथा व्यवस्थापकीय कार्यकालागि आवश्यक संरचना तथा जनशक्ति तयार हुने,
- ❖ तीनै तहका सरकार विद्यालयलगायत शिक्षाको शासकीय तथा व्यवस्थापनमा सहभागी हुने सबै निकायको दायित्व र अधिकार स्पष्ट हुने,
- ❖ शिक्षाको शासकीय प्रबन्ध तथा व्यवस्थापनमा सहभागी हुने सबै निकाय तथा जनशक्तिको क्षमता विकास गर्ने पद्धति स्थापना भई क्षमता सुधार हुने,
- ❖ शिक्षा सेवा प्रवाह सहभागितामूलक, कार्यसम्पादनप्रति उत्तरदायी, विद्यार्थीको सिकाइप्रति जवाफदेही, समतामूलक तथा समावेशी भई कार्यसम्पादन उद्देश्यमूलक, प्रभावकारी तथा कुशल हुने ।

ग) प्रमुख क्रियाकलाप र लक्ष्य

संस्थागत संरचनाकालागि प्रमुख क्रियाकलाप र लक्ष्य

| क्र. सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|----------|---|------|-----------------------|---|---|---|---|-------|------------------------|---------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| १ | आवश्यक कानूनी प्रबन्ध तथा मापदण्ड विकास | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | निरन्तर |
| २ | संस्थागत संरचना निर्माण तथा क्षमता विकास | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | निरन्तर |
| ३ | प्रतिवेदन तथा तथ्याङ्क प्रणालीको सुदृढीकरण | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | निरन्तर |
| ४ | कार्य सम्पादन करार गरी सबैलाई नतिजा प्रति जिम्मेवार बनाउने | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | निरन्तर |
| ५ | शिक्षक तथा समग्र विद्यालय शिक्षा प्रणालीलाई सिकाइ प्रति उत्तरदायी बनाउने पद्धति विकास गरी कार्यान्वयन | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | निरन्तर |
| ६ | स्थानीय तहमा शिक्षक पेसागत सहयोग प्रणाली स्थापना तथा सञ्चालन | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | निरन्तर |
| ७ | अनौपचारिक शिक्षा र जीवन पर्यन्त सिकाइ सम्बन्धी संयन्त्र विकास गर्ने | | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | | निरन्तर |
| ८ | विद्यालय स्वास्थ्य तथा पोषण, सरसफाइ तथा | | | | | | | | | निरन्तर |

| क्र. सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरू | एकाइ | भौतिक लक्ष्य (५ वर्ष) | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|----------|--|------|-----------------------|---|---|---|---|------------------------|--------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | | |
| | स्वच्छता, विपद तथा महामारी सम्बन्धी सेवा तथा समन्वयकालागि संयन्त्र विकास गर्ने | | | | | | | | |

५.२. स्थानीय शिक्षा योजना कार्यान्वयनको प्रबन्ध

सङ्घमा रहेको शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालयले समग्र शिक्षा नीति तथा योजना तर्जुमा, राष्ट्रिय योजना आयोग, अर्थ मन्त्रालय तथा अन्य विषयगत मन्त्रालयहरूसँग समन्वय तथा सहकार्य गरिरहेको छ । विकास साझेदारहरूसँग सहकार्य तथा समन्वय गर्ने र योजना तथा कार्यक्रमहरूको समग्र अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने जिम्मेवारी पनि शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालयको रहेको छ । मन्त्रालय अन्तर्गत समग्र विद्यालय क्षेत्रका कार्यक्रमको रणनीतिक योजना विकास, समन्वय, मापदण्ड विकास, अनुगमन तथा शैक्षिक सूचनाको व्यवस्थापन, शिक्षक तालिमका कोर्सहरू विकास तथा शिक्षा सेवाका कर्मचारीको क्षमता विकास गर्नकालागि शिक्षा तथा मानव स्रोत विकास केन्द्र, पाठ्यक्रम तथा पाठ्यसामाग्री विकासकालागि पाठ्यक्रम विकास केन्द्र र शैक्षिक पद्धति नीति तथा कार्यक्रमको उपलब्धि तथा प्रभाव अध्ययन गरी सुधारका मार्ग पहिचान गर्न सघाउने कार्यकालागि शैक्षिक गुणस्तर परीक्षण केन्द्र सहितका विभागीय निकायहरूसँग स्थानीय सरकारको तर्फबाट नगरपालिकाले समन्वयकारी भूमिका खेल्नु पर्ने देखिन्छ ।

योजना कार्यान्वयनको प्रबन्धमा वार्षिक योजना तथा बजेट तर्जुमा, क्रियाकलाप निर्धारण तथा कार्यान्वयन, वित्तीय व्यवस्थापन तथा अनुगमन र मूल्याङ्कन लगायत कार्यान्वयनकालागि आवश्यक संरचना, जनशक्ति प्रक्रिया र जिम्मेवारी तथा उत्तरदायित्वहरू उल्लेख गरिएको छ । कार्यान्वयन प्रबन्ध तयार गर्दा विचार पुऱ्याउनु पर्ने अर्को पक्ष भनेको यस योजनाको कार्यान्वयन संरचना तथा प्रक्रियाले समग्र शिक्षा प्रणालीलाई प्रभाव पार्ने भएकाले कार्यान्वयन प्रबन्धको दिगोपन, प्रभावकारिता तथा कार्यकुशलतामा ध्यान दिनु पर्नेछ । कार्यान्वयन प्रबन्ध अन्तर्गत आवश्यक सङ्गठन तथा संरचना, जनशक्ति, नीति, कानून तथा मापदण्डसहितको जिम्मेवारी र उत्तरदायित्व पर्दछन् । यस खण्डमा कार्यान्वयनको प्रक्रिया तथा जिम्मेवारीलाई थप स्पष्ट पारिएको छ । उल्लिखित सन्दर्भमा यस खण्डमा शिक्षा क्षेत्रको यो योजना कार्यान्वयनको प्रबन्ध उल्लेख गरिएको छ । यस खण्डमा कार्यान्वयन प्रबन्धको र जिम्मेवारी मात्र समावेश गरी सङ्घ, प्रदेश स्थानीय तह तथा विद्यालय अन्तर्गत कार्यान्वयनको जिम्मेवारी तथा प्रक्रिया इङ्गित गरिएको छ ।

५.२.१ वर्तमान व्यवस्था

शिक्षा व्यवस्थापन सूचना प्रणालीमार्फत विद्यालयबाहिर रहेका बालबालिकाको निगरानी गर्न सरकारी कर्मचारीलाई सघाउने र नयाँ संघीय संरचना अन्तर्गत स्थानीय सरकारले शिक्षा क्षेत्रको योजना कार्यान्वयनको प्रबन्धकालागि स्थानीय योजना तथा कार्यक्रमहरूको कार्यान्वयन गर्न साहायता प्रदान गर्न शिक्षा क्षेत्रको संरचनात्मक रूपान्तरण गर्नुपर्ने देखिन्छ । यस योजनाको प्रभावकारी र कुशल कार्यान्वयनकालागि वर्तमान प्रबन्धमा परिमार्जन तथा सुधार आवश्यक देखिएको छ । शिक्षा क्षेत्रको योजना कार्यान्वयनको प्रबन्धका सम्बन्धमा स्थानीय निकायले विभिन्न किसिमका नीति तथा कार्यक्रमहरूको तर्जुमा गरिरहेको छ । पर्याप्त मात्रामा परामर्शको अभावका कारण नीति तथा कार्यक्रमहरूले स्थानीय आवश्यकताहरू समेट्न सकिरहेको छैन ।

विभिन्न किसिमका स्थानीय स्तरका शैक्षिक योजनाहरु निर्माण तथा त्यसको कार्यान्वयन गर्न क्रममा हाल नगरपालिकाले भोग्नु परेका समस्या तथा चुनौतीहरु निम्नअनुसार छन् :

- ❖ स्रोत केन्द्र पद्धति विघटन भई अर्को स्थानीय शिक्षक सहायता पद्धति स्थापना नहुँदा देखिएको कठिनाइ हटाउनकालागि स्थानीय शिक्षक सहायता पद्धति विकास गर्न,
- ❖ शिक्षक तालिमको क्षमता विस्तार गर्न,
- ❖ विद्यालय शिक्षाका सन्दर्भमा प्रदेश तहको भूमिका तथा कार्यविवरण स्पष्ट गर्न र तदनुकूल कार्यान्वयन संयन्त्र पुनर्संरचित गर्न,
- ❖ सङ्घीय सरकारबाट प्राप्त सशर्त अनुदानबाहेक अन्य अनुदान तथा प्रदेश र स्थानीय तहको आम्दानीबाट प्राप्त हुने बजेटलाई एकीकृत गरी स्थानीय तहमा शिक्षा योजना निर्माण गर्न,
- ❖ आवश्यक सूचनाको सहज आदान प्रदान गर्ने र अनुगमन प्रतिवेदनलाई व्यवस्थित गरी सरोकारवालाहरुले सहजै प्राप्त गर्न सक्ने व्यवस्था मिलाउन ।

५.२.२. उद्देश्य

- ❖ कार्यक्रम कार्यान्वयनकालागि आवश्यकतानुसार कानून, कार्यविधि तथा निर्देशिका विकास गर्नु,
- ❖ सङ्घीय तथा प्रदेश तहबाट वित्तीय हस्तान्तरणमार्फत प्राप्त सशर्त अनुदान तथा अन्य अनुदान र आफ्नै स्रोतको बजेटसमेत संलग्न गरी वार्षिक शिक्षा बजेट तथा कार्यक्रम तयार गर्नु,
- ❖ कार्यक्रम कार्यान्वयनको नियमित अनुगमन तथा सहजीकरण आवश्यक नीति निर्देशन तथा समन्वय गर्नु,
- ❖ वित्तीय व्यवस्थापन, खरिद प्रक्रिया, शिक्षक व्यवस्थापनकालागि प्रभावकारी कार्यान्वयनको सुनिश्चितता गर्नु,
- ❖ स्थानीय शिक्षक सहायता पद्धति विकास र पुनर्संरचित गर्नु,
- ❖ अभिभावक भेला, सामाजिक परीक्षण तथा बैठकहरू आयोजना र सामाजिक परीक्षण अभिभावक तथा सरोकारवालाहरूसँग अन्तरक्रिया तथा सहकार्य गर्नु ।

५.२.३. रणनीतिहरू

योजनाका उद्देश्यहरू हासिल गर्न निम्नलिखित रणनीतिहरू अवलम्बन गरिनेछन् :

- ❖ सङ्घीय तथा प्रदेश तहबाट वित्तीय हस्तान्तरणमार्फत प्राप्त सशर्त अनुदान तथा अन्य अनुदान र आफ्नै स्रोतको बजेटसमेत संलग्न गरी वार्षिक शिक्षा बजेट तथा कार्यक्रम तयार गर्ने,
- ❖ कार्यक्रम कार्यान्वयनकालागि आवश्यकतानुसार कानून, कार्यविधि तथा निर्देशिका विकास गर्ने,
- ❖ कार्यक्रम कार्यान्वयनको नियमित अनुगमन तथा सहजीकरण गरी विद्यालयमा कार्यक्रमहरू प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन हुने सुनिश्चितताका साथै समस्या समाधानकालागि आवश्यक नीति निर्देशन तथा समन्वय गर्ने,
- ❖ एकीकृत शैक्षिक सूचना व्यवस्थापनमार्फत नियमित रूपमा कार्यक्रम कार्यान्वयन तथा त्यसका नतिजाहरूको विवरण तयार गर्ने, त्यसको समीक्षा गरी थप सुधारमा प्रयोग गर्ने,
- ❖ विद्यालयमा विद्यालय व्यवस्थापन समिति र शिक्षक अभिभावक सङ्घ गठन गर्ने र विद्यालयलाई विद्यालय सुधार योजना विकास र कार्यान्वयनमा सहजीकरण गर्ने,
- ❖ वित्तीय व्यवस्थापन, खरिद प्रक्रिया, शिक्षक व्यवस्थापन तथा शिक्षकको कक्षा कोठामा समय तथा कार्यको सुनिश्चिततासम्बन्धी आवश्यक मापदण्ड तयार गरी लागु गर्ने,

- ❖ अभिभावक तथा सरोकारवालाहरूसँग अन्तरक्रिया तथा सहकार्य गर्न अभिभावक भेला तथा बैठकहरू आयोजना गर्ने र सामाजिक परीक्षणलाई प्रभावकारी बनाउने ।

५.२.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप र लक्ष्य

क) उपलब्धि

- ❖ शिक्षा क्षेत्रको योजना कार्यान्वयनको प्रबन्धकालागि शिक्षा योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनको सुनिश्चितता हुने,

ख) नतिजा

- ❖ शिक्षाका सबै निकाय तथा विद्यालयमा सुशासन प्रवर्द्धन भई बालबालिकाको सिकाइप्रति उत्तरदायी प्रणालीको विकास हुने,
- ❖ शैक्षिक योजना निर्माण, कार्यान्वयन र अनुगमन तथा सहजीकरण हुने,
- ❖ स्थानीय तवरमा बजेटका स्रोतहरूको पहिचान सहित आवश्यकता पूर्ण बजेट निर्माण हुने,
- ❖ नगरपालिकाको शिक्षा सम्बन्धी योजनाहरूमा अभिभावक तथा सरोकारवालाहरूको अपनत्व जाग्ने ।

ग) प्रमुख क्रियाकलाप र लक्ष्य

| क्र. सं. | प्रमुख क्रियाकलाप | एकाइ | भौतिकवर्ष (१० वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|----------|---|------|----------------------|---|---|---|---|-------|------------------------|-----------------|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| १ | वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम निर्माण | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| २ | आवश्यक कानून निर्देशिका तथा कार्यविधिको विकास | | | | | | | | | आवश्यकता अनुसार |
| ३ | कानून निर्देशिका मापदण्डको प्रबोधीकरण | | | | | | | | | आवश्यकता अनुसार |
| ४ | विद्यालय सुधार योजना निर्माण एवम् अद्यावधिक | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |
| ५ | एकीकृत शैक्षिक सूचना प्रणाली सृष्टीकरण | | | | | | | | | निरन्तर |
| ६ | शैक्षिक गुणस्तर सुधार सम्बन्धी अन्तरक्रिया | | | | | | | | | निरन्तर |
| ७ | अनौपचारिक शिक्षा र जीवनपर्यन्त सिकाइ सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन | | | | | | | | | निरन्तर |
| ८ | सामाजिक परीक्षणको प्रतिवेदनका आधारमा विद्यालयहरूलाई थप सहजीकरण | पटक | | | | | | | | सबै विद्यालयमा |

५.३. अनुगमन तथा मूल्याङ्कन

शैक्षिक कार्यक्रमहरूमा स्रोत साधनको विनियोजन र वितरण गर्न सन्दर्भमा लगानीको प्रवाह न्यायोचित ढङ्गले भएको छ वा छैन, कार्यक्रम कार्यान्वयन प्रक्रियामा त्रुटिहरू छन् वा छैनन्, शैक्षिक क्रियाकलापहरू निर्धारित

कार्यतालिकाअनुसार समयमै कार्यान्वयन भई लक्षित प्रतिफल प्राप्ततर्फ उन्मुख भएका छन् वा छैन भन्ने कुरा निश्चित गर्दै नगरपालिकाबाट कार्यक्रम कार्यान्वयनको लक्ष्य र प्रगति बारेमा नियमित वा आवधिक रूपमा निगरानी, निरीक्षण, पुनर्निरीक्षण, पर्यवेक्षण एवम जाँचबुझ गर्ने गराउने कार्य नगरपालिकाले गर्नुपर्ने छ । विद्यालय क्षेत्र विकास कार्यक्रमको कार्यान्वयनको क्रममा सिकिएका पाठहरूको आधार तथा सङ्घीय संरचनाको सन्दर्भमा अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको वर्तमान अवस्था, चुनौती तथा समस्याहरू, उद्देश्य, रणनीति एवम यस शिक्षा क्षेत्रको योजनामा सङ्घीय स्वरूपअनुसारको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीको विकासकालागि सबै कार्यक्रमहरूको कार्यक्रम अनुगमन ढाँचा, साधन, विषय र प्रतिवेदनसम्बन्धी विषयहरू यस परिच्छेदमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

५.३.१. वर्तमान अवस्था

संघीय तहमा शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय र शिक्षा तथा मानव स्रोत विकास केन्द्र, सामाजिक विकास मन्त्रालय र प्रदेश शिक्षा विकास निर्देशनालय लगायतका प्रदेश तहका निकायहरूको सहकार्यमा स्थानीय तवरबाट शैक्षिक गुणस्तर र परीक्षण गर्दै शैक्षिक संस्थाहरूको कार्यसम्पादन परीक्षण तथा विद्यार्थीहरूको उपलब्धि परीक्षण नगरपालिकाले गर्दै आएको छ । नगरपालिकाको शिक्षा शाखाका पदाधिकारीहरू मर्फत शिक्षण प्रक्रियामा स्थलगत प्राविधिक सहयोगका अतिरिक्त विद्यालय एवम शिक्षण सिकाइ प्रक्रिया लगायतका विषयमा निरीक्षण तथा सुपरिवेक्षण भई रहेका छन् ।

विद्यालय क्षेत्र विकास कार्यक्रम कार्यान्वयनमा भएका सबल र कमजोर पक्षको जानकारी लिने तथा लक्ष्य र वास्तविक कार्यान्वयनको अवस्था बिचको अन्तर पत्ता लगाउनकालागि नतिजा तालिका अनुसारको सूचना सङ्कलन गरिएको छ । विद्यालय, विद्यार्थी, शिक्षक, कक्षाकोठा तथा पूर्वाधारसम्बन्धी मुख्य सूचना प्राप्तिको आधारको रूपमा एकिकृत शैक्षिक व्यवस्थापन सूचना प्रणाली (IEMIS) लाई लिइएको छ । विद्यार्थीको शैक्षिक उपलब्धि, शिक्षक तथा विद्यार्थीको सामाजिक तथा भाषिक पृष्ठभूमि लगायतको विषयमा पनि तथ्याङ्क सङ्कलनको कार्य सुरु गरिएको छ । बाह्य मूल्याङ्कन समूहबाट विद्यालय क्षेत्र विकास कार्यक्रमको मध्यावधि मूल्याङ्कन कार्य सम्पन्न भएको छ । विद्यालय तह, स्थानीय तह, प्रदेश र सङ्घीय तहमा शैक्षिक योजना निर्माण, कार्यान्वयन तथा समीक्षाकोलागि शैक्षिक व्यवस्थापन सूचना प्रणालीको उपयोग गरिएको छ । उल्लिखित विश्लेषणका आधारमा यस योजनामा अनुगमन तथा मूल्याङ्कनसम्बन्धी निम्नलिखित चुनौतीहरू पहिचान गरिएको छ :

- शैक्षिक अनुगमन तथा मूल्याङ्कनकालागि राष्ट्रिय मापदण्डको विकास, स्थानीय एवम् राष्ट्रिय रूपमा उपयोगी मापनयोग्य सूचकहरूको निर्धारण मापनयोग्य सूचकको निर्माण तथा सूचकसँग परिचित सिप र दक्षता भएका अनुगमनकर्ता तथा दक्ष जनशक्ति विकास गराउन,
- अनुगमनलाई मागमा आधारित बनाउन, अनुगमनमा नियमितता र एकरूपता कायम गर्न, अनुगमन कार्यमा दोहोरोपना हटाउन, अनुगमनलाई योजनाबद्ध गर्न पद्धति विकास गराउन,
- सङ्घीयता कार्यान्वयनका क्रममा भएको संरचनागत परिवर्तन पश्चात विद्यालय निरीक्षण सुपरिवेक्षणको काम पुनर्संगठित गर्न,
- तीनै तहका सरकारबिच अनुगमन र मूल्याङ्कनमा सहकार्य र समन्वय गरी एकीकृत प्रतिवेदन प्रणालीको विकास गर्न,
- सहभागितात्मक सामूहिक अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीको सुनिधतता गर्नु, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनमा सूचना तथा प्रविधिको उपयोगमा व्यापकता दिन,

- अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यलाई निष्पक्ष र विश्वसनीय बनाउन ।

५.३.२. उद्देश्य

यस योजनाका अनुगमन तथा मूल्याङ्कन सम्बन्धी निम्नलिखित उद्देश्यहरु रहेको छ ।

- ❖ प्रभावकारी तथा कुशल अनुगमन प्रणाली विकास गर्ने,
- ❖ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीलाई नतिजामा आधारित बनाउने,
- ❖ योजना कार्यान्वयनका चरणमा आएका समस्या तथा चुनौतीहरूलाई समयमै सम्बोधन गरी अपेक्षित उपलब्धि हासिल गर्ने,
- ❖ योजनाको लगानीदेखि प्रभाव तहसम्मको मूल्याङ्कन गरी आवश्यकतामा आधारित योजना निर्माणमा सहयोग गर्ने ।

५.३.३. रणनीतिहरू

योजनाका उद्देश्यहरू हासिल गर्न निम्नलिखित रणनीतिहरू अवलम्बन गरिनेछ :

- ❖ एकीकृत शैक्षिक अनुगमन तथा मूल्याङ्कन मार्गदर्शन निर्माण र उपयोग गरिनेछ ।
- ❖ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन र प्रतिवेदन कार्यलाई छिटो, छरितो, व्यवस्थित र प्रभावकारी बनाउन प्रविधिको प्रयोग र संजालीकरण गरिनेछ ।
- ❖ शैक्षिक सूचना व्यवस्थापन प्रणालीलाई थप सुदृढीकरण गरी आवश्यक सूचकसहित स्वचालित बनाइने छ ।
- ❖ स्थानीय सूचकहरूलाई सूचना प्रणालीमा आबद्ध गर्ने प्रणालीको विकास गरिनेछ ।
- ❖ योजनाका आगत, प्रक्रिया परिणाम, उपलब्धि र प्रभाव समेतको अनुगमन तथा मूल्याङ्कनकालागि आवश्यक कानूनी तथा संरचनागत व्यवस्थासहित जनशक्तिको प्रबन्ध गरी प्रमाणमा आधारित अनुगमन, मूल्याङ्कन तथा प्रतिवेदन प्रणालीको विकास गरी कुन कुन स्तर कुन कुन विषयको अनुगमन तथा मूल्याङ्कनलाई ध्यान दिने भन्ने निश्चित गरिनेछ ।
- ❖ विद्यार्थी उपलब्धि परीक्षण तथा विद्यालय कार्यसम्पादन परीक्षालाई थप व्यवस्थित र नियमित ल्याइने छ ।
- ❖ अनुगमन तथा मूल्याङ्कनबाट प्राप्त पृष्ठपोषणलाई अनिवार्य रूपमा लागु गर्ने प्रणालीको विकास गरिनेछ ।
- ❖ सहभागितामूलक अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीको कार्यान्वयन गरिनेछ ।
- ❖ प्रत्येक शैक्षिक योजना, कार्यक्रम तथा परियोजनाहरूको नियमित आवधिक, मध्यावधिक तथा अन्तिम मूल्याङ्कन प्रणाली स्थापित गरिनेछ ।
- ❖ अनुगमन मूल्याङ्कन तथा प्रतिवेदनमा आधारित भई सम्बद्ध जनशक्ति, निकाय, कार्यक्रम, योजना तथा परियोजनालाई पुरस्कृत र दण्ड गर्ने प्रणालीको विकास गरिनेछ ।
- ❖ कक्षाकोठाको सिकाइको अनुगमन, सुपरिवेक्षण तथा मूल्याङ्कनलाई प्रभावपूर्ण बनाउन कार्यस्थलमा आधारित अनुगमन, मूल्याङ्कन, सुपरिवेक्षण एवम प्रतिवेदन प्रणालीको प्रबन्ध मिलाइनेछ ।

५.३.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

क) उपलब्धि

- ❖ प्रभावकारी अनुगमनको माध्यमबाट योजना कार्यान्वयनका चरणमा आएका समस्या तथा चुनौतीहरूलाई समयमै सम्बोधन भई अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुने र योजनाको मूल्याङ्कनमा आधारित भई आवश्यकतामा आधारित योजना निर्माणकालागि पृष्ठपोषण प्राप्त हुने,

ख) नतिजाहरू

- ❖ नतिजामा आधारित अनुगमन प्रणाली स्थापित हुनेछ ।
- ❖ अनुगमनका आधारमा नतिजा सुधार हुनेछ ।
- ❖ अनुगमन तथा मूल्याङ्कनका संस्थागत संरचना तथा क्षमता विकास हुनेछ ।
- ❖ विद्यार्थी उपलब्धि परीक्षण तथा विद्यालय कार्यसम्पादन परीक्षालाई थप व्यवस्थित र नियमित भई यसका नतिजाहरूका आधारमा सुधार गर्ने परिपाटी स्थापित हुनेछ ।
- ❖ विभिन्न कार्यक्रमहरूको उपलब्धि तथा प्रभावको आवधिक मूल्याङ्कन हुनेछ ।

ग) अनुगमन तथा मूल्याङ्कनका मुख्य क्रियाकलापहरू

| क्र. सं. | प्रमुख क्रियाकलाप | एकाइ | भौतिकवर्ष (१० वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|----------|--|------|----------------------|---|---|---|---|-------|------------------------|-----------------|
| | | | १ | २ | ५ | ४ | ५ | जम्मा | | |
| १ | अनुगमन तथा मूल्याङ्कन संयन्त्र निर्माण | पटक | १ | | | | | १ | | निरन्तर |
| २ | अनुगमन तथा मूल्याङ्कन मार्गदर्शन निर्माण | | १ | | | | | | | |
| ३ | मार्गदर्शन प्रबोधीकरण | | | | | | | | | आवश्यकता अनुसार |
| ४ | नतिजामा आधारित अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणाली कार्यान्वयन | | | | | | | | | निरन्तर |
| ५ | नतिजामा आधारित अनुगमन प्रणालीकालागि सूचकहरू तयार तथा अद्यावधिक गर्ने | | | | | | | | | निरन्तर |
| ६ | स्थानीयतहले आफूले कार्यान्वयन गरेका कार्यक्रमको अनुगमन गर्ने | | | | | | | | | निरन्तर |
| ७ | कार्यक्रम कार्यान्वयनको चौमासिक तथा वार्षिक समीक्षा तथा प्रतिवेदन तयार गर्ने | | | | | | | | | निरन्तर |
| ८ | स्थिति प्रतिवेदन तयार गर्ने | | | | | | | | | निरन्तर |
| ९ | कार्यक्रम कार्यान्वयन पुस्तिका तयारी | | | | | | | | | निरन्तर |
| १० | विद्यालय कार्य सम्पादन एवम् स्व: मूल्याङ्कन गर्ने, गराउने | | | | | | | | | निरन्तर |

परिच्छेद ६ - लगानी र स्रोत व्यवस्थापन

आर्थिक तथा सामाजिक विकासमा गति प्रदान गरी समृद्ध राष्ट्र निर्माण तथा उन्नत समाज विकासकालागि सरकार तथा समुदायले बालबालिकाको शिक्षामा प्राथमिकताका साथ लगानी गर्नु आवश्यक छ । भविष्यकालागि गुणस्तरीय मानव संसाधनको विकास गर्न शिक्षामा लगानी गरिन्छ । बालबालिकाको शिक्षामा गरिने लगानी व्यक्ति, समाज र राज्यको दीर्घकालिन विकासकालागि सहयोग गर्नुपर्दछ । राज्य निर्माणको दीर्घकालीन सोचलाई मूर्त रूप दिन शिक्षामा राज्यले प्राथमिकताका साथ लगानी गर्नु आवश्यक छ । शिक्षामा राज्यको लगानीले प्रमुख तीन पक्षहरू पहिलो, राज्यका सबै बालबालिका र नागरिकलाई शैक्षिक अवसर र सहभागिता दोस्रो, सहभागी भई सकेकालाई उचित र गुणस्तरीय शिक्षाको सुनिश्चितता र तेस्रो, स्रोतको समतामूलक वितरण र उपयोग रहेका छन् । शिक्षामा लगानीको विश्वव्यापी प्रवृत्ति तथा राष्ट्रिय आकाङ्क्षालाई विचार गरेर नेपालमा पनि सरकार तथा समुदायबाट विगत केही दशक देखि शिक्षा क्षेत्रमा लगानीलाई विस्तार गरिएको छ । नेपालमा राज्यबाट शिक्षामा गरिने लगानीलाई नेपाली समाजको आकाङ्क्षा तथा आवश्यकताका सम्बन्धी विश्वव्यापी मान्यता, दिगो विकासको लक्ष्यकालागि शिक्षाको योगदान, अन्तर्राष्ट्रिय समुदायको चासो र चिन्ता इत्यादि पक्षलाई ध्यानमा राखी व्यवस्थापन गरिदै आएको छ । यसलाई विभिन्न नीतिगत दस्तावेजहरूले आधार प्रदान गरेका छन् । नेपालको संविधानले शिक्षालाई मौलिकहकको रूपमा लिई आधारभूत शिक्षा अनिवार्य र निःशुल्क एवम माध्यमिक शिक्षा निःशुल्क हुने व्यवस्था गरेको छ । उक्त मौलिकहक कार्यान्वयन गर्न अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा सम्बन्धी ऐन २०७४ जारी भएको छ भने उक्त ऐन कार्यान्वयनकालागि अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षासम्बन्धी नियमावली २०७७ पनि स्वीकृत गरेको छ । संवैधानिक एवम कानूनी प्रावधान अनुसार विद्यालय शिक्षामा समता मूलक पहुँच सहितको गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्नु सरकारको दायित्व भएको छ । यसकालागि आवश्यक स्रोतको खोजी, प्राथमिकीकरण स्रोतको उचित विनियोजन, प्रभावकारी कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन र प्रतिवेदन सम्बन्धी व्यवस्था गर्नु आवश्यक छ ।

संवैधानिक व्यवस्था बमोजिम विद्यालय शिक्षा सञ्चालनको मूल जिम्मेवारी स्थानीयतहको भएतापनि शिक्षा साभ्ना सूचीको विषय रहेकोले शिक्षाको वित्तीय व्यवस्थापनमा सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहका साथै समुदाय र निजीक्षेत्रको समेत साभ्नेदारी आवश्यकता पर्दछ । नेपालको संविधानमा वित्तीय व्यवस्थापन सम्बन्धमा सशर्त अनुदान, समानीकरण अनुदान, समपूरक अनुदान, विशेष अनुदान र आन्तरिक ऋणको व्यवस्था सम्बन्धमा उल्लेख गरेको पाइन्छ । समानीकरण अनुदानको हकमा प्राकृतिक तथा वित्त आयोगको सिफारिसमा सङ्घीय सरकारबाट स्थानीय तथा प्रदेश तहमा वित्तीय हस्तान्तरण हुने गरेको छ । विशेष अनुदान र समपूरक अनुदानको राष्ट्रिय योजना आयोगबाट वित्तीय हस्तान्तरण सम्बन्धी व्यवस्थापन हुँदै आएको छ । सशर्त अनुदान सम्बन्धित विषयगत मन्त्रालयबाट आवश्यक प्रक्रिया पुरा गरी स्थानीय र प्रदेश तहमा वित्तीय हस्तान्तरण गर्ने अभ्यास रहेको छ । आन्तरिक ऋणको व्यवस्था सम्बन्धमा स्थानीय र प्रदेश तहबाट हाल अभ्यास भएको देखिदैन । सङ्घीय सरकारबाट हस्तान्तरण हुने उल्लिखित विभिन्न किसिमका अनुदान बाहेक स्थानीय तथा प्रदेश तहको आफ्नै स्रोतमा आधारित बजेट पनि शिक्षा क्षेत्रमा सम्बन्धित तहले विनियोजन गर्न सक्दछ ।

यस सन्दर्भमा शिक्षा क्षेत्रको यो योजना कार्यान्वयनकालागि लगानी तथा स्रोत व्यवस्थापन सम्बन्धमा वर्तमान अवस्थाको समीक्षा गरी यसमा देखिएका चुनौतीहरू उल्लेख गरिएको छ । पहिचान गरिएका चुनौतीहरूको

सामना गर्दै वित्तीय व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी बनाउनकालागि यसका उद्देश्य तथा रणनीतिहरू प्रस्तुत गरी स्रोतको आकलन तथा लगानीका क्षेत्र र लागत अनुमान गरिएको छ ।

६.१.१. वर्तमान अवस्था

शिक्षामा लगानी बढाउनु पर्छ भन्ने विषयमा सैद्धान्तिक रूपमा राजनीतिक तहमा र नेपालका नीतिगत दस्तावेजहरूमा सहमति देखिन्छ । सबैको धारणा लगानी बढाउने कुरामा एकै हुनुलाई लगानी वृद्धि गर्ने प्रयासको महत्वपूर्ण आधार मान्न सकिन्छ । नेपालका सबैजसो राजनीतिकदलको राष्ट्रिय तहको चुनावी घोषणापत्रमा कुल राष्ट्रिय बजेटको कम्तीमा २० प्रतिशत शिक्षामा लगानी गरिने कुरा उल्लेख छ । पूर्व प्राथमिक र बालविकास र शिक्षाबाहेक अन्यतहहरूमा सार्वजनिकलगानीको तुलनामा निजी लगानी करिब दोब्बर भएको देखिन्छ भने पूर्व प्राथमिक र बालविकास र शिक्षामा भने निजीलगानी सार्वजनिक लगानीको झण्डै पाँच गुणा बढी देखिन्छ । निःशुल्क विद्यालय शिक्षालाई राज्यको दायित्वका रूपमा कार्यान्वयन गर्नकालागि अहिलेकै अवस्थामा पनि सरकारको लगानी बढाउनु जरुरी देखिन्छ भने समग्रमा शिक्षा प्रवाह सुधार गरी बालबालिका मैत्री वातावरणमा सबैकालागि गुणस्तरीय शिक्षाको प्रबन्धकालागि नगरपालिकालाई थप लगानी आवश्यक देखिन्छ । अघिल्ला खण्डहरूमा विस्तृत रूपमा उल्लेख भएका तथ्याङ्क अनुसार साक्षरता दरमा वृद्धि, विद्यालयमा भर्ना दर, उत्तीर्ण दर विद्यार्थी शैक्षिक उपलब्धि जस्ता पक्षमा भएको प्रगतिलाई शिक्षामा गरिएको लगानीको प्रतिफलको रूपमा लिनुपर्छ । उल्लिखितजानकारी तथाविशेषणको आधारमा देहायबमोजिमकाचुनौतीहरू पहिचान गरिएको छः

- ❖ शिक्षा सम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रिय परिवेश, स्थापित मूल्य र मान्यता, संवैधानिक प्रत्याभूति, राज्यले अख्तियार गरेका नीतिलाई उचित रूपमा सम्बोधन गर्न विद्यालय शिक्षा क्षेत्रमा लगानी वृद्धि र दिगो स्रोत व्यवस्थापन गर्न ,
- ❖ सङ्घीय संरचना अनुसार सङ्घ, प्रदेश र स्थानीयतह बिचको शिक्षाको लगानी मापदण्ड र वित्तीय स्रोत हस्तान्तरणको उपयुक्त माध्यम निर्धारण गरी तीनै तहका सरकारलाई शिक्षामा लगानीकोलागि जिम्मेवार बनाउन,
- ❖ संवैधानिक मार्गदर्शन तथा नीति अनुरूप निजी क्षेत्रबाट शिक्षामा गरिने लगानीको व्यवस्थापन र स्वरूप निर्धारण गरी सार्वजनिक सेवा, सामाजिक दायित्व वा सेवामूलक व्यवसायका रूपमा विकास गर्न,
- ❖ प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षामा विद्यार्थी अनुपात बढाउने सरकारको प्रतिवद्धता कार्यान्वयन गर्न आवश्यक पर्ने वित्तीय स्रोत पहिचान र परिचालन पद्धति सुनिश्चित गर्न,
- ❖ वैदेशिक सहायता प्राप्त परिचालन, घट्टै गएको वैदेशिक सहायतालाई बढाउन र त्यसको दिगोपना सुनिश्चित गर्न,
- ❖ आधुनिक प्रविधि विशेष गरी सूचनातथा सञ्चार प्रविधि मैत्री शिक्षण सिकाइ सञ्चालन गर्न आवश्यक स्रोतको व्यवस्था गर्न,
- ❖ शिक्षाक्षेत्रका विभिन्न उपक्षेत्रहरू प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा, आधारभूत शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा र अनौपचारिक तथा निरन्तर शिक्षामा सरकारी लगानीको संरचना प्राथमिकता र प्रतिशत निर्धारण गर्न,
- ❖ विद्यार्थीको सिकाइ तथा कुशलतामा केन्द्रित भई गुणस्तर अभिवृद्धि गर्न आवश्यक पर्ने गरी लगानी गर्न स्रोत व्यवस्थापन गर्न,

- ❖ शिक्षामा समता तथा समावेशिता सुधार गरी आर्थिक रूपले विपन्न, सुविधा विहिन, विभिन्न कठिन परिस्थितिमा रहेका र अपाङ्गता भएका बालबालिकाहरूको पहुँच, सहभागिता र गुणस्तरीय सिकाइ सुनिश्चित गर्न पर्याप्त लगानी प्राप्त गर्न,
- ❖ गैरसरकारी क्षेत्रको लगानी सामुदायिक सहभागिता र अभिभावकको लगानीलाई अभिलेखीकरण र प्रोत्साहन गर्न,
- ❖ वित्तीय व्यवस्थापन कार्य कुशल बनाउन व्यक्ति, संस्था र पद्धतिको क्षमता विकास गर्न,
- ❖ वित्तीय गतिविधिलाई पारदर्शी, जवाफदेही, सरलीकृत गरी वित्तीय सुशासन कायम गर्न ।

६.१.२. उद्देश्य

योजनाको लगानी तथा स्रोत व्यवस्थापनका प्रमुख उद्देश्यहरू देहाय अनुसार रहेका छन् :

- ❖ योजना अवधिकालागि विद्यालय शिक्षामा आवश्यक स्रोतको प्रक्षेपण गर्नु,
- ❖ विद्यालय शिक्षा सम्बन्धी पहिचान गरिएका कार्यक्रम कार्यान्वयनकालागि आवश्यक वित्तीय स्रोत पहिचान गर्नु,
- ❖ उपलब्ध सम्भावित स्रोतका आधारमा पहिचान गरिएका कार्यक्रमको प्राथमिकता निर्धारण गरी कार्यक्रमगत बजेट निर्धारण गर्नु,
- ❖ खर्चको प्रक्रिया र तीनै तहका सरकारको भूमिका र दायित्व स्पष्ट गर्नु,
- ❖ लगानीको उपयोगको अवस्था जानकारी लिने विधि र प्रक्रिया उपयुक्त (प्रतिवेदन पद्धति) प्रस्तुत गर्नु ।

६.१.३. रणनीतिहरू

योजनाको लगानी तथा स्रोत व्यवस्थापनका सम्बन्धमा रणनीतिहरू देहाय बमोजिम हुनेछन् :

- ❖ सङ्घीय र प्रदेश सरकारको लगानीको अनुपातमा स्थानीय सरकारले आफ्नो स्रोतबाट लगानीमा वृद्धि गरिनेछ ।
- ❖ विद्यालय शिक्षामा पहुँच, सहभागिता एवम् गुणस्तर सुनिश्चित गर्न लगानी प्रभावकारिता बढाइनेछ ।
- ❖ वार्षिक रूपमा कुल बजेटको “प्रतिशत बजेट शिक्षाक्षेत्रका कार्यक्रमकालागि व्यवस्था गरिनेछ ।
- ❖ शिक्षामा निजी तथा गैरसरकारी क्षेत्रको लगानीलाई प्रोत्साहन तथा प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
- ❖ मापदण्डका आधारमा खर्च र प्रतिवेदन पद्धति अवलम्बन गरिनेछ ।
- ❖ वित्तीय व्यवस्थापन क्षमतामा सुधार ल्याई वित्तीय कार्यकुशलता, पारदर्शीता, जिम्मेवारी र उत्तर दायित्वलाई सबल बनाइनेछ ।
- ❖ लागत साभेदारीमा आधारित कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।

६.१.४. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप र लक्ष्य

क) उपलब्धि

- ❖ शैक्षिक पहुँच, समता, गुणस्तर र क्षमता विकासमा आवश्यक स्रोतको व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

ख) नतिजा

- ❖ वित्तीय कार्यकुशलता, पारदर्शीता, जिम्मेवारी र उत्तरदायित्व सुदृढ भएको हुनेछ ।

प्रस्तावित कार्यक्रम तथा बजेट अनुमान

रकम रु. हजारमा

| सि नं | विवरण | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाचौं वर्ष | जम्मा |
|----------|---|------------|-------------|-------------|-----------|------------|------------|
| १ | बाल विकास र शिक्षा | २८०४७.८० | ३०८५२.५८ | ३३९३७.८४ | ३७३३१.६२ | ४१०६४.७८ | १७१२३४.६२ |
| २ | आधारभूत शिक्षा | १६११६३.२० | १७७२७९.५२ | १९५००७.४७ | २१४५०८.२२ | २३५९५९.०४ | ९८३९१७.४५ |
| ३ | माध्यमिक शिक्षा | ५३७०६.४० | ५९०७७.०४ | ६४९८४.७४ | ७१४८३.२२ | ७८६३१.५४ | ३२७८८२.९४ |
| ४ | पाठ्यक्रम तथा मूल्याङ्कन | ७७२३.१० | ८४९५.४१ | ९३४४.९५ | १०२७९.४५ | ११३०७.३९ | ४७१५०.३० |
| ५ | शिक्षक व्यवस्थापन र विकास | ३१९०.०० | ३५०९.०० | ३८५९.९० | ४२४५.८९ | ४६७०.४८ | १९४७५.२७ |
| ६ | अनौपचारिक शिक्षा तथा आजीवन सिकाइ | ९३७.२० | १०३०.९२ | ११३४.०१ | १२४७.४१ | १३७२.१५ | ५७२१.७० |
| ७ | शैक्षिक समता र समावेशीकरण | ५५.०० | ६०.५० | ६६.५५ | ७३.२१ | ८०.५३ | ३३५.७८ |
| ८ | दिवा खाजा सहित स्वास्थ्य तथा पोषण कार्यक्रम | २०३५६.६० | २२३९२.२६ | २४६३१.४९ | २७०९४.६३ | २९८०४.१० | १२४२७९.०८ |
| ९ | छात्रवृत्ति | ४००४.०० | ४४०४.४० | ४८४४.८४ | ५३२९.३२ | ५८६२.२६ | २४४४४.८२ |
| १० | आपतकालिन तथा संकटपुर्ण अवस्थामा शिक्षा | ५५०.०० | ६०५.०० | ६६५.५० | ७३२.०५ | ८०५.२६ | ३३५७.८१ |
| ११ | विद्यालयको भौतिक पूर्वाधार विकास तथा गुणस्तर सुधार | २६३९४.५० | २९०३३.९५ | ३१९३७.३५ | ३५१३१.०८ | ३८६४४.१९ | १६११४१.०६ |
| १२ | शिक्षामा सूचना र प्रविधि | ७७०.०० | ८४७.०० | ९३१.७० | १०२४.८७ | ११२७.३६ | ४७००.९३ |
| १३ | शिक्षा, सूचना तथा संचार सामग्री | २२०.०० | २४२.०० | २६६.२० | २९२.८२ | ३२२.१० | १३४३.१२ |
| १४ | खुशी कार्यक्रम | ५०००.०० | ५५००.०० | ६०५०.०० | ६६५५.०० | ७३२०.५० | ३०५२५.५० |
| १५ | संस्थागत विकास तथा क्षमता अभिवृद्धि | २०६४.७० | २२७१.१७ | २४९८.२९ | २७४८.१२ | ३०२२.९३ | १२६०५.२० |
| १६ | अनुगमन तथा मूल्याङ्कन | ११०.०० | १२१.०० | १३३.१० | १४६.४१ | १६१.०५ | ६७१.५६ |
| १७ | अतिरिक्त क्रियाकलाप | २८०५.०० | ३०८५.५० | ३३९४.०५ | ३७३३.४६ | ४१०६.८० | १७१२४.८१ |
| १८ | PCF OJT CAS | ५८८६.१० | ६४७४.७१ | ७१२२.१८ | ७८३४.४० | ८६१७.८४ | ३५९३५.२३ |
| | जम्मा | ३२२९८३.६० | ३५५२८१.९६ | ३९०८१०.१६ | ४२९८९१.१७ | ४७२८८०.२९ | १९७१८४७.१८ |

परिच्छेद ७ - मुख्य उपलब्धि सूचकहरू

यस नगर शिक्षा योजनाले लिएको दीर्घकालीन सोच, योजनाका समग्र उद्देश्यहरू तथा रणनीतिहरूका आधारमा योजनाको प्रभाव वा गन्तव्य पहिचान गरिएको छ । गन्तव्यमा पुग्नकालागि आवश्यक उपलब्धि तथा यसका सूचकहरू निर्धारण गरी योजनाले पहिलो पाँच वर्षकालागि प्रत्येक वर्षको नतिजा आँकलन गरिएको छ भने दश वर्षमा हुने नतिजाको समेत प्रक्षेपण गरिएको छ । नतिजा खाकामा उपलब्धि, उपलब्धि सूचकहरू तथा तिनको सङ्ख्यात्मकमान, सूचना प्राप्त हुने स्रोत तथा जिम्मेवारी समेत उल्लेख गरिएको छ ।

नतिजा खाका आवधिक योजनाको उपलब्धिमापन गर्ने सङ्ख्यात्मक साधनको रूपमा हेरिएको छ । यसबाट योजनाका समग्र तथा उपक्षेत्रगत उपलब्धि मापन गर्न सकिन्छ । यस योजनाले वार्षिक योजना निर्माणकालागि आधार सृजना गर्नाका साथै अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको मापदण्ड निर्धारण गर्न सहयोग गर्नेछ । यसबाट योजनाका अपेक्षित उपलब्धिकालागि पृष्ठपोषण प्राप्त भई नतिजा प्राप्तिलाई सहयोग पुग्नेछ । नतिजा खाकाले विद्यालय तथा समस्त नगर शिक्षा प्रणालीलाई नतिजा प्रति जवाफदेही बनाउन सहयोग गर्दछ । यस परिच्छेदमा योजनाको समग्र खाकाअन्तर्गत अपेक्षित प्रभावको आकलन, उपलब्धिहरू तथा उपलब्धिका सूचकहरू समावेश गरिएको छ । त्यसैगरी यसमा मुख्य कार्यसम्पादन सूचकहरू तथा कार्यक्रम नतिजा ढाँचा प्रस्तुत गरिएको छ ।

७.१. योजनाको समग्र नतिजा खाका

यस नगर शिक्षा क्षेत्र योजनाको कार्यान्वयनबाट अपेक्षा गरिएका समग्र नतिजा खाका अन्तर्गत देशको आर्थिक तथा सामाजिक विकासमा योजनाको प्रभाव वा गन्तव्य उल्लेख गरिएको छ । त्यसैगरी योजनाको दीर्घकालीन र मध्यकालीन तथा तत्कालीन उपलब्धिहरू उल्लेख गरिएको छ भने उपलब्धिका नतिजाका सूचकहरू तथा नतिजा सत्यापनका स्रोत तथा तरिकाहरू पनि उल्लेख गरिएको छ यसका साथै मुख्य कार्यसम्पादन सूचकहरू (KPIS) र कार्यक्रम नतिजा सूचकहरू (PRF) समावेश गरिएको छ ।

मुख्य कार्यसम्पादन सूचकहरू

| क्र.सं. | शिक्षा योजनाको सुरुवाती विन्दुमा | राष्ट्रिय | प्रदेश | स्थानीय |
|---------|---|-----------|--------|---------|
| १. | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा | | | |
| १.१ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा कूल भर्ना दर* (%) | ८६.२ | ८९.४ | १५८.३ |
| १.२ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाको अनुभव लिई कक्षा १ मा नयाँ भर्ना भएका बालबालिका * (%) | ६८.६ | ९४.१ | ८९.४ |
| २. | आधारभूत शिक्षा (कक्षा १-८) | | | |
| २.१ | कक्षा १ मा नयाँ भर्ना भएका बालबालिकाको खुदप्रवेश दर (%) | ९६.९ | ९२.७ | ९९.१ |
| २.२ | कक्षा १ मा नयाँ भर्ना भएका बालबालिकाको कूल प्रवेश दर (%) | १२१.९ | १३४.२ | १३४.२ |
| २.३ | आधारभूत तह (प्राथमिक कक्षा १-५) मा खुद भर्ना दर* (%) | ९७.१ | ९६.६ | ९६.६ |
| २.४ | आधारभूत तह (प्राथमिक कक्षा १-५) मा कूल भर्ना दर* (%) | ११९.२ | १३२.१ | ११०.३ |
| २.५ | आधारभूत तहको कक्षा ५ को खुदप्रवेश दर* (%) | ९८.३ | | |
| २.६ | आधारभूत तहको कक्षा ५ को कूलप्रवेश दर* (%) | ११३.० | | |
| २.७ | आधारभूत तहको कक्षा ५ सम्म टिकाउ दर* (%) | ९३.० | | |

| क्र.सं. | शिक्षा योजनाको सुरुवाती विन्दुमा | राष्ट्रिय | प्रदेश | स्थानीय |
|---------|--|-------------|--|---------|
| २.८ | आधारभूत तह (प्राथमिक कक्षा ५) पूरा गर्ने दर* (%) | ८५.८ | | ९२.६ |
| २.९ | आधारभूत तहमा (प्राथमिक कक्षा १-५) मा भर्ना भएका ५-९ वर्ष उमेर भन्दा माथिका बालबालिका * (%) | २२.२ | | |
| २.१० | आधारभूत तह (प्राथमिक कक्षा १-५) कूल भर्ना दरमा लैङ्गिक समता सूचाङ्क * | १.०६ | | |
| २.११ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) मा खुद भर्ना दर* (%) | ९६.९ | ९४.८ | ९६.९ |
| २.१२ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) मा कूल भर्ना दर (%) | ११३.५ | १२४.३५ | ११३.५ |
| २.१३ | आधारभूत तहको कक्षा ८ सम्मको टिकाउ दर* (%) | ७९.३ | | |
| २.१४ | आधारभूत तहको कक्षा १ मा भर्ना भई कक्षा ८ पूरा गर्ने दर *(%) | ७२.७ | | |
| २.१५ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) कूल भर्ना दरमा लैङ्गिक समता सूचक * | १.०१ | | |
| २.१६ | कक्षा ३ मा न्युनतम सिकाइ उपलब्धि हासिल गरेका (कक्षा ३ को आधारभूत वा तह २ हासिल भएका) बालबालिकाको सङ्ख्या (%) | नेपाली | कार्तिक - मङ्सिरमा नयाँ नतिजा आउने भएकाले सोही बमोजिम पछि राखिने | |
| | | गणित | कार्तिक - मङ्सिरमा नयाँ नतिजा आउने भएकाले सोही बमोजिम पछि राखिने | |
| २.१७ | कक्षा ५ मा न्युनतम सिकाइ उपलब्धि हासिल गरेका (कक्षा ५ को आधारभूत तह हासिल भएका) बालबालिकाको सङ्ख्या (%) | नेपाली | ४५ | |
| | | गणित | २८.३ | |
| | | अग्रेजी | | |
| २.१८ | कक्षा ८ मा न्युनतम सिकाइ उपलब्धि हासिल गरेका (कक्षा ८ को तह ३ हासिल भएका) बालबालिकाको सङ्ख्या (%) | नेपाली | ६८.५ | ६१.८४ |
| | | गणित | ५३.५ | ५५.१७ |
| | | अग्रेजी | ४३.८ | ६४.७२ |
| २.१९ | विद्यालय बाहिर रहेका बालबालिका * (%) | आधारभूत | २.९ | नभएको |
| | | (कक्षा १-५) | ६.६ | नभएको |
| २.२० | आधारभूत तह (कक्षा १-८) अध्यापनरत कूल शिक्षक मध्ये महिला शिक्षकको सङ्ख्या * (%) | | | |
| ३. | माध्यमिक शिक्षा (कक्षा ९-१२) | | | |
| ३.१ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा खुद भर्ना दर* (%) | ५७.९५ | ४४.६५ | ४७.६ |
| ३.२ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा कूल भर्ना दर* (%) | ७६.४५ | ७३.४२ | ७१.४ |
| ३.३ | माध्यमिक तहमा कूल भर्ना दरमा लैङ्गिक समता सूचक* (कक्षा ९-१२) | १.०२ | | |
| ३.४ | आधारभूत तहबाट माध्यमिक तहमा ट्रान्जिसन दर* (%) | ९७.५ | | |
| ३.५ | कक्षा १ मा भर्ना भएका बालबालिका मध्ये कक्षा १० मा पुग्ने दर (%) | ६०.३ | | |
| ३.६ | कक्षा १ मा भर्ना भएका बालबालिका मध्ये कक्षा १२ मा पुग्ने दर (%) | २४.० | | |
| ३.७ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा कार्यरत महिला शिक्षक सङ्ख्या * (%) | २०.६ | | |

| क्र.सं. | शिक्षा योजनाको सुरुवाती विन्दुमा | | राष्ट्रिय | प्रदेश | स्थानीय |
|---------|--|------------------------|-----------|--------|---------|
| ३.८ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा अध्ययनरत विद्यार्थी मध्ये विज्ञान र प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा विषयमा भर्ना भएका विद्यार्थी सङ्ख्या * (%) | विज्ञान | | | |
| | | प्राविधिक र व्यावसायिक | १०.० | | |
| ३.९ | कक्षा १० का विद्यार्थी सिकाइ उपलब्धि* | नेपाली | | | |
| | | गणित | | | |
| | | विज्ञान | | | |
| | | अंग्रेजी | | | |
| ४ | जिवन - पर्यन्त शिक्षा तथा सिकाइ र अनौपचारिक शिक्षा | | | | |
| ४.१ | साक्षरता दर (१५ वर्ष भन्दा माथि) (%) | | ५८.० | | |
| ४.२ | साक्षरता दर (६ वर्ष भन्दा माथि) (%) | | ८२.० | | |
| ४.३ | साक्षरता दर (१५-२४ उमेर समूह) (%) | | ९२.० | | |
| ४.४ | साक्षरता दरमा लैङ्गिक समता (१५ वर्ष भन्दा माथि) | | ०.६५ | | |
| ५. | प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा तथा सीप विकास तालिम | | | | |
| ५.१ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक सीप विकास तथा तालिम प्राप्त आर्थिक रूपले सक्रिय | | ३१.० | | |
| ५.२ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा (कक्षा ९-१२ वा डिप्लोमा वा प्रि (डिप्लोमा वा सो सरह) उत्तीर्णजनशक्ति* (वार्षिक सङ्ख्या) | छात्रा | | | |
| | | छात्र | | | |
| ६. | सुसासन तथा व्यवस्थापन | | | | |
| ६.१ | आधारभूत तह (कक्षा १-५) मा विद्यार्थी : शिक्षक अनुपात (सामुदायिक विद्यालय) | | २४:१ | | २०:१ |
| ६.२ | आधारभूत तह (कक्षा ६-८) मा विद्यार्थी : शिक्षक अनुपात -सामुदायिक विद्यालय) | | ३०:१ | | ४३:१ |
| ६.३ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) मा विद्यार्थी : शिक्षक अनुपात (सामुदायिक विद्यालय) | | ३३:१ | | २५:१ |
| ६.४ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१०) मा विद्यार्थी : शिक्षक अनुपात (सामुदायिक विद्यालय) | | ४०:१ | | ४२:१ |
| ६.५ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा विद्यार्थी : शिक्षक अनुपात (सामुदायिक विद्यालय) | | ४१:१ | | ५६:१ |
| ७. | उच्च शिक्षा | | | | |
| ७.१ | उच्च शिक्षामा कूल भर्ना दर (%) | | १२.० | | |
| ७.२ | उच्च शिक्षामा महिला सहभागिता अनुपात | | ०.९१ | | |
| ७.३ | प्राविधिक उच्च शिक्षामा विद्यार्थी भर्ना दर (%) | | २४ | | |
| ८. | लगानी | | | | |
| ८.१ | कूल बजेटको शिक्षा क्षेत्रमा विनियोजित बजेट* (%) | | १०.६८ | | |

| क्र.सं. | शिक्षा योजनाको सुरुवाती विन्दुमा | राष्ट्रिय | प्रदेश | स्थानीय |
|---------|---|-----------|--------|---------|
| ८.२ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) मा प्रति विद्यार्थी सरकारी खर्च रू. हजारमा | १८ | | |
| ८.३ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा प्रति विद्यार्थी सरकारी खर्च रू. हजारमा | ११ | | |

कार्यक्रम तथा नतिजा तालिकामा आधारित सूचकहरू

| क्र.सं. | नगर शिक्षा योजनाको सुरुवाती विन्दुमा | राष्ट्रिय | प्रदेश | स्थानीय |
|---------|--|-----------|--------|---------|
| १. | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा | | | IEMIS |
| १.१ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा कूल भर्ना दर* (%) | ८६.२ | ८९.४ | १५८.३ |
| १.२ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाकेन्द्र (संख्या) | ३००३९ | | ५४ |
| १.३ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा भर्ना भएका बालबालिकाहरू मध्ये आवश्यक खोप प्राप्त गरेका बालबालिका दर* (%) | | | २०८२ |
| १.४ | तोकिएको न्यूनतम मापदण्ड पूरा गरेका प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाकेन्द्र (%) | २५ | | २५ |
| १.५ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा भर्ना भएका बालबालिकाहरू मध्ये मनोसामाजिक विकासका लागि उचित वातावरण पाएका बालबालिका (%) | | | २०८२ |
| १.६ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा बालबालिका र तालिम प्राप्त शिक्षक तथा सहजकर्ताको अनुपात | २३:१ | | ३९:१ |
| १.७ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा कार्यरत तोकिएको योग्यता प्राप्त शिक्षक तथा सहजकर्ता* (%) | ९५.७ | | ३९:१ |
| १.८ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा दिवा खाजा, खेल तथा सिकाइ सामग्री सहितको अनुदान प्राप्त गर्ने बालबालिकाको संख्या * (हजारमा) | ५८० | | ५७.७८ |
| २. | आधारभूत शिक्षा (कक्षा १-८) | | | |
| २.१ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) मा अध्ययनरत बालबालिकाहरू मध्ये आफ्नो मातृभाषा र विद्यालयमा शिक्षण - सिकाइको माध्यम भाषा फरक भएका बालबालिकाको संख्या (%) | | | |
| २.२ | मातृभाषामा पठनपाठन हुने विद्यालय* (संख्या) | २८० | | |
| २.३ | आधारभूत तहमा कार्यरत तोकिएको योग्यता प्राप्त शिक्षक* (%) | ९६.५ | | १०० |
| २.४ | आधारभूत तह (कक्षा १-५) मा विद्यार्थी र तालिम प्राप्त शिक्षकको अनुपात | | | २२:१ |
| २.५ | आधारभूत तह प्राथमिक (कक्षा १-५) को समायोजित खुद भर्ना दर* (%) | ९८.१ | | ९६.९ |
| २.६ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) मा विद्यार्थी र तालिम प्राप्त शिक्षकको अनुपात | | | २६:१ |
| २.७ | आधारभूत तहको कक्षा १-५ बाट सोही तहको कक्षा ६ मा ट्रान्जिसन (Transit) दर* (%) | ९३.० | | |
| २.८ | आधारभूत तहको कक्षा ८ को कूल प्रवेश दर* (%) | ९३.५ | | |
| २.९ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) को समायोजित खुद भर्ना दर* (%) | ९५.७ | ९६.९ | |
| २.१० | आधारभूत तह (कक्षा १-८) मा भर्ना भएका ५-१२ वर्ष उमेर समूहका भन्दा माथिका बालबालिका* (%) | १७.० | | |
| २.११ | आधारभूत तहको कक्षा १ मा भर्ना भई कक्षा ८ पुग्ने छात्रा र छात्रको समता अनुपात | १.०१ | | |
| ३. | माध्यमिक शिक्षा (कक्षा ९-१२) | | | |
| ३.१ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा कार्यरत न्यूनतम योग्यता तथा तालिम प्राप्त शिक्षकहरू* (%) | ९६.० | | |

| क्र.सं. | नगर शिक्षा योजनाको सुरुवाती विन्दुमा | राष्ट्रिय | प्रदेश | स्थानीय |
|---------|---|-----------|--------|---------|
| ३.२ | कक्षा १२ को अन्तिम परीक्षामा उत्तीर्ण छात्रा र छात्र दर (%) प्रतिशत | | | |
| ३.३ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१०) मा विद्यार्थी र तालिम प्राप्त शिक्षकको अनुपात | | | ४३:१ |
| ३.४ | माध्यमिक तह (कक्षा ११-१२) मा विद्यार्थी र तालिम प्राप्त शिक्षकको अनुपात | | | ९५:१ |
| ३.५ | हरेक प्रदेशमा संघीय सरकारको लगानीमा सञ्चालित राष्ट्रिय विज्ञान माध्यमिक विद्यालय (संख्या) | | | |
| ४. | जिवनपर्यन्त शिक्षा तथा सिकाइ र अनौपचारिक शिक्षा | | | |
| ४.१ | भाषिक तथा गणितीय साक्षरता सीप (१५ वर्ष भन्दा माथि) (%) | ७१.७ | | |
| ४.२ | भाषिक तथा गणितीय साक्षरता सीप (१५ वर्ष भन्दा माथिका महिला)* (%) | ६३.४ | | |
| ४.३ | युवा तथा वयस्कहरूले प्राप्त गरेको अनौपचारिक शिक्षाको समकक्षता निर्धारण दर* (%) | | | |
| ४.४ | अनौपचारिक शिक्षामा वार्षिक रूपमा युवा तथा वयस्कहरूको सहभागिता दर* (%) | | | |
| ४.५ | जिवन-पर्यन्त शिक्षा तथा सिकाइमा विश्वस्तरको नागरिक सम्बन्धी विषयको समायोजन | | | |
| ५. | प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा तथा सीप विकास तालिम | | | २ वटा |
| ५.१ | हरेक स्थानीय तहमा कम्तिमा एक वटा प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा प्रदायक सामुदायिक विद्यालय (संख्या) | ४८४ | | २ वटा |
| ५.२ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा (लामो अवधि) तथा सीप विकास (छोटो अवधि) प्रदायक संस्था तथा केन्द्र (संख्या) | छोटो अवधि | ११३१ | |
| | | लामो अवधि | ६१८ | |
| ५.३ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक सीप विकास तालिम (छोटो अवधि) प्राप्त गरी सीप परीक्षण उत्तीर्ण जनशक्ति* (वार्षिक संख्या) | महिला | | |
| | | पुरुष | | |
| ५.४ | ईन्टरनेट उपयोग गर्न सक्ने आर्थिक रूपले सक्रिय जनशक्ति* (%) | ५८.० | | |
| ५.५ | पूर्व सिकाइ तथा कार्यअनुभव, स्वअध्ययन वा अनौपचारिक कार्यक्रमहरूबाट सिकेका ज्ञान, सीप र क्षमताको सीप परीक्षणका आधारमा प्राप्त सीपको तह वा क्रेडिट जम्मा गरी प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा वा साधारण शिक्षामा प्रवेशका लागि आवेदन दिने प्राविधिक जनशक्ति (संख्या) | | | १५% |
| ५.६ | कक्षा १२ उत्तीर्ण सरहको डिप्लोमा तथा प्राविधिक तथा व्यावसायिक विषयको शिक्षा पूरा गरी श्रमबजारमा प्रवेश गरेका जनशक्ति (संख्या) | | | १५% |
| ५.७ | कक्षा १० पूरा गरी प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा (उदाहरणका लागि डिप्लोमा) मा प्रवेश गर्ने विद्यार्थी दर (%) | | | २५% |
| ५.८ | गुणस्तर सुनिश्चितता तथा प्रत्यायन प्रमाण चिन्ह प्राप्त गरी सञ्चालनमा रहेका प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा तथा सीप विकास तालिम कार्यक्रमहरू* (%) | | | ० |
| ५.९ | पूर्वसिकाइ अनुभव (Prior Learning) का आधारमा सीप परीक्षण भई औपचारिक प्रमाणपत्र प्राप्त (Recognition of Prior Learning) प्राविधिक जनशक्ति* (संख्या) | महिला | | ६०० |
| | | पुरुष | | २००० |
| ६. | सुसासन तथा व्यवस्थापन | | | ठिक छ |

| क्र.सं. | नगर शिक्षा योजनाको सुरुवाती विन्दुमा | राष्ट्रिय | प्रदेश | स्थानीय |
|---------|--|-----------|--------|---------|
| ६.१ | शिक्षण सिकाइ क्रियाकलापमा कम्प्युटर लगायतको प्रविधिको उपयोग भएका विद्यालय (%) | | | ३८ |
| ६.२ | न्यूनतम सिकाइ सवलीकरण मापदण्ड (Minimum Enabling Conditions) पूरा गरेका आधारभूत तहका विद्यालय (%) | | | ११ |
| ६.३ | न्यूनतम सिकाइ सवलीकरण मापदण्ड (Minimum Enabling Conditions) पूरा गरेका माध्यमिक तहका विद्यालय (%) | | | २ |
| ६.४ | न्यूनतम सिकाइ सवलीकरण मापदण्ड (Minimum Enabling Conditions) पूरा गरेका प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा प्रदायक शिक्षालय (%) | | | ० |
| ६.५ | नर्सिङ सेवा तथा सुविधा पुगेको विद्यालय (%) | | | ० |
| ६.६ | नर्सिङ सेवा तथा सुविधा पुगेका प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा तथा सीप विकास तालिम प्रदायक शिक्षालय (%) | | | |
| ६.७ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) मा छात्रवृत्ति प्राप्त गर्ने विद्यार्थी* (%) | | | ५२% |
| ६.८ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा छात्रवृत्ति प्राप्त गर्ने विद्यार्थी* (%) | २२.० | | |
| ६.९ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा -लामो अवधि) तथा सीप विकास (छोटो अवधि) मा छात्रवृत्ति प्राप्त गर्ने विद्यार्थी (%) | २६.० | | |
| ६.१० | आधारभूत तहको विद्यालयमा नेतृत्व विकास तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम प्राप्त प्रधानाध्यापक (%) | | | ५५% |
| ६.११ | प्रचलित कानूनमा व्यवस्था भए बमोजिम प्रधानाध्यापक तथा प्राचार्य नियुक्त गर्ने माध्यमिक विद्यालय (%) | | | १०% |
| ६.१२ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा प्रदायक शिक्षालयमा नेतृत्व तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम प्राप्त प्राचार्य (%) | | | |
| ६.१३ | बालबालिकालाई आधारभूत जीवन-सीपसहित कोभिड जस्ता महामारी तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरणसम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने आधारभूत तहको विद्यालय (%) | | | ८०% |
| ६.१४ | बालबालिकालाई आधारभूत जीवन - सीपसहित कोभिड जस्ता महामारी तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरण सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने माध्यमिक तहको विद्यालयमा (%) | | | |
| ६.१५ | बालबालिकालाई आधारभूत जीवन - सीपसहित कोभिड जस्ता महामारी तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरण सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा प्रदायक शिक्षालय (%) | | | |
| ६.१६ | समता इन्डेक्सका आधारमा राष्ट्रिय औषत भन्दा कम समता इन्डेक्स भएका स्थानीय तहहरू | | | |
| ६.१७ | विद्युतको पहुँच पुगेको विद्यालय* (%) | ३४.७ | | ९०% |
| ६.१८ | इन्टरनेट सुविधा पुगेको विद्यालय* (%) | १२.७ | | ९०% |
| ६.१९ | खानेपानी, शौचालय र प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाको पहुँच पुगेको विद्यालय* (%) | ८५.९ | | ९०% |
| ६.२० | अपाङ्गता मैत्री विद्यालय* (%) | १८.० | | ३५% |
| ६.२१ | राष्ट्रिय तथा स्थानीय पाठ्यक्रममा मानव अधिकार, दिगो विकास, लैङ्गिक समानता जस्ता विषयवस्तुहरूको समावेशीकरण भएको सुनिश्चितता | | | ६०% |
| ६.२२ | एक वर्षमा सेवावाट अवकास लिने शिक्षक (निवृत्त भएका समेत) दर* (%) | ३.० | | ४०% |

| क्र.सं. | नगर शिक्षा योजनाको सुरुवाती विन्दुमा | राष्ट्रिय | प्रदेश | स्थानीय |
|---------|---|-----------|--------|---------|
| ६.२३ | गुणस्तर सुनिश्चितता र प्रत्यायन प्रणालीमा आवद्ध विद्यालय संख्या (%) | | | १% |
| ६.२४ | मुख्य विषयहरूमा डिजिटल पाठ्यसामग्री प्रयोग गर्ने विद्यालय संख्या (%) | | | २% |
| ६.२५ | स्थानीय र प्रदेश तहमा औद्योगिक प्रशिक्षाथी (Apprenticeship) तथा कार्यस्थलको सिकाई सम्बन्धी सञ्चालन भएका कार्यक्रम संख्या | | | |
| ६.२६ | राष्ट्रिय पेसागत सक्षमता मानक (National Occupational Competency Standard) को आधारमा सीपको क्रेडिट जम्मा गर्ने प्राविधिक जनशक्ति संख्या | | | |
| ६.२७ | राष्ट्रिय योग्यताको ढाँचाअनुसार तयार गरिएको राष्ट्रिय पेसागत सक्षमता मानक (National Occupational Competency Standard) को आधारमा सिकाई उपलब्धीको परीक्षण भएका कार्यक्रम संख्या | | | |
| ७. | उच्च शिक्षा | | | |
| ७.१ | प्राविधिक उच्च शिक्षा प्रदायक सङ्काय (संख्या) | | | |
| ७.२ | उच्च शिक्षामा उपलब्ध छात्रवृत्ति* (%) | ३६.६ | | |
| ७.३ | विज्ञान अध्ययन केन्द्रको स्थापना भएका प्रदेश (संख्या) | ० | | |
| ७.४ | विद्यार्थीलाई आधारभूत जीवन - सिपसहित कोभिड जस्ता महामारी तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरण सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने उच्च शिक्षा प्रदायक संस्था (%) | | | |
| ७.५ | क्षेत्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरबाट नेपाली विद्यार्थीका लागि प्राप्त छात्रवृत्ति* | २८०० | | |
| ८. | शिक्षामा लगानी | | | |
| ८.१ | शिक्षामा कूल ग्राहस्थ्य उत्पादनको अंश (%) | | | |
| ८.२ | सुत्रमा आधारित शिक्षामा लगानी (%) | | | |
| ८.३ | आधारभूत तह (कक्षा १-५) मा प्रति विद्यार्थी लागत (रु.) | | | |
| ८.४ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक सीप विकास तालिम (छोटो अवधि) मा प्रति शिक्षार्थी लागत (रु.) | | | |
| ८.५ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा (लामो अवधि) मा प्रति शिक्षार्थी लागत (रु.) | | | |
| ८.६ | उच्च शिक्षा (साधारण) मा प्रति विद्यार्थी लागत (रु.) | | | |
| ८.७ | उच्च शिक्षा (प्राविधिक) मा प्रति विद्यार्थी लागत (रु.) | | | |
| ८.८ | गुणस्तर सुनिश्चितता तथा प्रत्यायन प्राप्त क्याम्पस (संख्या) | | | |

| क्र.सं. | नगर शिक्षा योजनाको सुरुवाती विन्दुमा | राष्ट्रिय | प्रदेश | स्थानीय |
|---------|--|-----------|--------|---------|
| १. | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा | | | |
| १.१ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा कूल भर्ना दर* (%) | ८६.२ | | १५८.३ |
| १.२ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाकेन्द्र (सङ्ख्या) | ३००३९ | | ५४ |
| १.३ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा भर्ना भएका बालबालिकाहरू मध्ये आवश्यक खोप प्राप्त गरेका बालबालिका दर* (%) | | | |
| १.४ | तोकिएको न्यूनतम मापदण्ड पूरा गरेका प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाकेन्द्र (%) | २५ | | २५ |
| १.५ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा भर्ना भएका बालबालिकाहरू मध्ये मनोसामाजिक विकासकालागि उचित वातावरण पाएका बालबालिका (%) | | | |

| क्र.सं. | नगर शिक्षा योजनाको सुरुवाती विन्दुमा | राष्ट्रिय | प्रदेश | स्थानीय |
|---------|---|-----------|--------|---------|
| १.६ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा बालबालिका र तालिम प्राप्त शिक्षक तथा सहजकर्ताको अनुपात | २३.१ | | |
| १.७ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा कार्यरत तोकिएको योग्यता प्राप्त शिक्षक तथा सहजकर्ता* (%) | ९५.७ | | |
| १.८ | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा दिवा खाजा, खेल तथा सिकाइ सामग्री सहितको अनुदान प्राप्त गर्ने बालबालिकाको सङ्ख्या * (हजारमा) | ५८० | | |
| २. | आधारभूत शिक्षा (कक्षा १-८) | | | |
| २.१ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) मा अध्ययनरत बालबालिकाहरू मध्ये आफ्नो मातृभाषा र विद्यालयमा शिक्षण - सिकाइको माध्यम भाषा फरक भएका बालबालिकाको सङ्ख्या (%) | | | |
| २.२ | मातृभाषामा पठनपाठन हुने विद्यालय* (सङ्ख्या) | २८० | | |
| २.३ | आधारभूत तहमा कार्यरत तोकिएको योग्यता प्राप्त शिक्षक* (%) | ९६.५ | | १०० |
| २.४ | आधारभूत तह (कक्षा १-५) मा विद्यार्थी र तालिम प्राप्त शिक्षकको अनुपात | | | |
| २.५ | आधारभूत तह प्राथमिक (कक्षा १-५) को समायोजित खुद भर्ना दर* (%) | ९८.१ | | |
| २.६ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) मा विद्यार्थी र तालिम प्राप्त शिक्षकको अनुपात | | | |
| २.७ | आधारभूत तहको कक्षा १-५ बाट सोही तहको कक्षा ६ मा ट्रान्जिसन (Transit) दर* (%) | ९३.० | | |
| २.८ | आधारभूत तहको कक्षा ८ को कूलप्रवेश दर* (%) | ९३.५ | | |
| २.९ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) को समायोजित खुद भर्ना दर* (%) | ९५.७ | | |
| २.१० | आधारभूत तह (कक्षा १-८) मा भर्ना भएका ५-१२ वर्ष उमेर समूहका भन्दा माथिका बालबालिका* (%) | १७.० | | |
| २.११ | आधारभूत तहको कक्षा १ मा भर्ना भई कक्षा ८ पुग्ने छात्रा र छात्रको समता अनुपात | १.०१ | | |
| ३. | माध्यमिक शिक्षा (कक्षा ९-१२) | | | |
| ३.१ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा कार्यरत न्यूनतम योग्यता तथा तालिम प्राप्त शिक्षकहरू* (%) | ९६.० | | |
| ३.२ | कक्षा १२ को अन्तिम परीक्षामा उत्तीर्ण छात्रा र छात्र दर (%) प्रतिशत | | | २६.८१ |
| ३.३ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१०) मा विद्यार्थी र तालिम प्राप्त शिक्षकको अनुपात | | | |
| ३.४ | माध्यमिक तह (कक्षा ११-१२) मा विद्यार्थी र तालिम प्राप्त शिक्षकको अनुपात | | | |
| ३.५ | हरेक प्रदेशमा संघीय सरकारको लगानीमा सञ्चालित राष्ट्रिय विज्ञान माध्यमिक विद्यालय (सङ्ख्या) | | | |
| ४. | जिवनपर्यन्त शिक्षा तथा सिकाइ र अनौपचारिक शिक्षा | | | |
| ४.१ | भाषिक तथा गणितीय साक्षरता सीप (१५ वर्ष भन्दा माथि)८ (%) | ७१.७ | | |
| ४.२ | भाषिक तथा गणितीय साक्षरता सीप (१५ वर्ष भन्दा माथिका महिला)* (%) | ६३.४ | | |
| ४.३ | युवा तथा वयस्कहरूले प्राप्त गरेको अनौपचारिक शिक्षाको समक्षता निर्धारण दर* (%) | | | |
| ४.४ | अनौपचारिक शिक्षामा वार्षिक रूपमा युवा तथा वयस्कहरूको सहभागिता दर* (%) | | | |

| क्र.सं. | नगर शिक्षा योजनाको सुरुवाती विन्दुमा | राष्ट्रिय | प्रदेश | स्थानीय |
|---------|---|-----------|--------|---------|
| ४.५ | जिवन-पर्यन्त शिक्षा तथा सिकाइमा विश्वस्तरको नागरिक सम्बन्धी विषयको समायोजन | | | |
| ५. | प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा तथा सीप विकास तालिम | | | २ वटा |
| ५.१ | हरेक स्थानीय तहमा कम्तिमा एक वटा प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा प्रदायक सामुदायिक विद्यालय (सङ्ख्या) | ४८४ | | २ वटा |
| ५.२ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा (लामो अवधि) तथा सीप विकास (छोटो अवधि) प्रदायक संस्था तथा केन्द्र (सङ्ख्या) | छोटो अवधि | ११३१ | |
| | | लामो अवधि | ६१८ | |
| ५.३ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक सीप विकास तालिम (छोटो अवधि) प्राप्त गरी सीप परीक्षण उत्तीर्ण जनशक्ति* (वार्षिक सङ्ख्या) | महिला | | |
| | | पुरुष | | |
| ५.४ | ईन्टरनेट उपयोग गर्न सक्ने आर्थिक रूपले सक्रिय जनशक्ति* (%) | ५८.० | | |
| ५.५ | पूर्व सिकाइ तथा कार्यअनुभव, स्वअध्ययन वा अनौपचारिक कार्यक्रमहरूबाट सिकेका ज्ञान, सीप र क्षमताको सीप परीक्षणका आधारमा प्राप्त सीपको तह वा क्रेडिट जम्मा गरी प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा वा साधारण शिक्षामा प्रवेशकालागि आवेदन दिने प्राविधिक जनशक्ति (सङ्ख्या) | | | १५% |
| ५.६ | कक्षा १२ उत्तीर्ण सरहको डिप्लोमा तथा प्राविधिक तथा व्यावसायिक विषयको शिक्षा पूरा गरी श्रमबजारमा प्रवेश गरेका जनशक्ति (सङ्ख्या) | | | १५% |
| ५.७ | कक्षा १० पूरा गरी प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा (उदाहरणकालागि डिप्लोमा) मा प्रवेश गर्ने विद्यार्थी दर (%) | | | २५% |
| ५.८ | गुणस्तर सुनिश्चितता तथा प्रत्यायन प्रमाण चिन्ह प्राप्त गरी सञ्चालनमा रहेका प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा तथा सीप विकास तालिम कार्यक्रमहरू* (%) | | | ० |
| ५.९ | पूर्वसिकाइ अनुभव (Prior Learning) का आधारमा सीप परीक्षण भई औपचारिक प्रमाणपत्र प्राप्त (Recognition of Prior Learning) प्राविधिक जनशक्ति* (सङ्ख्या) | महिला | | ६०० |
| | | पुरुष | | २००० |
| ६. | सुसासन तथा व्यवस्थापन | | | ठिक छ |
| ६.१ | शिक्षण सिकाइ क्रियाकलापमा कम्प्युटर लगायतको प्रविधिको उपयोग भएका विद्यालय (%) | | | ३८ |
| ६.२ | न्यूनतम सिकाइ सबलीकरण मापदण्ड (Minimum Enabling Conditions) पूरा गरेका आधारभूत तहका विद्यालय (%) | | | ११ |
| ६.३ | न्यूनतम सिकाइ सबलीकरण मापदण्ड (Minimum Enabling Conditions) पूरा गरेका माध्यमिक तहका विद्यालय (%) | | | २ |
| ६.४ | न्यूनतम सिकाइ सबलीकरण मापदण्ड (Minimum Enabling Conditions) पूरा गरेका प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा प्रदायक शिक्षालय (%) | | | ० |
| ६.५ | नर्सिङ सेवा तथा सुविधा पुगेको विद्यालय (%) | | | ० |
| ६.६ | नर्सिङ सेवा तथा सुविधा पुगेका प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा तथा सीप विकास तालिम प्रदायक शिक्षालय (%) | | | |
| ६.७ | आधारभूत तह (कक्षा १-८) मा छात्रवृत्ति प्राप्त गर्ने विद्यार्थी* (%) | | | ५२% |

| क्र.सं. | नगर शिक्षा योजनाको सुरुवाती विन्दुमा | राष्ट्रिय | प्रदेश | स्थानीय |
|---------|--|-----------|--------|---------|
| ६.८ | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा छात्रवृत्ति प्राप्त गर्ने विद्यार्थी* (%) | २२.० | | |
| ६.९ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा -लामो अवधि) तथा सीप विकास (छोटो अवधि) मा छात्रवृत्ति प्राप्त गर्ने विद्यार्थी (%) | ३६.० | | |
| ६.१० | आधारभूत तहको विद्यालयमा नेतृत्व विकास तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम प्राप्त प्रधानाध्यापक (%) | | | ५५% |
| ६.११ | प्रचलित कानूनमा व्यवस्था भए बमोजिम प्रधानाध्यापक तथा प्राचार्य नियुक्त गर्ने माध्यमिक विद्यालय (%) | | | १०% |
| ६.१२ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा प्रदायक शिक्षालयमा नेतृत्व तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम प्राप्त प्राचार्य (%) | | | |
| ६.१३ | बालबालिकालाई आधारभूत जीवन-सीपसहित कोभिड जस्ता महामारी तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरणसम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने आधारभूत तहको विद्यालय (%) | | | ८०% |
| ६.१४ | बालबालिकालाई आधारभूत जीवन - सीपसहित कोभिड जस्ता महामारी तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरण सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने माध्यमिक तहको विद्यालयमा (%) | | | |
| ६.१५ | बालबालिकालाई आधारभूत जीवन - सीपसहित कोभिड जस्ता महामारी तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरण सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा प्रदायक शिक्षालय (%) | | | |
| ६.१६ | समता इन्डेक्सका आधारमा राष्ट्रिय औषत भन्दा कम समता इन्डेक्स भएका स्थानीय तहहरू | | | |
| ६.१७ | विद्युतको पहुँच पुगेको विद्यालय* (%) | ३४.७ | | ९०% |
| ६.१८ | ईन्टरनेट सुविधा पुगेको विद्यालय* (%) | १२.७ | | ९०% |
| ६.१९ | खानेपानी, शौचालय र प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाको पहुँच पुगेको विद्यालय* (%) | ८५.९ | | ६५% |
| ६.२० | अपाङ्गता मैत्री विद्यालय* (%) | १८.० | | ३५% |
| ६.२१ | राष्ट्रिय तथा स्थानीय पाठ्यक्रममा मानव अधिकार, दिगो विकास, लैङ्गिक समानता जस्ता विषयवस्तुहरूको समावेशीकरण भएको सुनिश्चितता | | | ६०% |
| ६.२२ | एक वर्षमा सेवावाट अवकास लिने शिक्षक (निवृत्त भएका समेत) दर* (%) | ३.० | | ४०% |
| ६.२३ | गुणस्तर सुनिश्चितता र प्रत्यायन प्रणालीमा आबद्ध विद्यालय सङ्ख्या (%) | | | १% |
| ६.२४ | मुख्य विषयहरूमा डिजिटल पाठ्यसामग्री प्रयोग गर्ने विद्यालय सङ्ख्या (%) | | | २% |
| ६.२५ | स्थानीय र प्रदेश तहमा औद्योगिक प्रशिक्षार्थी (Apprenticeship) तथा कार्यस्थलको सिकाई सम्बन्धी सञ्चालन भएका कार्यक्रम सङ्ख्या | | | |
| ६.२६ | राष्ट्रिय पेसागत सक्षमता मानक (National Occupational Competency Standard) को आधारमा सीपको क्रेडिट जम्मा गर्ने प्राविधिक जनशक्ति सङ्ख्या | | | |
| ६.२७ | राष्ट्रिय योग्यताको ढाँचाअनुसार तयार गरिएको राष्ट्रिय पेसागत सक्षमता मानक (National Occupational Competency Standard) को आधारमा सिकाई उपलब्धीको परीक्षण भएका कार्यक्रम सङ्ख्या | | | |
| ७. | उच्च शिक्षा | | | |
| ७.१ | प्राविधिक उच्च शिक्षा प्रदायक सङ्ख्या (सङ्ख्या) | | | |
| ७.२ | उच्च शिक्षामा उपलब्ध छात्रवृत्ति* (%) | ३६.६ | | |

| क्र.सं. | नगर शिक्षा योजनाको सुरुवाती विन्दुमा | राष्ट्रिय | प्रदेश | स्थानीय |
|---------|---|-----------|--------|---------|
| ७.३ | विज्ञान अध्ययन केन्द्रको स्थापना भएका प्रदेश (सङ्ख्या) | ० | | |
| ७.४ | विद्यार्थीलाई आधारभूत जीवन - सिपसहित कोभिड जस्ता महामारी तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरण सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने उच्च शिक्षा प्रदायक संस्था (%) | | | |
| ७.५ | क्षेत्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरबाट नेपाली विद्यार्थीकालागि प्राप्त छात्रवृत्ति* | २८०० | | |
| ८. | शिक्षामा लगानी | | | |
| ८.१ | शिक्षामा कूल ग्राहस्थ्य उत्पादनको अंश (%) | | | |
| ८.२ | सुन्नमा आधारित शिक्षामा लगानी (%) | | | |
| ८.३ | आधारभूत तह (कक्षा १-५) मा प्रति विद्यार्थी लागत (रु.) | | | |
| ८.४ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक सीप विकास तालिम (छोटो अवधि) मा प्रति शिक्षार्थी लागत (रु.) | | | |
| ८.५ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा (लामो अवधि) मा प्रति शिक्षार्थी लागत (रु.) | | | |
| ८.६ | उच्च शिक्षा (साधारण) मा प्रति विद्यार्थी लागत (रु.) | | | |
| ८.७ | उच्च शिक्षा (प्राविधिक) मा प्रति विद्यार्थी लागत (रु.) | | | |
| ८.८ | गुणस्तर सुनिश्चितता तथा प्रत्यायन प्राप्त क्याम्पस (सङ्ख्या) | | | |

सन्दर्भ सामग्रीहरू :

- ❖ नेपालको संविधान (२०७२)
- ❖ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २९७४
- ❖ राष्ट्रिय शिक्षा नीति २०७६
- ❖ समावेशी आयोग नीति २०७६
- ❖ शिक्षा क्षेत्रको योजना (२०२१-२०३०),
- ❖ नेपाल सरकार शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय
- ❖ समावेशी शिक्षा नीति २०७३
- ❖ राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारूप २०७६
- ❖ स्थानीय पाठ्यक्रम निर्माण र कार्यान्वयन मार्गदर्शन (मातृभाषा सहित), २०७६, पाठ्यक्रम विकास केन्द्र, सानोठिमी, भक्तपुर
- ❖ मध्यविन्दु नगरपालिकाको पार्श्वचित्र २०७५
- ❖ मध्यविन्दु नगरपालिकाको पाँचवर्षे आवधिक योजना २०७७
- ❖ राष्ट्रिय तथ्यांक कार्यालय, २०७९
- ❖ मध्यविन्दु नगरपालिकानगर, वस्तुस्थिति विवरण, २०७७
- ❖ मध्यविन्दु नगरपालिका, शैक्षिक बुलेटिन, २०७९
- ❖ मध्यविन्दु नगरपालिका, घरधुरी सर्वेक्षण, २०७७
- ❖ शिक्षा तथा मानवश्रोत विकास केन्द्र, २०२२
- ❖ मंगला गाउँपालिकाको दश वर्षे शिक्षा क्षेत्र योजना २०७६/०७९-०८७/०८८
- ❖ शिक्षा क्षेत्र योजना विकास कार्य ढाँचा २०७७,
- ❖ नेपाल सरकार शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय
- ❖ प्राविधिक शिक्षा कार्यविधि
- ❖ पन्क १ योजना आ।व। २०७६/०७७-०८०/०८१
- ❖ राष्ट्रिय विज्ञान तथा नव प्रवर्तन नीति २०७६
- ❖ अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा ऐन, २०७५
- ❖ दिगो विकासका लक्ष्यहरू, वर्तमान अवस्था र मार्गचित्र
- ❖ राष्ट्रपति शैक्षिक सुधार कार्यक्रम २०७६
- ❖ मध्यविन्दु नगरपालिकाको वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम २०७६/०७७ - २०७७/०७८
- ❖ School Sector Development Plan 2016-2023, Gon, Ministry of Education

मध्यविन्दु नगरपालिकाको नगर गान

मध्यविन्दु नगर हाम्रो नवलपुरको शान
असल कर्म, सुशासन खास पहिचान
सम्पदा हुन् हाम्रा गौरव यिनै हिरा मणी
शिरको ताज राँकाचुली दक्षिण नारायणी
देशकै मुटु मध्यविन्दु जब चलन थाल्छ
चेतनाको पहिलो दीप यहीँबाट बल्छ
कृषि उद्योग व्यापार अनि पेसा पर्यटन
प्राकृतिक जीवनशैली स्वावलम्बी जन
अनेक जाति भाषा धर्म संस्कृतिको सिन्धु
समृद्धिले खुसी बनाउँ हाम्रो मध्यविन्दु

सर्जक: टीका सापकोटा